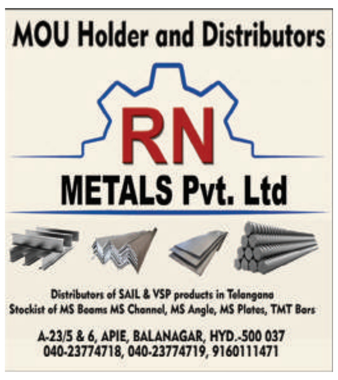

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 23 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-350

300 टुकड़े तय!

हाईकोर्ट हस्तक्षेप नहीं-अंतिम शासनादेश शीघ्र

तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार ने जनभावनाओं के विपरीत, राजनीतिक आरोपों को नजरअंदाज करते हुए अपने एकमात्र लक्ष्य ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कार्पोरेशन (GHMC) की सत्ता पर येन केन प्रकारेण कब्जे के लिए आगामी एक-दो दिनों में 150 से बढाकर 300 वार्ड बनाने संबंधी अंतिम शासनादेश जारी करने का पक्का मन बना लिया है। सोमवार को हाईकोर्ट ने भी 300 वार्ड संबंधी सरकार के नीतिगत निर्णय में हस्तक्षेप से इंकार कर इसका रास्ता साफ कर दिया है।

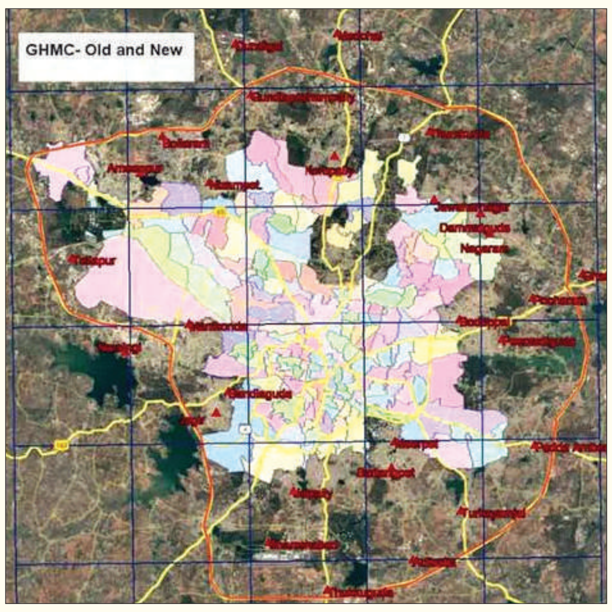

इससे पूर्व इसी की तैयारियों के तहत उच्च न्यायालय के निर्देशों के आधार पर, जीएचएमसी अधिकारियों ने दो वार्डों 104 (शाहअली बंडा 0 जनसंख्या 32,761) और 134 (लंगरहौज 0 जनसंख्या 50,484) का विवरण ऑनलाइन अपलोड कर दिया है। इसमें वार्ड की जनसंख्या, सीमाओं का विवरण, प्रस्तावित मानचित्र और 9 दिसंबर को जारी प्रारंभिक राजपत्र अधिसूचना के अनुसार प्रस्तावित 300 वार्डों के साथ जीएचएमसी का पूरा नक्शा शामिल है।

अदालत के निर्देशानुसार, यह जानकारी सार्वजनिक कर दी गई है और संबंधित सर्कल एवं जोनल कार्यालयों के साथ-साथ टैंक बंड स्थित जीएचएमसी के मुख्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध करा दी गई है। इस कदम से वार्डों के परिसीमन की प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और आम जनता अपनी सीमाओं और जनसंख्या के आंकड़ों को देख सकेगी।

विलियम शेक्सपियर की प्रसिद्ध पंक्ति, ''नाम में क्या रखा है?'', हैदराबाद के वार्ड परिसीमन विवाद में एक अप्रत्याशित गूँज पाती है। चाहे सफ़ीलगुडा को विनायकनगर कहा जाए या कोई अन्य नाम, नागरिकों को अभी भी वही सड़कों, जल आपूर्ति, बिजली कटौती, नालियों और गड्ढों का अनुभव होता है। फिर भी, एक शहर को कार्यात्मक रूप से वार्डों में कैसे विभाजित किया जाता है, यह सीधे तौर पर प्रभावित करता है कि रोजमर्रा की सेवाओं की योजना, वितरण और निगरानी कितनी प्रभावी ढंग से की जाती है।

मूल रूप से, वार्ड परिसीमन यह तय करता है कि शहर कैसे योजना बनाते हैं, संसाधनों का आवंटन करते हैं और बुनियादी सेवाएं प्रदान करते हैं। यह सीधे तौर पर संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 11 (सतत शहर और समुदाय) और स्वास्थ्य, जल, बुनियादी ढांचे तथा जलवायु कार्रवाई से संबंधित अन्य लक्ष्यों के साथ मेल खाता है।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम में वार्डों की संख्या 150 से बढ़ाकर 300 करने का प्रस्ताव केवल एक नियमित चुनावी समायोजन नहीं है। यह शासन दक्षता और पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए एक संरचनात्मक सुधार है। हैदराबाद अपनी ऐतिहासिक सीमाओं से बहुत आगे निकल गया है। 27 परिधीय शहरी स्थानीय निकायों के विलय और आउटर रिंग रोडतक विकास के साथ, GHMC का कार्यात्मक क्षेत्र लगभग 650 वर्ग किमी से बढ़कर लगभग 2,000 वर्ग किमी हो गया है। इस विशाल क्षेत्र को पुराने वार्ड ढांचे के साथ प्रबंधित करना अब संभव नहीं है।

शुरुआती दौर में 20,000 की आबादी वाले वार्ड को प्रबंधनीय माना जाता था, लेकिन 2011 की जनगणना तक यह बढ़कर 40,000 से 60,000 हो गई। एक महत्वपूर्ण सिद्धांत यह था कि वार्डों को नंबर दिए जाते थे, नाम नहीं, ताकि भविष्य में उप-विभाजन के समय भ्रम न हो।

हैदराबाद का विकास वार्ड संरचनाओं के विकास का एक स्पष्ट उदाहरण है:

2007 से पहले (MCH युग): 24 वार्ड, 173 वर्ग किमी क्षेत्र, औसत वार्ड जनसंख्या 1.46 लाख।

2007 के बाद (GHMC गठन): 13 नगर पालिकाओं के विलय से 150 वार्ड बने, औसत वार्ड जनसंख्या घटकर 45,000 हुई।

वर्तमान संदर्भ: जनसंख्या एक करोड़ के करीब पहुँच रही है, औसत वार्ड जनसंख्या फिर से 60,000-70,000 हो रही है।

▶10 पर

मच्छीः मार्केट

214 में से 28 की नीलामी हुई, लेकिन...

तेलंगाना सरकार राज्य में मत्स्य पालन क्षेत्र को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। रंगारेड्डी जिले के कोहेड़ा में विश्व स्तरीय मानकों के साथ एक विशाल मछली निर्यात केंद्र (Fish Hub) स्थापित किया जाएगा। राज्य मंत्री वाकिटी श्रीहरी ने इब्राहिमपटनम विधायक मलरेड्डी रंगारेड्डी और मत्स्य सहकारी संघ के अध्यक्ष साईकुमार के साथ प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। गौरतलब है कि बेगम बाजार में भी पुरानी निजामकालीन दुकानें तोड़कर 22 सितम्बर 2022 को 214 दुकानों के साथ एक चार मंजिला अत्याधुनिक फिश मार्केट बनाया गया था, किन्तु दुर्भाग्यवश इनमें से एक भी दुकान आवंटित नहीं हुई। परिणामस्वरूप दुकानदार सड़कों पर व्यापार को मजबूर है। बताया जा रहा कि आबिड्स स्थित जीएचएमसी कार्यालय में इन दुकानों की नीलामी के समय मत्स्य व्यापारियों में मामूली मतभेद हो गये थे, जिसके कारण आवंटन का कार्य रोक दिया गया था। गोशामहल के कार्पोरेटर लाल सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए सरकार से तत्काल दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू करने की माँग की।

DAILY शुभ लाभ IMPACT

उधर, मछली कारोबारी उदय सिंह ने भी करोड़ों की लागत से बने फिश मार्केट को बिना देरी किये खोलने की माँग की। उन्होंने कहा कि स्थानीय निवासियों व आमजनता को गंदगी, सडन व बदबू से निजात मिलेगी और दुकानदारों को भी इससे लाभ होगा। उन्होंने बताया कि मात्र 28 दुकानों का आवंटन हुआ था, लेकिन अगले ही दिन उसे भी कैंसिल कर दिया गया। तीन साल बाद भी कोई इस मच्छी मार्केट की सुध नहीं ले रहा है। व्यापारियों के मतभेद मध्यस्थता से सुलझाये जा सकते हैं और जो भी योग्य हो, उन्हें उनका हक मिलना चाहिए।

3 साल से धूल फांक रहे बेगम बाजार फिश मार्केट को छोड़ सरकार कोहेड़ा के सर्वे नंबर 167 में लगभग 13 एकड़ के विस्तार में 47 करोड़ की लागत से फिश हब मेगा प्रोजेक्ट का निर्माण करने जा रही है । अधिकारियों द्वारा तैयार की गई विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) का अवलोकन करने के बाद, मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह केंद्र मछुआरों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि यदि आवश्यकता पड़ी, तो मुख्यमंत्री से चर्चा कर 20 करोड़ की अतिरिक्त निधि भी मंजूर कराई जाएगी। यहाँ अत्याधुनिक कोल्ड स्टोरेज और पैकेजिंग यूनिट्स भी स्थापित की जाएंगी।

मंत्री का कहना है कि इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ हैदराबाद के निवासियों को होगा। वर्तमान में शहर में मछलियों की कीमतें काफी अधिक हैं, लेकिन इस थोक निर्यात केंद्र के चालू होने से बिचौलियों की भूमिका खत्म हो जाएगी। मंत्री ने जोर देकर कहा कि कम कीमत पर ताजी मछलियाँ उपलब्ध कराना इस प्रोजेक्ट का मुख्य लक्ष्य है। भारी स्टॉक और डायरेक्ट मार्केट एक्सेस के कारण आम लोगों के लिए प्रोटीन युक्त स्वस्थ आहार तक पहुंचना आसान हो जाएगा।

हिन्दुओं को दबाने हेट स्पीच लॉ : राव

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना की कांग्रेस सरकार द्वारा प्रस्तावित एंटी-हेट स्पीच (नफरत भरे भाषण विरोधी) कानून को लेकर राज्य में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। राज्य भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने सोमवार को इस प्रस्तावित कानून का कड़ा विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह कानून केवल भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने और उन्हें दबाने के लिए लाया जा रहा है।

एक वीडियो संदेश जारी करते हुए रामचंद्र राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी के नेता खुद नफरत भरे बयान देते हैं, जिनमें हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ की गई टिप्पणियां भी शामिल हैं। उन्होंने हाल ही में जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की टिप्पणी ''कांग्रेस का मतलब मुस्लिम, मुस्लिम का मतलब कांग्रेस'' का हवाला देते हुए सवाल किया कि क्या ऐसे बयान हेट स्पीच की श्रेणी में नहीं आते? भाजपा नेता ने कर्नाटक का उदाहरण देते हुए कहा, कांग्रेस सरकार कर्नाटक की तर्ज पर यह बिल लाने की कोशिश कर रही है। कर्नाटक के बिल का मसौदा दिखाता है कि इसे केवल भाजपा कार्यकर्ताओं को परेशान करने और नेताओं को निशाना बनाने के लिए बनाया गया है।

उल्लेखनीय है कि 20 दिसंबर को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार जल्द ही नफरत भरे भाषणों के खिलाफ सख्त कानून बनाएगी।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

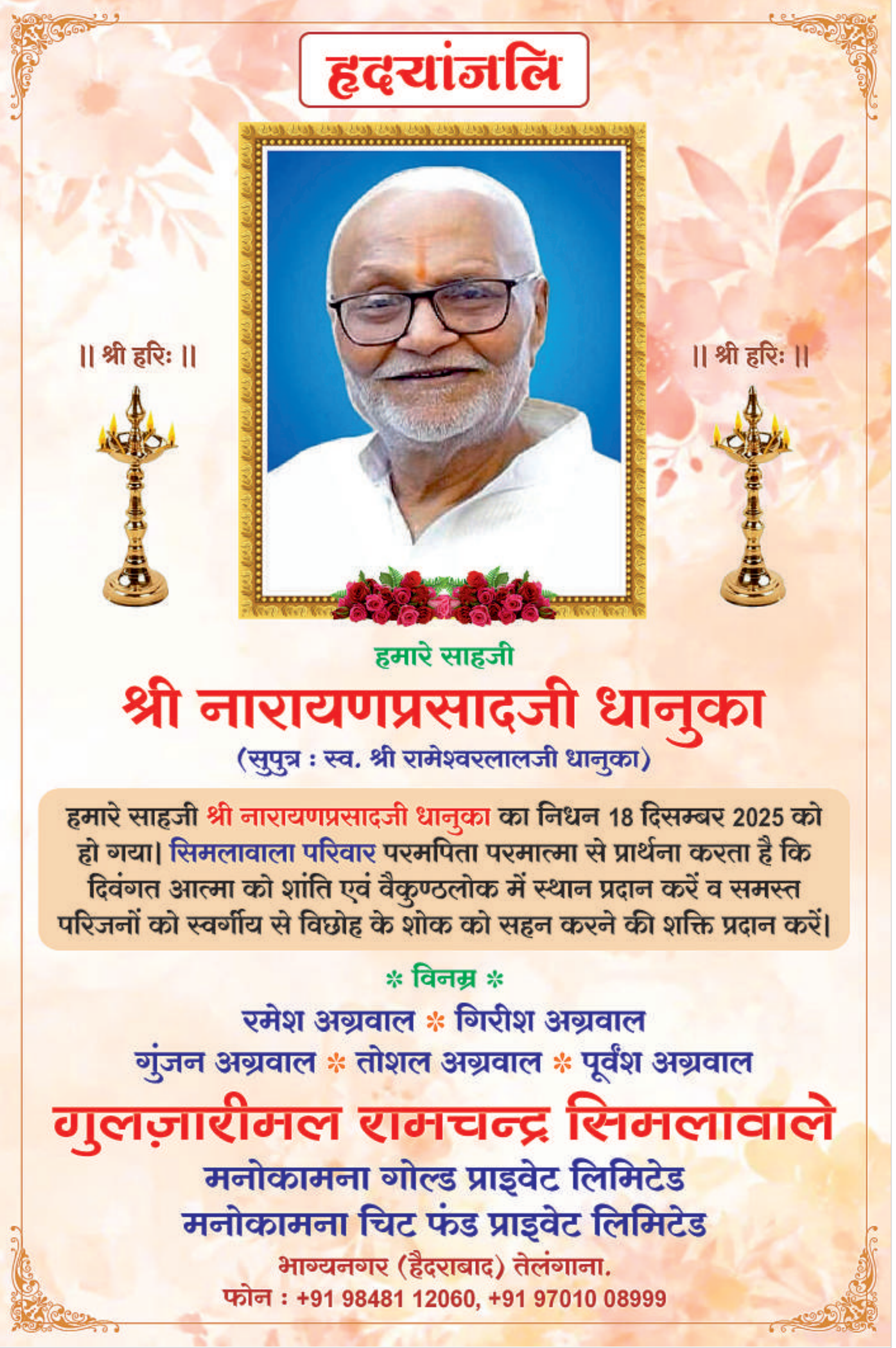

रावलपिंडी में पीटीआई के विरोध प्रदर्शन की भनक से हड़कंप, सारा शहर छावनी में तब्दील

रावलपिंडी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 17 साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद रावलपिंडी में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अदालत के फैसले के बाद इमरान खान के आह्वान पर देशव्यापी प्रदर्शन भी शुरू हो गया है। रावलपिंडी में विरोध प्रदर्शन की आहट से सारे शहर को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। पाकिस्तान के मीडिया में तारी इस आशय की खबर पर गूगल सर्च इंजन पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भी पैनी नजर है।

एआई के अनुसार पीटीआई समर्थकों के संभावित विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए पूरे शहर में 1300 से ज्यादा पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने लियाकत बाग फव्वारा चौक कमेटी चौक और फैजाबाद सहित प्रमुख स्थानों पर 32 नाके लगाए हैं। आदियाला जेल पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसी जेल में इमरान खान को रखा गया है। यहां जाने वाले सभी रास्तों पर बंकर बनाए गए हैं। किसी भी प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को दंगा-रोधी उपकरणों से लैस किया गया है जिसमें आंसू गैस और रबर की गोलियां शामिल हैं। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी राजनीतिक और धार्मिक सभाओं पर तीन दिन का प्रतिबंध (धारा 144) लगाया गया है।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार पीटीआई समर्थकों ने रविवार को पेशावर और खैबर-पख्तूनख्वा के दूसरे शहरों में इमरान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को दोषी ठहराए जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पेशावर में प्रदर्शनकारी असेंबली चौक पर इकट्ठा हुए। वक्ताओं ने अदालती फैसलों की निंदा करते हुए दावा किया कि संस्थापक चेयरमैन और उनकी पत्नी को राजनीतिक बदले की भावना से निशाना बनाया जा रहा है और न्यायपालिका निष्पक्ष न्याय देने में नाकाम रही है।

वक्ताओं ने चेतावनी दी कि इससे पार्टी को चुप नहीं कराया जा सकता। उन्होंने कहा कि इमरान खान ने कार्यकर्ताओं को सड़कों पर उतरने का निर्देश दिया है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में जेल से रिमांड पर ले जाते समय अवामी लीग नेता की मौत

ढाका। बांग्लादेश के जेल अधिकारियों ने बताया कि गाजीपुर की कासिमपुर सेंट्रल जेल से रिमांड पर ले जाते समय कल एक अवामी लीग नेता की मौत हो गई। मृतक की पहचान गोपालगंज के तुंगीपारा उपजिला के उत्तर बाशबारिया गांव के 43 वर्षीय वासिकुर रहमान बाबू के रूप में हुई है। वह बड्डा थाना छात्र लीग के पूर्व अध्यक्ष थे और बड्डा थाना अवामी लीग के युवा और खेल सचिव के रूप में काम करते थे। रिपोर्ट के अनुसार काशिमपुर सेंट्रल जेल-2 के अधीक्षक अल मामून ने बताया कि बाबू की मौत हृदयाघात से हुई। जेल अधिकारियों के अनुसार बाबू को 24 सितंबर को राजधानी के पंथापथ इलाके में एक जुलूस में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में आतंक विरोधी अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। तीन दिन बाद उन्हें काशिमपुर सेंट्रल जेल-2 में स्थानांतरण कर दिया गया था। बाद में एक अदालत ने पुलिस को तीन दिन का रिमांड सौंपा। अल मामून ने बताया कि कल दोपहर एक पुलिस टीम बाबू को पूछताछ के लिए हिरासत में लेने जेल पहुंची। उसे जेल के कक्ष में ले जाया गया और उसे बैठने के लिए कहा गया। जेल अधीक्षक ने कहा 'उसी समय वह अचानक कुर्सी से गिर गया और बेहोश हो गया। बाबू को तुरंत गाजीपुर के शहीद ताजुद्दीन अहमद मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी ने दिया अरबों का दान अमेजन में 43 प्रतिशत घटाई हिस्सेदारी

वॉशिंगटन। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी और प्रसिद्ध परोपकारी मैकेंजी स्कॉट ने वर्ष

2025 में दान का एक नया वैश्विक कीर्तिमान स्थापित किया है। अपनी उदारता के लिए जानी जाने वाली स्कॉट ने इस साल कुल 7.1 बिलियन डॉलर (लगभग 7166000000 डॉलर) का दान दिया है जो किसी भी एक वर्ष में उनके द्वारा दी गई अब तक की सबसे बड़ी राशि है। उनकी आधिकारिक वेबसाइट यील्ड गिविंग पर साझा की गई जानकारी के अनुसार यह विशाल धनराशि दुनिया भर की 186 विभिन्न संस्थाओं को वितरित की गई है। इन संस्थाओं में मुख्य रूप से विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत संगठन और सामाजिक समानता के लिए संघर्ष करने वाली इकाइयां शामिल हैं। इस वर्ष के दान की सबसे खास बात शैक्षणिक संस्थानों को दिया गया अटूट समर्थन रहा है। मैकेंजी स्कॉट ने हॉवर्ड यूनिवर्सिटी को 88 मिलियन डॉलर का दान दिया जो इस विश्वविद्यालय के 158 वर्षों के लंबे इतिहास में किसी भी व्यक्तिगत दाता द्वारा दिया गया सबसे बड़ा योगदान है। इसके अलावा उन्होंने शिक्षा और डिग्री प्राप्ति में सहायता करने वाली संस्था 10000 डिग्री को 42 मिलियन डॉलर की राशि प्रदान की है। परोपकार की इस लंबी सूची के कारण वे अब दुनिया के सबसे बड़े दानदाताओं की श्रेणी में वॉरेन बफेट और बिल गेट्स जैसे दिग्गजों के समकक्ष आ खड़ी हुई हैं।

पैर कूल्हे और गर्दन पर काली स्याही से 'लोलिता की पंक्तियां लिखी नजर आईं

वॉशिंगटन। अमेरिका में इन दिनों जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी सीक्रेट फाइलों ने जबरदस्त हंगामा मचा हुआ है। 19

दिसंबर को अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट द्वारा जारी की गई इन फाइलों ने उस काले सच को सामने ला दिया है जिसने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। जेफ्री एपस्टीन वही कुख्यात सेक्स ऑफेंडर है जिसने प्रभावशाली और ताकतवर लोगों से अपने संबंधों का इस्तेमाल कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सेक्स ट्रैफिकिंग का जाल फैलाया। नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण से जुड़े उसके अपराध अब उजागर हो रहे हैं। इस मामले में सामने आए सबूतों में सबसे ज्यादा घृणित और डराने वाली वे तस्वीरें मानी जा रही हैं जिन्हें डेमोक्रेट्स सांसदों ने सार्वजनिक किया है। सांसदों ने एपस्टीन से जुड़े 68 फोटो रिलीज किए जिनमें बच्चियों और युवतियों के शरीर पर आपत्तिजनक और विकृत मानसिकता को दर्शाने वाली पंक्तियां लिखी हुई हैं। ये पंक्तियां अमेरिकी लेखक व्लादिमीर नोबोकोव के विवादित उपन्यास 'लोलिता से ली गई बताई जा रही हैं। यह उपन्यास एक 12 साल की बच्ची के यौन शोषण की कहानी पर आधारित है और इसी वजह से इसे कई देशों में बैन किया जा चुका है। सबसे ज्यादा परेशान करने वाली तस्वीरों में एक महिला के शरीर के अलग-अलग हिस्सों छाती पैर कूल्हे और गर्दन पर काली स्याही से 'लोलिता की पंक्तियां लिखी हुई नजर आती हैं। जांच एजेंसियों के मुताबिक इस तरह की तस्वीरों का मकसद इस घिनौने अपराध को 'सुंदर और 'आकर्षक रूप देकर उसकी भयावहता को छिपाना था।

दीपू की हत्या का मामला : पुलिस बोली देर से सूचना मिली नहीं तो बचा लेते जान

ढाका, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

18 दिसंबर को जिस तरह हिंदू युवक दीपू चंद्र दास (25) की हत्या हुई उसने पूरी दुनिया को हिला दिया है। दोष सिर्फ इतना था वो हिंदू था। उस पर धर्म के खिलाफ बोलने का आरोप लगाया और भीड़ ने उसे मार डाला। जबकि जांच में ऐसा कुछ भी नहीं पाया गया। अब बांग्लादेश पुलिस सफाई देती फिर रही है कि देर से सूचना मिली थी इसलिए समय रहते नहीं पहुंच पाए वरना उसकी जान बचा लेते। बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में 18 दिसंबर की रात को एक हिंदू युवक दीपू चंद्र दास (25) की भीड़ द्वारा क्रूर हत्या की घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। दीपू एक गारमेंट फैक्ट्री में मजदूर थे जहां कुछ श्रमिकों ने उन पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। बिना किसी ठोस सबूत के भीड़ ने उन्हें फैक्ट्री से बाहर खींचकर बुरी तरह पीटा पेड़ से बांधा और जिंदा जला दिया। घटना शाम 5 बजे से शुरू हुई जब फैक्ट्री में विरोध प्रदर्शन हुआ। आरोप लगाने वालों का दावा था कि दीपू ने इस्लामी भावनाओं को आहत किया लेकिन जांच में अभी तक ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला। स्थानीय लोगों ने भी कहा कि उन्होंने दीपू को ऐसा कोई बयान देते नहीं सुना। फिर भी भीड़ बढ़ती गई और शाम 9 बजे के आसपास हमला शुरू हो गया। हमलावरों ने शव को ढाका-मयमनसिंह रोड पर ले जाकर आग लगा दी ।पुलिस का कहना है कि उन्हें सूचना देर से मिली। रात 8 बजे के बाद जानकारी मिलने पर वे पहुंचे लेकिन तब तक भीड़ सैकड़ों की संख्या में थी और सड़क पर 10 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अगर समय पर सूचना मिल जाती तो युवक को बचाया जा सकता था। फैक्ट्री प्रबंधन ने दावा किया कि वे अपने स्तर पर स्थिति संभालने की कोशिश कर रहे थे लेकिन असफल होने पर पुलिस को सूचित किया। फैक्ट्री के एक मैनेजर ने दीपू का फर्जी इस्तीफा भी तैयार किया और कहा कि उसे निकाल दिया गया लेकिन भीड़ नहीं मानी। यह घटना बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर बढ़ती हिंसा की गंभीर चिंता पैदा कर रही है। जांच जारी है लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। हिंदू युवक दीपू चंद्र दास पर हमले शुरू कर दिए गए। अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला जिससे यह साबित हो सके कि दीपू चंद्र दास ने किसी की भावनाओं को आहत किया था।

खंडहर हो गया ढाका का 32 धानमंडी एड्रेस क्या बंगबंधु की यादें खत्म होंगी

ढाका। 32 धानमंडी सिर्फ ईंट-गारे का ढांचा नहीं बल्कि बांग्लादेश के जन्म उसके संघर्ष और उसकी त्रासदियों का जीवित दस्तावेज़ रहा है। आपकी इस बात में गहरी सच्चाई है कि दीवारें गिर सकती हैं पर कहानियां नहीं। जब किसी स्थान के साथ राष्ट्र की अस्मिता और मुक्ति संग्राम की भावनाएं जुड़ी हों तब उसे भौतिक रूप से नष्ट करने के बाद भी जनमानस से मिटाना असंभव होता है। राजनीतिक बदलाव अक्सर प्रतीकों पर प्रहार करते हैं। 1975 में भी कोशिश हुई और अगस्त 2024 में भी वही मंजर दिखा। लेकिन शेख मुजीबुर्रहमान का नाम बंगबंधु (बंगाल के मित्र) केवल एक राजनीतिक पदवी नहीं बल्कि उस पहचान से जुड़ा है जिसने 1971 में एक नए राष्ट्र को जन्म दिया। सरकारी रिकॉर्ड में हाउस नंबर 32 को हाउस नंबर 10 कर देना एक प्रशासनिक प्रयास हो सकता है लेकिन इतिहास के पन्नों में और लोगों की यादों में वह हमेशा धानमंडी 32 ही रहेगा। ठीक वैसे ही जैसे दुनिया के कई ऐतिहासिक स्थलों के नाम बदलने के बावजूद उनकी मूल पहचान ही उनकी साख बनी रहती है। वहां 15 अगस्त 1975 की भयावक रात फिर आई 15 अगस्त 1975 की वह रात इस रात ने पते को हमेशा के लिए बदल दिया। गोलियों की आवाजें चीखें भागते कदम और फिर सन्नाटा। इसी घर में शेख मुजीबुर्रहमान और उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों की हत्या की गई। यह सिर्फ एक राजनीतिक हत्या नहीं थी। यह बांग्लादेश की आत्मा पर हमला था। उस रात 32 धानमंडी केवल मकान नहीं रहा वह शोक बन गया। उसके बाद ताले लगे खामोशी छाई और इतिहास को जैसे कोठरी में बंद किया गया। सालों बाद बांग्लादेश में समय बदला। शेख मुजीबुर्रहमान की एकमात्र सलामत बची बेटी शेख हसीना के हाथ देश की सत्ता आई। और यह घर फिर खुल गया। बंगबंधु स्मृति संग्रहालय का रूप लेकर। लोग आए बच्चों ने किताबों से बाहर इतिहास को अपनी आंखों से देखा।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान और खैबर-पख्तूनख्वा में मुठभेड़ में नौ सैनिक, नौ विद्रोही मारे गए

इस्लामाबाद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सबसे अशांत दो प्रांतों बलोचिस्तान और खैबर-पख्तूनख्वा में हुई मुठभेड़ में नौ सैनिक और आजादी समर्थक नौ विद्रोही मारे गए। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और सेना की मीडिया जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) इन घटनाओं पर अलग-अलग दावे किए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, आजादी समर्थक सशस्त्र समूह बलोच लिबरेशन आर्मी ने शनिवार को कहा कि उसके लड़ाकों ने बलोचिस्तान के क्वेटा, कच्ची और केच जिलों में किए गए तीन अलग-अलग हमलों में पाकिस्तान के छह सैनिकों को मार गिराया। मीडिया बयान में बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलोच ने कहा कि लड़ाकों ने शुक्रवार को क्वेटा के बाहरी इलाके में डाघारी क्षेत्र में रिमोट-कंट्रोल इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हमला किया।

उन्होंने कहा कि हमले में सेना के जवानों को निशाना बनाया। इस हमले में चार सैनिक मौके पर ही मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। समूह ने कहा कि दूसरा हमला उसी शाम कच्ची जिले के धदार के कलामुद्दीन इलाके में हुआ। तीसरा हमला शुक्रवार देर रात केच जिले के कुलाग इलाके में स्थित सामी में पाकिस्तान सेना की एक पोस्ट पर किया गया। इसमें पाकिस्तान सेना के दो सैनिक मारे गए।

इस बीच बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट कहा कि उसने 18 से 20 दिसंबर के बीच नुश्की, टंप और दश्त में चार अलग-अलग हमले किए। इसमें तीन जवान मारे गए। फ्रंट के प्रवक्ता मेजर ग्वाहरम बलोच ने कहा कि 18 दिसंबर को नुश्की के जर्रिन जंगल इलाके में लड़ाकों ने सेना के वाहन को उड़ा दिया। इसमें तीन जवान मारे गए और दो अन्य घायल हो गए।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसपीआर ने बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने खैबर-पख्तूनख्वा (केपी(में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के नौ लड़ाकों को मार गिराया। पहली मुठभेड़ 19 दिसंबर को डेरा इस्माइल खान जिले में हुई। इसमें चार विद्रोही मारे गए। इसके अलावा बन्नू जिले की मुठभेड़ में पांच विद्रोही मारे गए।

ईरान पर फिर हमला करने की योजना बना रहा इजराइल

तेल अवीव। ऐसी जानकारी मिल रही रही है कि इजराइल ईरान पर फिर हमला कर सकता है। ईरान के बलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम से भड़का इजराइल फिर ईरान पर स्ट्राइक करने की योजना बना रहा है। 29 दिसंबर को इजराइली पीएम नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने वाले हैं। इस दौरान वह ट्रंप को आगे की योजना पर पूरी जानकारी दे सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट में ईरान के अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि मिसाइल अभियान के चलते डोनाल्ड ट्रंप भी चाहते हैं कि ईरान पर हमला हो। अधिकारी ने कहा कि इजराइल ने अमेरिका के अधिकारियों से पहले भी इस बारे में बात की है। बता दें इजराइल और ईरान में हाल ही में युद्ध हुआ था। इसके बाद अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर बमबारी की थी। रिपोर्ट्स में बताया गया कि ईरान ने परमाणु ठिकाने फिर से बना लिए हैं और इसको लेकर इजराइल चिंतित है।

बांग्लादेश अराजकता की ओर... शेख हसीना की हादी की मौत के बाद हुई हिंसा पर यूनुस सरकार पर टिप्पणी

ढाका, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में इंकलाब मंच के नेता शरीफ उस्मान हादी को शनिवार को ढाका विश्वविद्यालय में देश के राष्ट्रकवि काजी नजरुल इस्लाम की कब्र के पास दफनाया जा चुका है। हादी की मौत के बाद जो हिंसा देश में हुई है उससे बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना बेहद आहत हैं। वह कहती हैं कि बांग्लादेश की यूनुस सरकार हिंसा रोकने में नाकाम रही। सरकार देश को अराजकता की ओर ले जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट में शेख हसीना ने यूनुस सरकार पर लोकतंत्र कमजोर करने और राजनीति से प्रेरित फैसले लेने का आरोप लगाया। अवामी लीग प्रमुख शेख हसीना ने कहा कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी प्रक्रिया न्याय नहीं राजनीतिक बदले का माध्यम है। हसीना ने हादी की मौत पर कहा यह दुखद हत्या उस कानून-व्यवस्था की कमी को दिखाती है जिसने उनकी सरकार को गिरा दिया था और यूनुस राज में यह और बढ़ गई है। हिंसा आम बात हो गई है। ऐसी घटनाएं बांग्लादेश को अंदर से अस्थिर कर रही हैं। भारत इस अराजकता अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार और उन सभी चीजों के खत्म होने का इंतजार कर रहा है जो हमने मिलकर बनाई थीं।

उन्होंने कहा कि जब आप अपनी सीमा के अंदर बुनियादी व्यवस्था बनाए नहीं रख सकते तो अंतरराष्ट्रीय मंच पर आपकी विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। यही यूनुस के बांग्लादेश की सच्चाई है। हसीना ने कहा कि अवामी लीग के बिना चुनाव चुनाव नहीं बल्कि राज्याभिषेक होगा। ऐसे किसी भी चुनाव से बनने वाली सरकार में शासन करने का नैतिक अधिकार नहीं होगा।

हसीना ने भारत-बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक तनाव पर कहा कि यह पूरी तरह से यूनुस की वजह से है। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार ने कट्टरपंथी तत्वों को संरक्षण दिया है। दोषी आतंकियों को जेल से छोड़ा है। इससे देश की धर्मनिरपेक्ष पहचान खतरे में पड़ गई है। उन्होंने आगाह किया कि यह सूरत-ए-हाल ना सिर्फ भारत बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है।

दुश्मन की एक छोटी सी गलती भारतीय जासूसों के लिए हथियार बन गई

संदिग्ध पासपोर्ट पर मुहर नहीं रॉ ने खोल दी पूरे आईएम के नेटवर्क की पोल

ढाका, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

खामोश रात ढाका एयरपोर्ट का शोर और एक संदिग्ध पासपोर्ट। यही वो पल था जिसने भारत के सबसे खतरनाक आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन के अंत की पटकथा लिख दी जहां दुश्मन की एक छोटी सी गलती भारतीय जासूसों के लिए हथियार बन गई। जब पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने अपने प्यादे जिया-उर-रहमान उर्फ वकास को नेपाल के रास्ते पाकिस्तान भेजने की साजिश रची तो उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ की नजरें उन पर हैं। बिना एंट्री स्टैंप वाले पासपोर्ट ने एक ऐसी हलचल पैदा की जिसने भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को वह मौका दे दिया जिसका उन्हें इंतजार था। इस जासूसी के खेल में भारतीय जासूसों ने न केवल आतंकियों को दबोचा बल्कि उनकी ही जाल में उन्हें उलझाकर पूरे नेटवर्क को नेस्तनाबूद कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2014 की वह घटना भारतीय खुफिया इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। ढाका एयरपोर्ट पर जब वकास के पासपोर्ट पर सवाल उठे तो वहां मौजूद रॉ के एक अधिकारी ने उसकी तस्वीर खींच ली। यह तस्वीर दिल्ली मुख्यालय पहुंची और वकास की पहचान उजागर हो गई। सुरक्षा एजेंसियों ने बिना शोर मचाए एक अत्यंत गुप्त ऑपरेशन चलाया। वकास को बांग्लादेश से चुपचाप भारत लाया गया।

हिरासत में आने के बाद वकास को पता भी नहीं चला कि वह अब भारतीय एजेंसियों के हाथों की कठपुतली बन चुका है। एजेंसियों ने उसे गिरफ्तार दिखाने के बजाय चारे के रूप में इस्तेमाल किया। वकास को निर्देश दिया गया कि वह अपने हैंडलर तहसीन अख्तर उर्फ मोनू से ऑनलाइन चैटिंग जारी रखे ताकि किसी को शक न हो। जासूसी का असली खेल तब शुरू हुआ जब वकास ने तहसीन को नेपाल में आमने-सामने मिलने के लिए राजी किया। तहसीन को पकड़ने के लिए नेपाल के उस मीटिंग स्पॉट को चारों तरफ से घेर लिया गया। जैसे ही तहसीन वहां पहुंचा भारतीय जासूसों ने स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर उसे दबोच लिया। इसके बाद उसे चुपचाप भारत की सीमा में लाया गया और आधिकारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया। यह ऑपरेशन जासूसी के 'टेक्स्टबुक' उदाहरण के रूप में जाना जाता है। इन ऑपरेशंस की सफलता के पीछे तीन मुख्य कारण थे- धैर्य समन्वय और तकनीकी महारत। भारतीय एजेंसियों ने जल्दबाजी में गिरफ्तारी करने के बजाय नेटवर्क की गहराई तक जाने का विकल्प चुना। आईएसआई की एक छोटी सी चूक को एक बड़े इंटेलिजेंस ब्रेकथ्रू में बदलना भारतीय जासूसों की बुद्धि को दर्शाता है। आज इंडियन मुजाहिदीन का नामोनिशान मिट चुका है तो इसका श्रेय उन गुमनाम नायकों को जाता है जिन्होंने सरहदों के पार जाकर दुश्मन की हर चाल को मात दी।

डब्ल्यूएचओ की बैठक में आयुष प्रणालियों को स्वास्थ्य देखभाल की मुख्यधारा में लाने पर जोर

नई दिल्ली,22 दिसंबर (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 20-21 दिसंबर को नई दिल्ली में पारंपरिक चिकित्सा (टीएम) हस्तक्षेप कोड सेट विकास पर दो दिवसीय तकनीकी परियोजना बैठक की। पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल के वैश्विक एकीकरण की दिशा में यह डब्ल्यूएचओ का एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह पहल मूलरूप से आयुष मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ के बीच 24 मई को हस्ताक्षरित ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) और दाता समझौते से प्रेरित थी। यह समझौता स्वास्थ्य हस्तक्षेपों के वर्गीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक, स्वास्थ्य हस्तक्षेपों के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण (आईसीएचआई) के भीतर एक समर्पित पारंपरिक चिकित्सा मॉड्यूल विकसित करने की आधारशिला है, जिसमें भारत आयुर्वेद और यूनानी (एएसयू) प्रणालियों को वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल की मुख्यधारा में लाने के लिए आवश्यक वित्तीय और तकनीकी ढांचे प्रदान करेगा। बैठक का आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि ऐसी पहल आयुष प्रणालियों को वैज्ञानिक तरीके से वैश्विक स्तर पर अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में सहायक होती हैं। अपने 'मन की बात' संबोधन में एक बार फिर प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह मानकीकृत ढांचा आयुष प्रणालियों को वैश्विक मान्यता और वैज्ञानिक विश्वसनीयता प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा।आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने इससे पहले कहा था कि एक समर्पित आईसीएचआई मॉड्यूल आयुष प्रणालियों की वैश्विक मान्यता को सुगम बनाएगा और समावेशी, सुरक्षित और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा के लिए डब्ल्यूएचओ के प्रयासों का समर्थन करेगा।तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव कविता गर्ग ने की, जिन्होंने आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी चिकित्सा के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य हस्तक्षेप संहिता विकसित करने में भारतीय टीम का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक प्रतिष्ठित टीम ने इस पहल में योगदान दिया, जिनमें प्रो. रबीनारायण आचार्य (महानिदेशक, सीसीआरएएस), प्रो. एनजे मुथुकुमार (महानिदेशक, सीसीआरएस) और डॉ. जहीर अहमद (महानिदेशक, सीसीआरएम) शामिल थे।

बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सभी छह क्षेत्रों की व्यापक भागीदारी रही। जेनेवा स्थित डब्ल्यूएचओ मुख्यालय के प्रमुख प्रतिनिधियों, जैसे रॉबर्ट जैकब, नेनाद कोस्टांजेक, स्टीफन एस्पिनोसा और डॉ. प्रदीप दुआ ने वर्गीकरण संबंधी चर्चाओं का नेतृत्व किया। उनके साथ जामनगर स्थित डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र (जीटीएमसी) से डॉ. गीता कृष्णन और दिल्ली स्थित डब्ल्यूएचओ समुद्री और पश्चिमी कृषि संगठन (एसईएआरओ) कार्यालय से डॉ. पवन कुमार गोदातवार भी शामिल हुए। भूटान, ब्राजील, भारत, ईरान, मलेशिया, नेपाल, मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, फिलीपींस, ब्रिटेन और अमेरिका सहित सदस्य देशों ने अपने देश की स्थिति का मूल्यांकन करने और हस्तक्षेप विवरणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए भाग लिया।

अगस्ता वेस्टलैंड मामला- क्रिश्चियन मिशेल की याचिका पर अदालत आज सुनाएगी फैसला

नई दिल्ली,22 दिसंबर (एजेंसियां)। राउज एवेन्यू अदालत ने आरोपी क्रिश्चियन मिशेल जेम्स द्वारा दायर आवेदन पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। उन्होंने अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर मामले में जमानत की शर्तों में संशोधन करने का निर्देश मांगा है। अब अदालत 23 दिसंबर को फैसला सुनाएगी। अदालत ने शनिवार को अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को रिहा करने का आदेश दिया था। बता दें कि अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को राऊज एवेन्यू कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मनी लॉन्ड्रिंग केस में उसकी रिहाई का आदेश दे दिया। हालांकि, राहत के बावजूद क्रिश्चियन मिशेल फिलहाल जेल से बाहर नहीं आ पाया है, क्योंकि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जुड़े मामले में अभी उसकी रिहाई का कोई आदेश नहीं आया है। ऐसे में उसे जेल में ही रहना होगा।

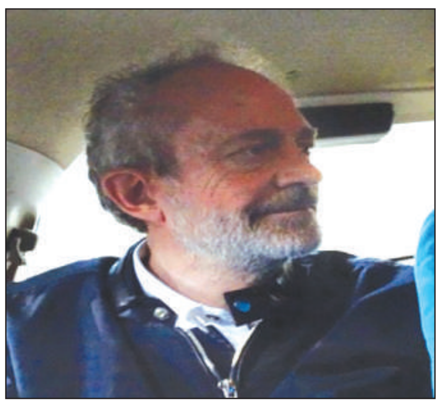

इससे पहले कोर्ट में सुनवाई के दौरान क्रिश्चियन मिशेल के वकील ने दलील दी कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अभी तक ट्रायल पूरा नहीं हुआ है, लेकिन इसके बावजूद आरोपी लगभग 7 साल से जेल में है, जो इस मामले में संभावित अधिकतम सजा के बराबर है।

बता दें कि इससे पहले क्रिश्चियन मिशेल को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी थी। वहीं, सीबीआई केस में उसे सुप्रीम कोर्ट से भी जमानत दी गई थी, लेकिन उसके पासपोर्ट की अवधि समाप्त हो जाने और जमानत की शर्तों के तहत जरूरी सिक्योरिटी न मिल पाने के कारण वह अब तक जेल से बाहर नहीं निकल सका था।

क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को 5 दिसंबर 2018 को संयुक्त अरब अमीरात से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। भारत पहुंचते ही सीबीआई ने उसे गिरफ्तार कर लिया और इसके कुछ दिन बाद ईडी ने भी उसे हिरासत में ले लिया। तब से वह जेल में बंद है।

भारत में बंगाली हिंदू असुरक्षित, भारतीय को बांग्लादेशी न कहा जाए : कीर्ति आजाद

पटना, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कीर्ति आजाद ने सोमवार को बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की हत्या के मामले पर प्रतिक्रिया दी। कीर्ति आजाद ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि किसी दूसरे देश की घटना पर बयान देने से पहले भारत में हो रही घटनाओं पर ध्यान देना चाहिए। टीएमसी सांसद ने कहा कि केरल में एक कर्मचारी को बांग्लादेशी बताकर लोगों ने मार दिया। हमारे ही देश में बंगाली हिंदू सुरक्षित नहीं हैं। बंगला भाषी लोगों को देश में ही पीटा जाता है। पहले हमें अपने देश में देखना चाहिए कि पश्चिम बंगाल के लोग, जो भारतीय हैं, उन्हें बांग्लादेशी न कहा जाए। कीर्ति आजाद ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी जुबानी हमला किया। अमित शाह के उस बयान पर कि बांग्लादेशी घुसपैठिए बंगाल से भारत में प्रवेश करते हैं, टीएमसी सांसद ने कहा कि ये अमित शाह हैं कौन?

उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री का दायित्व है कि बीएसएफ, सीआरपीएफ और सभी केंद्रीय बलों की निगरानी करें। लेकिन, यहां उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली कहावत सच हो रही है।नुसरत परवीन को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बयान पर टीएमसी सांसद ने कहा कि गिरिराज सिंह कौन हैं? उससे कोई भी मिलना नहीं चाहेगा।

वह दूसरों पर ऊंगली उठाते हैं। टीएमसी सांसद ने आरोप लगाया कि नोटबंदी के समय उनके घर से 9 करोड़ रुपए कैश मिले थे। ये झटका और हलाल मीट की पार्टी करते हैं और खुद को हिंदू कहते हैं। उनकी बात सुनने का कोई मतलब नहीं।पश्चिम बंगाल में 'कर्मश्री' योजना का नाम बदलकर महात्मा श्री योजना रखने पर भी आजाद ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी को हटाने या मिटाने की कितनी भी कोशिश कर ली जाए, लेकिन उनका नाम और योगदान हमेशा जीवित रहेगा। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी से बड़ा कोई व्यक्ति नहीं हुआ।

ममता बनर्जी और हुमायूं कबीर के तार आपस में जुड़े हैं : आरपी सिंह

नई दिल्ली,22 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता आरपी सिंह ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मिलीभगत से टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने नई पार्टी बनाई है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के इशारे पर यह सब हो रहा है। हुमायूं कबीर बाबर के नाम पर मस्जिद बनवाना चाहते हैं और इसके लिए सरकार छूट दे रही है। आईएएनएस से बातचीत में आरपी सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी और हुमायूं कबीर के तार आपस में जुड़े हुए हैं। विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि 'जी राम जी' बिल गरीबों और मजदूरों के हित में है। विपक्ष इस पर हंगामा करके केवल भ्रम पैदा करना चाहता है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी संसद की डिबेट नहीं देखतीं। इस बिल पर 14 घंटे की चर्चा हुई, जिसमें 98 सांसदों ने भाग लिया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी सांसदों के सवालों के जवाब दिए। कांग्रेस मजदूरों के हित का विरोध कर रही है। इस बिल से गांवों में 125 दिनों की मजदूरी की गारंटी मिलेगी, लेकिन कांग्रेस को मजदूरों का हित रास नहीं आता।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव पर आरपी सिंह ने कहा कि सरकार जो काम कर रही है, वह बोलता है। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस सरकार पर जनता का आशीर्वाद है।

विपक्ष के चुनावी हार पर लगाए गए आरोपों पर कहा कि विपक्ष अगर चुनाव जीत जाता है तो सब कुछ अच्छा होता है, लेकिन हारते ही आरोप लगाने लगता है। आप चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े करते हैं, जबकि जनता ने आपको सिरे से नकार दिया है।उत्तराखंड में गीता श्लोक पाठ के फैसले को भाजपा के वरिष्ठ नेता ने इसे स्वागत योग्य बताया। उन्होंने कहा कि गीता एक धार्मिक ग्रंथ है और इसका पाठ अनिवार्य करना अच्छी बात है। इससे बच्चों को नैतिक शिक्षा मिलेगी और लाभ होगा।आरएएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर भाजपा नेता आरपी सिंह ने कहा कि संघ प्रमुख बिल्कुल ठीक कह रहे हैं। संघ राष्ट्रवाद की बात करता है और हिंदुओं को एकजुट करने का काम करता है। धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद की चिंता की जाती है।बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर उन्होंने कहा कि कोई शक नहीं कि बांग्लादेश की स्थिति बहुत गंभीर है। वहां हिंदुओं को लगातार टारगेट करके हमले किए जा रहे हैं। मीडिया पर भी चिह्नित करके हमले हो रहे हैं। यह केवल देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के लिए चिंता का विषय है।

सशस्त्र बलों की तैयारी के लिए विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन आवश्यक : सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली,22 दिसंबर (एजेंसियां)। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर अग्रसर देश के इस स्वप्न को साकार करने में सिविल सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह बात कहते हुए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अमृतकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान का स्मरण दिलाया। उन्होंने कहा कि यह विकास समावेशी और अंतिम छोर तक सेवा पहुंचाने पर केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा अधिकारियों की ऊर्जा और नवोन्मेषी विचार राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने अधिकारियों से 'सेवा भाव और कर्तव्य बोध' को मार्गदर्शक मंत्र के रूप में अपनाने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन सोमवार को भारतीय रक्षा लेखा सेवा (आईडीएएस) के 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि रक्षा लेखा विभाग की 275 वर्षों से अधिक की समृद्ध विरासत है और यह सरकार के सबसे पुराने विभागों में से एक है। भारतीय रक्षा लेखा सेवा के महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह सेवा भारतीय सशस्त्र बलों और संबद्ध संगठनों के वित्तीय संसाधन प्रबंधन में अहम भूमिका निभाती है।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने इन अधिकारियों से कहा कि उन्हें अपने कर्तव्यों के निर्वहन में सशस्त्र बलों की चुनौतियों को समझना और आत्मसात करना आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सशस्त्र बलों की परिचालन तत्परता सुनिश्चित करने के लिए विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन आवश्यक है। उपराष्ट्रपति ने सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, सतर्कता और उत्तरदायित्व के उच्चतम मानकों को बनाए रखने पर बल दिया। उन्होंने याद दिलाया कि सार्वजनिक धन करदाताओं के कठिन परिश्रम से अर्जित होता है।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने तेजी से बदलती तकनीक और वैज्ञानिक प्रगति के इस युग में निरंतर क्षमतावर्धन पर भी बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को आजीवन सीखने के लिए आईगॉट कर्मयोगी जैसे प्लेटफार्मों के प्रभावी उपयोग के लिए प्रेरित किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ज्ञान आवश्यक है, पर चरित्र सर्वोपरि है।

उन्होंने अधिकारियों को स्मरण कराया कि देश के 140 करोड़ नागरिकों में से समाज में उन्हें सकारात्मक परिवर्तन लाने का दुर्लभ अवसर मिला है। उन्हें इस दायित्व को विनम्रता और समर्पण से निभाना चाहिए। विकसित भारत की ओर बढ़ते देश में सिविल सेवकों से अपेक्षाओं के बारे में उन्होंने एक प्रशिक्षु अधिकारी के प्रश्न का उत्तर भी दिया।

उपराष्ट्रपति ने उनसे नवीन विचारों से प्रेरित रहने, आधुनिक प्रौद्योगिकी अपनाने, काम के प्रति उत्साह बनाए रखने, सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण रखने और प्रशासनिक नैतिकता अपनाने को कहा। इस कार्यक्रम में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार का खजाना बिहार के लिए खुला है : शाहनवाज हुसैन

नई दिल्ली,22 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पीएम मोदी की मुलाकात पर कहा कि एनडीए की बिहार में सरकार बनने के बाद नीतीश कुमार पहली बार दिल्ली आए और पीएम मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात काफी अच्छी रही है। हुसैन ने कहा कि केंद्र सरकार का खजाना बिहार के लिए खुला है। नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत में भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम नीतीश की जोड़ी हिट साबित हुई है। शपथग्रहण समारोह में पीएम मोदी गए थे और पहली बार नीतीश कुमार शपथग्रहण के बाद दिल्ली आए। दोनों के बीच बहुत अच्छी मुलाकात हुई है। बिहार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर के द्वारा नई पार्टी बनाने पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि हुमायूं कबीर टीएमसी के एजेंट हैं। ममता बनर्जी ने जानबूझकर उनसे नई पार्टी बनवाई है ताकि ध्रुवीकरण हो और ममता से नाराज मुस्लिम वोटर विपक्ष के पास न जाएं, बल्कि बंट जाएं। यह पूरी स्क्रिप्ट ममता बनर्जी ने लिखी है। टीएमसी ध्रुवीकरण की चाल चल रही है और वोट बैंक की राजनीति कर रही है। बंगाल की जनता इसका जवाब देगी।

उन्होंने बंगाली गायिका के विरोध पर कहा कि बंगाल में सारी मर्यादाएं टूट रही हैं। कलाकारों को प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं दी जा रही। मानो इस्लामिक स्टेट की हुकूमत चल रही हो। पूजा करने या 'श्री राम' बोलने पर ममता बनर्जी भड़क जाती हैं, अब गाने पर भी राजनीति हो रही है।भाजपा नेता ने महाराष्ट्र निकाय चुनाव पर कहा कि विपक्ष नाम की कोई चीज बचने वाली नहीं लगती। बिहार से जो सुनामी चली थी, वह महाराष्ट्र भी पहुंच गई है। भाजपा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। अरुणाचल प्रदेश में भी जीत हासिल की है और गोवा में भी जीत रही है। जहां भी चुनाव होंगे, वहां भाजपा ही आएगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि बांग्लादेश में जिहादियों की हरकतों की पूरे दुनिया के मुसलमानों को खड़े होकर निंदा करनी चाहिए। इन लोगों ने इस्लाम को बदनाम किया है। मुस्लिम का चोला पहनकर ये इंसानियत के दुश्मन हैं।

हरित ऊर्जा से सहकारिता को मजबूत करेगी योगी सरकार

लखनऊ,22 दिसंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार हरित ऊर्जा के जरिए सहकारिता को मजबूत करेगी। 2025-2026 के अनुपूरक बजट मेंसहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में सहकारी संस्थाओं को आधुनिक, आत्मनिर्भर और तकनीक-आधारित बनाने के उद्देश्य से योगी सरकार ने विभिन्न मदों में अतिरिक्त अनुदान की व्यवस्था की है। योगी सरकार का फोकस सहकारिता को ग्रामीण विकास और आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बनाने पर है।अनुपूरक बजट में सरकारी, अर्द्ध-सरकारी एवं बी-पैक्स भवनों पर सोलर रूफटॉप स्थापित करने के लिए 20 करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि प्रस्तावित की गई है। इससे सहकारी संस्थाओं की ऊर्जा लागत में कमी आएगी और हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।सहकारिता विभाग के अंतर्गत वाहन सेवाओं को 2.19 करोड़ रुपए से मजबूत किया जाएगा। कार्यों की गति और निगरानी व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। 46 लाख रुपए के अतिरिक्त अनुदान से उत्तर प्रदेश सहकारी सेवा मंडल, लखनऊ को विभिन्न मानक मदों के लिए मजबूती मिलेगी।सहकारी शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान को अनुदान के रूप में 1.50 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है, ताकि सहकारी कर्मियों के प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और शोध गतिविधियों को सुदृढ़ किया जा सके।

लालू प्रसाद यादव की राजनीतिक किडनी को बिहार की जनता ने बदल दिया : नीरज कुमार

पटना,22 दिसंबर (एजेंसियां)। जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने भाजपा की ओर से राजद नेता तेजस्वी यादव के गायब वाले पोस्टर पर लालू प्रसाद यादव को निशाने पर लिया। साथ ही उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि लालू यादव की राजनीति की 'किडनी' को बिहार की जनता ने बदल दिया है। पटना में आईएएनएस से बातचीत में जदयू प्रवक्ता ने कहा कि लालू प्रसाद यादव की दुर्दशा देखी नहीं जाती। किडनी ट्रांसप्लांट बेटी कराती है, मोतियाबिंद का ऑपरेशन भी बेटी कराती है, लेकिन संपत्ति की विरासत बेटे तेजस्वी को मिलती है। बीमारी के समय में बेटी आएगी, बेटा कहां है, सवाल जिंदा है। लालू यादव उम्र के चौथे पड़ाव पर हैं और पार्टी की दुर्दशा हो चुकी है। राजनीति की 'किडनी' बिहार की जनता ने बदल दी है। अब कोई कहां गिरा, इसका ठिकाना पता नहीं चल रहा है। उत्तराखंड के स्कूलों में गीता पाठ पर जदयू प्रवक्ता ने कहा कि उत्तराखंड सरकार ने जो फैसला लिया है, वह उसके अधिकार क्षेत्र में है। गीता का पाठ कराने पर किसी को आपत्ति नहीं है। संविधान की प्रस्तावना भी स्कूलों में पढ़ाई जाती है।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव पर कहा कि इंडी गठबंधन की हार स्वाभाविक है। राहुल गांधी राजनीतिक पर्यटक हैं। कांग्रेस के सहयोगी दल ही कांग्रेस को 'पर्यटक' कह रहे हैं। कांग्रेस गंभीरता से चुनाव नहीं लड़ती और एक राजनीतिक पार्टी के रूप में विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी है।

नितिन नबीन के पटना दौरे को लेकर जदयू प्रवक्ता ने कहा कि एक युवा जिसने कार्यकर्ता के रूप में भूमिका निभाई, अब वे कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर अपनी जन्मभूमि पर आ रहे हैं। यह साबित करता है कि एक समर्पित कार्यकर्ता लंबी लकीर खींच सकता है। नितिन नबीन के पदभार ग्रहण करने के साथ यह सिद्ध हो गया है।

जीतन राम मांझी के बेटे को नसीहत पर उन्होंने कहा, ये उनका पारिवारिक और आंतरिक मामला है। मांझी खुद केंद्रीय मंत्री हैं, और उनके बेटे संतोष सुमन नीतीश कुमार सरकार में मंत्री हैं।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में भाजपा की जीत पर कहा कि महायुति ने प्रचंड जीत हासिल की है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी मजबूत प्रदर्शन हुआ है। राहुल गांधी संसद में नहीं रहते, इसलिए उनका बुरा हाल होना तय है।

पीएम मोदी के असम संबंधी बयान पर कहा कि विदेश से घुसपैठिए आते हैं, भूभाग पर नियंत्रण हासिल करते हैं और उस पर राजनीति होती है। भारत के नागरिकों को अपने संसाधनों पर अधिकार है। पीएम ने जो कहा है, उन्हें राय रखने का हक है।

'जी राम जी' बिल पर नीरज कुमार ने कहा कि संसद द्वारा पारित यह बिल अब राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त कर चुका है। इसका सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि ग्रामीणों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी।

मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर उन्होंने कहा कि खड़गे को इतिहास का जिक्र करना चाहिए। कांग्रेस की राजनीतिक समझ ने ही देश की दुर्दशा की है।

अच्छा लगता है जब कपड़े मेरी कहानी बयां करते हैं

जीनत अमान ने शेयर किया लेटेस्ट फोटोशूट का अनुभव

बीते जमाने की मशहूर अभिनेत्री जीनत अमान अपने फैशन सेंस, यादगार गानों और फिल्मों के लिए आज भी दर्शकों के दिलों में खास मौजूदगी दर्ज करवाती हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ यादगार तस्वीरें शेयर कीं। इसमें वे बिना चशमे नजर आ रही हैं, जिसका जिक्र करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन लिखा, मैं बहुत कम लोगों के सामने अपना चश्मा उतारती हूं, लेकिन दुलारी के लिए मैंने ऐसा किया। जब निर्देशक का विजन जबरदस्त होता है, तो मैं अपने विजन को लेकर कम सचेत रहती हूं। इस फोटोशूट में संवेदनशीलता पर जोर दिया गया था। उन्होंने मेरे बालों को चेहरे से दूर बांध दिया, मेरे चश्मे को पैक कर दिया और मुझे हाथ से बने फूलों के बगीचे में ले गए। मुझे अच्छा लगता है जब मेरे कपड़े मेरी कहानी बयां करते हैं और मेरी तस्वीरें एक कहानी कहती हैं। ये कपड़े और इनकी कटिंग- कितनी साफ-सुथरी, आरामदायक और सुरुचिपूर्ण हैं। ये तस्वीरें कितनी भावपूर्ण हैं। मुझे लगता है कि यह हर दर्शक के लिए इसका भाव अलग-अलग होगा, हर कोई इस प्रोजेक्ट को अपने अनुभवों और यादों के नजरिए से देखेगा।

अभिनेत्री ने बताया कि उनका यह अनुभव काफी यादगार रहा। उन्होंने लिखा, यह पूरी तरह से अलौकिक था और इसका श्रेय मैं पूरी टीम को देना चाहती हूं। हमारे निर्देशक, फोटोग्राफर, और स्टाइलिस्ट। इन सबने मिलकर कमाल का काम किया है।

दरअसल जीनत अमान ने हाल ही में दुलारी नाम की एक फोटोग्राफर का जिक्र किया, जिनके लिए उन्होंने हाल ही में एक फोटोशूट किया था।अभिनेत्री जीनत अमान ने हिंदी सिनेमा में कई यादगार फिल्मों में काम किया है। सिनेमा में आने से पहले जीनत पत्रकार थीं। उन्होंने फिल्म 'हलचल' से अभिनय में कदम रखा, लेकिन खास पॉपुलैरिटी अभिनेत्री को फिल्म 'हरे रामा हरे कृष्णा' से मिली थी। इस फिल्म में अभिनेत्री ने देवानंद की बहन का रोल अदा किया था। फिल्म में सहायक भूमिका के लिए उन्हें पुरस्कार भी मिला था।

रहमान डकैत के हुकस्टेप को शिल्पा शेट्टी ने किया कॉपी, 'धुरंधर' को कहा 'देशभक्ति की कहानी'

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' अपने नाम की तरह ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ से ज्यादा का आंकड़ा पार कर चुकी है, जबकि फिल्म का बजट लगभग 280 करोड़ रुपए बताया गया है। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने भी फिल्म की तारीफ की और इसके हुक-स्टेप को भी करके दिखाया। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर अक्षय खन्ना की तरह डांस करते हुए वीडियो पोस्ट की है, जिसमें वो बिल्कुल 'रहमान डकैत' के हुक-स्टेप को कॉपी कर रही हैं। उन्होंने कैप्शन में फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा, फैन तो मिला नहीं, लेकिन मैं फैन हो गई हूं, तो यह ट्रेंड करना बनता था। रणवीर सिंह, आपका टाइम आ गया है। अंडरप्लेड लेकिन फिर भी कैरेक्टर में एकदम फिट। अक्षय खन्ना का ओजी ओरा मैक्स। आर. माधवन, आपसे बेहतर इस रोल को कोई नहीं कर सकता था। संजय दत्त, आप हमेशा की तरह रॉकस्टार लगे।उन्होंने आगे लिखा, कास्टिंग टीम ने फिल्म की शानदार कास्टिंग की और इसका क्रेडिट मुकेश छाबड़ा को जाता है, जिन्होंने ये सब एक साथ किया। बैकग्राउंड स्कोर और म्यूजिक शानदार है, और ये गाने मेरी प्लेलिस्ट में शामिल हो गए हैं।

फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर को लेकर शिल्पा ने कहा, आप सच में एक विजनरी हैं। लंबे समय बाद देखी गई देशभक्ति वाली फिल्मों में से एक आपने बनाई है। 'धुरंधर' की पूरी टीम को सलाम।

दूसरी तरफ बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा के पति निक जोनास भी 'धुरंधर' के गाने पर झूमते दिखाई दिए थे। वहीं, दूसरे स्टार्स भी फिल्म की तारीफ करने से पीछे नहीं हटे। आम से लेकर खास तक सभी फिल्म को देखकर ओवरऑल एक्सपीरियंस शानदार बता रहे हैं।

अगर 'धुरंधर' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को देखें तो इसमें हर दिन इजाफा होता दिख रहा है। फिल्म रिलीज होने के 17 दिनों के बाद भारत में नेट कलेक्शन 555 करोड़ रुपए के पार हो गया। जबकि, फिल्म का वर्ल्डवाइड नेट कलेक्शन 850 करोड़ रुपए के आंकड़े तक पहुंचने वाला है।

टॉक्सिक में नादिया का रोल नहीं था किआरा आडवाणी के लिए आसान

मां बनने के बाद कियारा आडवाणी पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। हाल ही में अभिनेत्री की नई फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप का फर्स्ट लुक रिलीज हुआ था, जो अभी तक सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। अपने किरदार को पर्दे पर उतारने के लिए अभिनेत्री ने बहुत मेहनत की है और दर्शकों से मिल रहे प्यार के लिए आभार भी जताया है। साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक में कियारा नादिया का रोल प्ले कर रही हैं। पहली बार अपने किरदार को बारे में अभिनेत्री ने बताया कि यह उनके जीवन का अब तक का सबसे कठिन रोल रहा। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, एक ऐसा रोल जिसने मुझसे शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक रूप से और भी बहुत कुछ मांगा और यह मेरे लिए एक ट्रांसफॉर्मेटिव अनुभव था। यह मेरा अब तक का सबसे मुश्किल रोल था, महीनों की कड़ी मेहनत और एक निडरता से भरे कदम ने इस रोल को पूरा करने में मदद की। उन्होंने आगे लिखा, फर्स्ट लुक को इतना प्यार मिलते देखना मेरे लिए सब कुछ है। शब्दों में बयां नहीं कर सकती कि मैं कितनी आभारी हूं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हर कोई कियारा के लुक की तारीफ कर रहा है। पोस्टर और फिल्म के नाम को देखकर साफ कहा जाता है कि फिल्म में भरपूर सस्पेंस होने वाला है।

रिलीज के बाद से ही दर्शक पोस्टर को बहुत प्यार दे रहे हैं। बता दें कि फिल्म से यश के भी दो पोस्टर जारी हो चुके हैं। पहले पोस्ट में उनका बैक पोज दिखाया गया है। दूसरे पोस्टर में हाथ में बंदूक लिए अभिनेता गैंगस्टर की तरह लग रहे हैं। पोस्टर के बाद फैंस ट्रेलर के रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप कियारा और अभिनेता यश के लिए सुपरहिट फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो सकती है। फिल्म को अंग्रेजी और कन्नड़ भाषा में शूट किया गया है, लेकिन वैश्विक स्तर पर फिल्म को रिलीज करने के लिए हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में डब किया जाएगा। फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली है।

असली आर्मी लोकेशन पर शूटिंग करना नहीं था आसान

अहान शेट्टी ने बताया 'बॉर्डर 2' में काम करने का अनुभव

हिंदी सिनेमा के लिए फैंस के लिए नए साल की शुरुआत देशभक्ति से भरी फिल्म बॉर्डर 2 से होने वाली है, जिसमें सनी देअ-ोल, दिलजीत सिंह दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी सैनिक के किरदार में दिखने वाले हैं। ये फिल्म अहान शेट्टी के लिए बेहद खास है क्योंकि पहली फिल्म 'तड़प' के सुपरफ्लॉप होने के बाद अब 'बॉर्डर 2' उनके करियर के लिए अहम है। फिल्म में अभिनेता ने नेवी अफसर

का रोल प्ले किया है और अब उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत में अपने किरदार और फिल्म की शूटिंग के किस्सों को शेयर किया है। कड़ी मिलिट्री ट्रेनिंग और मुश्किल एक्शन सीक्वेंस के लिए अहान ने बहुत मेहनत की। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग वहां हुई, जहां असली सैनिक ट्रेनिंग लेते हैं। अहान ने कहा कि फिल्म की शूटिंग एनडीए खड़कवासला में हुई और इसका मकसद सिर्फ असली विजुअल्स कैप्चर करना नहीं था बल्कि उस माहौल को सीखना था, जिसने मेरे किरदार को पूरी तरह बदल दिया। आप वहां ट्रेनिंग ले रहे होते हैं जहां असली ऑफिसर ट्रेनिंग लेते हैं। वह माहौल आपको कुछ भी गलत करने नहीं देता, बल्कि आपकी बॉडी, आपका पोस्चर और बात करने का तरीका वहां के हिसाब से ढल जाता है।

शूटिंग का अनुभव शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि शूटिंग की लोकेशन बदलने लगी लेकिन मेरा रूटीन पहले जैसा रहा। वहीं स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सेशन, एजिलिटी, कार्डियो, आइस बाथ, स्टीम, सौना और रेड लाइट थेरेपी रोजाना का रूटीन बन गया। आराम के लिए समय नहीं था क्योंकि ट्रेनिंग नहीं छोड़ सकते थे और रोजाना युद्ध वाले सीन शूट करने होते थे, तो आराम का समय नहीं होता है। लगता था कि अब बस अच्छा परफॉर्म करना है।(असली मिलिट्री जगहों पर शूटिंग करने में अहान को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि 40 डिग्री के तापमान में युद्ध के सीन को शूट किया और 12 घंटों की शूटिंग के दौरान टेक्निकल गियर पहनकर काम करना होता था।

बता दें कि 'बॉर्डर 2' में अहान शेट्टी एक नेवी ऑफिसर का रोल प्ले करने वाले हैं। ये फिल्म और किरदार दोनों ही उनके लिए खास हैं क्योंकि उनके पिता सुनील शेट्टी ने भी फिल्म 'बॉर्डर' में सीमा पर तैनात सैनिक भैरव सिंह का रोल प्ले किया था। फिल्म में उनके जोश और किरदार को खूब पसंद किया गया था, लेकिन अब देखना होगा कि दर्शक उनके बेटे अहान को कितना प्यार देते हैं।

नववर्ष में तीन राशियों पर रहेगी शनि की साढ़ेसाती और दो पर ढैय्या, जानें प्रभाव और उपाय

शनि की साढेसाती और ढैय्या 2026 में किन-किन राशियों को प्रभावित करेगा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार 2026 में शनि का गोचर पूरे साल मीन राशि में होगा। शनि के इस गोचर की वजह से इस साल मीन समेत कुंभ और मेष राशि पर साढेसाती का प्रभाव बना रहेगा। जबकि इस साल सिंह और धनु राशि पर पूरे साल ढैय्या का प्रभाव रहेगा। इस पर करेले पर नीम चढा संयोग यह है कि कुंभ राशि में राहु और सिह राशि में केतु का गोचर होगा जो शनि के प्रभाव को और तीव्रता देगा। ऐसे में इन राशियों को कई मामलो में परेशानी हो सकती है। इन राशियों को शनि के उपाय पूरे करने करने होंगे। जबकि 2027 में शनि मेष राशि में प्रवेश करेंगे जिससे 2027 से वृषभ राशि की साढेसाती भी चालू हो जाएगी। इसलिए इनको भी इस साल से शनि के उपाय शुरू कर देने चाहिए तो आइए जानते हैं 2026 में शनि की साढेसाती और ढैय्या का प्रभाव कैसा रहेगा और 2026 में शनि की साढेसाती और ढैय्या के प्रभाव से बचने के लिए क्या उपाय करने चाहिए।

मेष राशि पर प्रभाव और उपाय

साल 2026 में मेष राशि के जातकों पर शनि साढ़ेसाती सिर पर चढ़ती हुई यानी प्रारंभिक अवस्था में ही रहेगी। शनि की साढ़ेसाती के प्रभाव से वर्ष 2027 तक मेष राशि के लोगों को व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। आपके अपने बंधु बांधवों से विरोध और अशांति का सामना करना पड़ सकता है। आपके घर परिवार में काफी समस्याएं और परेशानियां पैदा हो सकती हैं। हालांकि, बीच बीत में लाभ के अवसर भी मिलेंगे। बता दें कि वर्ष 2027 में शनि का गोचर मेष राशि में होगी उसके बाद मेष राशिवालों की साढ़ेसाती का दूसरा चरण आरंभ होगा।

उपाय : रोजाना शनि के मंत्र ओम प्रां प्रीं प्रौं स: शनैश्चराय नम: मंत्र का जप करें। रोजाना कम से कम 3 मालाओं का जप करें।

कुंभ राशि पर प्रभाव और उपाय

कुंभ राशि के लोगों के लिए वर्ष 2026 में शनि साढ़ेसाती का अंतिम चरण आरंभ होगा। यानी आपकी साढ़ेसाती पांव पर उतरी हुई होगी। वर्ष 2026 में राहु आपके लगन में गोचर करते रहेंगे ऐसे में यह समय आपके लिए थोड़ा संघर्षपूर्ण रहने वाला है। आपके पारिवारिक और व्यापार में काफी उथल पुथल देखने को मिल सकती है। हालांकि, आपकी राशि पर शनि साढ़ेसाती का अंतिम चरण होने के साथ ही रजत पाया यानी चांदी होने के कारण रुकावटों के बावजूद कुछ बिगड़े कार्य भी बनते जाएंगे। साथ ही आपकी आय भी ठीक ही रहने वाली है।

उपाय : शनिवार और मंगलवार के दिन विशेष रुप से सुंदरकांड का पाठ करें।

मीन राशि पर प्रभाव और उपाय

साल 2026 में मीन राशिवालों की शनि साढ़ेसाती का पहले चरण ही रहने वाला है। यानी आपके हृदय पर चढ़ती हुई साढ़ासाती रहने वाली है। साथ ही वर्ष 2026 में शनि का पाया स्वर्ण होने के साथ साथ आपको आर्थिक उलझन, धन का खर्च अधिक रहेगा। आपके लिए इस समय काफी संघर्षपूर्ण दृष्टि रहने वाली है। आपको धन लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। थोड़ा सेहत का ख्याल रखें क्योंकि, आपको सेहत से जुड़ी परेशानियां काफी रहेंगी। अचानक आपके खर्चे बढ़ सकते हैं।

उपाय : रोजाना पक्षियों का दाना खिलाएं और सूर्य को नियमित रुप से जल अर्पित करें। जल में थोड़ा गुड़, लाल रोली और चावल जरुर डालें।

सिंह राशि पर प्रभाव और उपाय

सिंह राशि के जातकों पर शनि की ढैय्या का प्रभाव अधिक रहने वाला है। आपकी आय के साधन सीमित रहेंगे। साथ ही मन में भ्रम की स्थिति रहेगी। आपको हड्डियों से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। साथ ही किसी न किसी रोगों का भय रहने वाला है। साथ ही पारिवारिक जीवन में कलह कलैश इस समय ज्यादा रह सकता है। सिंह राशि के जातकों को जून 2027 में शनि की साढ़ेसाती से मुक्ति मिलेगी।

उपाय : मंगलवार और शनिवार चमेली के तेल का दीपक हनुमानजी के सामने जलाएं और झूठ बोलने से बचें।

धनु राशि पर प्रभाव और उपाय

शनि आपकी राशि से चतुर्थ भाव में होने से आपको आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। शनि आपको धन हानि के साथ साथ पारिवारिक जीवन में भी ढेर सारी समस्या पैदा होने वाली है। आपको अपने निकट संबंधियों के कारण तनाव रह सकता है। बता दें कि वर्ष 2027 में आपकी शनि की ढैय्या समाप्त होगी।

उपाय : शनि चालीसा का नियमित रुप से पाठ करें और शनिवार के दिन शनिदेव के मंदिर में जाकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं।

किसी को भी भूलकर न बताएं ये सपने फायदे की जगह होगा नुकसान

जानिए क्या कहता है स्वप्न शास्त्र

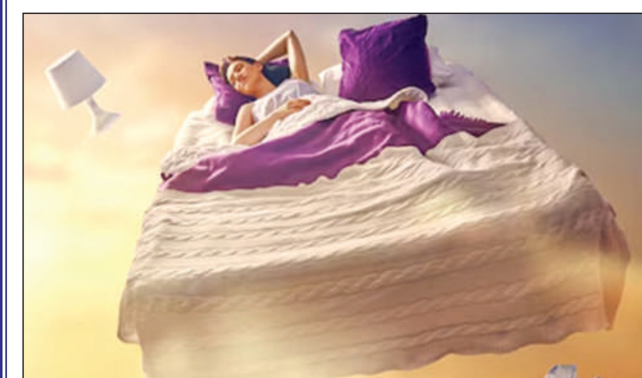

ज्योतिष शास्त्र में सपनों को भविष्य के संकेत के रूप में देखा जाता है। अकसर हम सपनों को नजरअंदाज कर देते हैं। हालांकि, कुछ सपने ऐसे होते हैं जो हमारे जीवन में होने वाली शुभ या अशुभ घटनाओं की ओर इशारा करते हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, अपना हर सपना दूसरों को नहीं बताना चाहिए। शास्त्रों में कहा गया है कि कुछ खास सपनों को किसी से साझा करने से उनका शुभ प्रभाव कम हो सकता है और लाभ की जगह उलटा नुकसान भी हो सकता है।

सपने में भगवान को देखना

सपने में भगवान, संत, सिद्ध पुरुष का दिखाई देना आध्यात्मिक उन्नति का संकेत माना जाता है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, ऐसे सपने अत्यंत व्यक्तिगत होते हैं और इन्हें सार्वजनिक करना अच्छा नहीं माना जाता है। ऐसा करने से साधना में बाधा और मन की एकाग्रता में कमी आ सकती है।

अशुभ संकेत देने वाले सपने

हर सपने शुभ ही नहीं होते, कुछ सपने आने वाली मुसीबत की और इशारा करते हैं। सपने में गिरना, दांत टूटना, स्वयं को रोते देखना, आग लगने का सपना देखना अशुभ माना जाता है। ऐसे सपनों को बार-बार दूसरों को बताने से मानसिक तनाव बढ़ सकता है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इन सपनों को केवल गुरु के सामान लोगों से ही साझा करना चाहिए।

पानी, कमल, गाय का सपना देखना

सपने में बहता हुआ साफ पानी, कमल, गाय, हाथी को देखना आर्थिक मजबूती और करियर में प्रगति का संकेत देता है। स्वप्न शास्त्र कहता है कि ऐसे सपनों को दूसरों को बताने से नकारात्मक ऊर्जा सक्रिय हो सकती है। ऐसा करने से आपको मिलने वाले लाभ में अड़चनें आ सकती हैं। इसलिए इन सपनों को अपने तक ही सीमित रखना शुभ माना गया है।

सोना, चांदी, धन का सपना देखना

स्वप्न शास्त्र में सोना, चांदी, धन और आभूषण का सपना देखना अत्यंत शुभ संकेत माना जाता है। ऐसे सपने अचानक धन लाभ, पद-प्रतिष्ठा और रुके हुए कार्यों की सफलता का संकेत देते हैं। लेकिन इन सपनों को किसी को बताने से उसका फल क्षीण हो सकता है। मान्यता है कि शुभ सपनों की अपने तक रखने से उनका पूर्ण लाभ प्राप्त होता है।

अशुभ सपनों के बाद क्या करें?

अगर आपने नींद में कोई डरावना या अशुभ सपना देखा है तो सुबह उठकर तुरंत उसे किसी को न बताएं। इसके अशुभ प्रभाव से बचने के लिए स्नान करके भगवान की पूजा करें और दान-पुण्य करें। इससे सपने का नकारात्मक प्रभाव कम हो जाता है। मंगलवार या शनिवार को हनुमान चालीसा का पाठ करना भी लाभकारी माना गया है।

नववर्ष 2026 का राशिफल कैसा रहेगा

धनु राशि

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि धनु राशि के जातकों को साल 2026 मिले-जुले परिणाम दे सकता है। लेकिन फिर भी, आपको इस वर्ष सावधानी पूर्वक आगे बढ़ना होगा। करियर के क्षेत्र में इन लोगों के लिए मन लगाकर और समर्पित होकर काम करना जरूरी होगा। साथ ही, आपको आलस और लापरवाही से बचना होगा, तभी आप अपने लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे। आर्थिक जीवन के लिए यह साल औसत रहने की संभावना है। भूमि, भवन या वाहन लेने की सोच रहे जातकों के लिए इस विचार को टालना उचित रहेगा क्योंकि यह अवधि कमज़ोर रह सकती है। पढ़ाई करने वाले छात्रों को वर्ष 2026 में अपनी मेहनत के अनुरूप परिणाम प्राप्त होंगे। साल का पहला हिस्सा ज्यादातर विद्यार्थियों के लिए अनुकूल रहेगा जबकि दूसरा हिस्सा शोध के विद्यार्थियों के लिए बेहतर साबित होगा। प्रेम जीवन भी मधुरता से पूर्ण बना रहेगा। विवाह और वैवाहिक जीवन से जुड़े मामलों के लिए साल 2026 का पहला हिस्सा ज्यादा अच्छा कहा जाएगा। पारिवारिक जीवन शांतिपूर्ण बना रहेगा और आपको किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। हालांकि, धनु राशि के जातकों को इस वर्ष अपनी सेहत के प्रति सतर्क रहना होगा, तब ही आप स्वस्थ रह सकेंगे। वर्ष के पहले भाग की तुलना में दूसरे हिस्से में स्वास्थ्य को लेकर अधिक सावधान रहें। इस वर्ष आपके कई काम जो लंबे समय से रुके हुए थे या जिनकी आपने उम्मीद की थी, सफलता से पूरे होंगे। तीसरे भाव में राहु आपको साहस और हिम्मत देगा, जिससे हर कार्य में मनचाहा परिणाम हासिल करने में मदद मिलेगी। छात्रों के लिए यह साल विशेष रूप से सफलता देने वाला रहेगा। साल के पहले भाग में गुरु मिथुन राशि के सप्तम भाव में रहेगा, जिससे आपके जीवन साथी के साथ रिश्ते में सुधार हो सकता है। जून के बाद गुरु की स्थिति कर्क राशि के अष्टम भाव में होगी जो शारीरिक और मानसिक कठिनाइयों का संकेत दे सकती है। इस समय आपको अपनी सेहत विशेष ध्यान रखना होगा। अक्टूबर को गुरु का सिंह राशि में नवम भाव में प्रवेश करना आपके लिए शुभ रहेगा। यह समय यात्राओं और शैक्षिक सफलता के लिहाज से लाभकारी होगा।

कैरियर–धनु राशि वालों की नौकरी के लिए वर्ष 2026 औसत से बेहतर रहेगा क्योंकि आपके करियर भाव के स्वामी बुध ग्रह साल के ज्यादातर समय आपके पक्ष में रहेंगे। साथ ही, आपके छठे भाव के स्वामी शुक्र ग्रह की स्थिति भी अधिकांश समय अनुकूल रहेगी। ऐसे में, शुक्र के द्वारा आपको नौकरी में सकारात्मक परिणाम मिलने की अच्छी संभावनाएं हैं लेकिन, शनि, केतु तथा बृहस्पति की स्थिति बीच-बीच में आपके लिए समस्याएं पैदा कर सकती हैं। इस प्रकार, नौकरी की दृष्टि से वर्ष 2026 आपके लिए मिला-जुला रह सकता है। हालांकि, 03 फरवरी से 11 अप्रैल 2026 की अवधि में आपको नौकरी के कुछ नए अवसर मिल सकते हैं, परंतु इस अवधि में बदलाव करने से बचें। साथ ही, दूसरों से बेहद विनम्रता और सकारात्मकता से बातचीत करें। धनु राशि के जातकों को इस बात का ध्यान रखना होगा कि सहकर्मियों के साथ आपके रिश्ते ख़राब न होने पाएं। वहीं, 11 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 की अवधि में बुध महाराज आपके चतुर्थ भाव में रहेंगे जो कि अनुकूल स्थिति कही जाएगी, परन्तु वह शनि देव के साथ नीच अवस्था में विराजमान होंगे। इसके परिणामस्वरूप, आपको नौकरी में किसी भी तरह का जोखिम उठाने से बचना होगा। साथ ही, घर-परिवार की समस्याओं को खुद पर हावी न होने दें ताकि आपके काम पर इनका नकारात्मक असर दिखाई न दें। ऐसा करने से आप अपनी नौकरी को सुरक्षित रख सकेंगे, बाकी के समय में कोई बड़ी समस्या नहीं आएगी। धनु राशि के लोगों को इस साल नौकरी और बिजनेस में ज्यादा सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। गुरु का गोचर साल की शुरुआत में आपके लिए बेहद फायदेमंद रहेगा, लेकिन साल के बीच में कष्टपूर्ण रह सकता है। विशेष कर जून से अक्टूबर के बीच के समय अवधि में आपको बिजनेस और नौकरी में बहुत सावधानी रखनी होगी, क्योंकि कानूनी अड़चनें आपको परेशानी में डाल सकती हैं।

आर्थिक स्थिति–धन के मामले में धनु राशि के लोगों के लिए साल 2026 अच्छा रहेगा। साल की शुरुआत में ग्रहों के प्रभाव से आपके पास अच्छा धन आएगा। अच्छी मात्रा में आया धन आपके बैंक बैलेंस को बढ़ाएगा और घर के आवश्यक खर्च भी कराएगा। राहु का प्रभाव आपको लगातार धन प्राप्ति की राह में आगे बढ़ाएगी। आपकी मेहनत और आपका हौसला आपको बिजनेस में रिस्क लेकर आगे बढ़ाने में अच्छा धन लाभ प्रदान करेगा। साल के पहले भाग में आपकी आर्थिक स्थिति ज्यादा मजबूत रहेगी। इसके अलावा, 14 मई से 08 जून 2026 और 01 अगस्त से 02 सितंबर 2026 तक की अवधि में आप आर्थिक रूप से थोड़े कमज़ोर रह सकते हैं। हालांकि, इस दौरान कोई बड़ी समस्या आने के योग नहीं है। बात करें बचत की, तो धन भाव के स्वामी शनि अपने से तीसरे भाव में उपस्थित होंगे जो कि अच्छी स्थिति मानी जाएगी। बता दें कि चतुर्थ भाव में शनि के गोचर को शुभ नहीं माना जाता है। ऐसे में, धन भाव के स्वामी की स्थिति के आधार पर वर्ष 2026 बचत के मामले में औसत रह सकता है। धनु राशिफल 2026 कहता है कि धन के कारक ग्रह बृहस्पति देव की स्थिति साल के अधिकांश समय अनुकूल रहेगी। जनवरी से लेकर 02 जून 2026 तक गुरु देव सप्तम भाव में बैठकर आपके लाभ भाव को देखेंगे, तब यह आपको लाभ करवाने का काम करेंगे। हालांकि, 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर 2026 की अवधि में गुरु ग्रह आपके आठवें भाव में उच्च अवस्था में रहेंगे और वहां से आपके धन भाव पर दृष्टि डालेंगे। ऐसे में, यह आपके आर्थिक जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं। इसके बाद, गुरु देव की भाग्य भाव में उपस्थिति आपके लिए अनुकूल कही जाएगी। इस प्रकार, वर्ष 2026 में धन से जुड़े मामले पर किसी ग्रह का अशुभ प्रभाव नहीं होगा, परंतु शनि ग्रह की स्थिति सामान्य रहेगी जबकि अन्य ग्रह आपको काफ़ी हद तक बेहतर परिणाम दे सकते हैं। कुल मिलाकर, अगर आपके कार्यक्षेत्र में कोई समस्या नहीं आती है, तो आपका आर्थिक जीवन अच्छा बना रहेगा और आपकी आय भी उत्तम रहेगी।

परिवार–धनु राशि के जातकों के पारिवारिक जीवन के लिए वर्ष 2026 मिलाजुला रहेगा। हालांकि, इस साल के ज्यादातर समय कोई बड़ी परेशानियां नजर नहीं आ रही है। लेकिन कभी-कभी छोटी-मोटी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इन समस्याओं को तुरंत दूर नहीं करेंगे, तो यह आगे एक बड़ा रूप ले सकती है। वहीं, दूसरे भाव के स्वामी चतुर्थ भाव में रहेंगे और ऐसे में, घर-परिवार में वाद-विवाद जन्म ले सकते हैं या फिर किसी बात को लेकर कोई सदस्य नाराज़ हो सकता है। अगर आप सावधानी पूर्वक आगे बढ़ेंगे, तो पारिवारिक जीवन में कोई परेशानी नहीं आएगी। हालांकि, धनु राशि वालों को 16 जनवरी से 23 फरवरी 2026 और 02 अप्रैल से 11 मई 2026 के दौरान आपको परिवार में शांति बनाए रखने का प्रयास करना होगा। गृहस्थ जीवन के लिए वर्ष 2026 तुलनात्मक रूप से कमज़ोर रह सकता है। बता दें कि चतुर्थ भाव के स्वामी साल के ज्यादातर समय अनुकूल स्थिति में रहेंगे और चतुर्थ भाव में शनि देव विराजमान होंगे जो घर-परिवार में समस्याएं पैदा कर सकते हैं। ऐसे में, पारिवारिक जीवन की तुलना में गृहस्थ जीवन इस साल थोड़ा कमज़ोर कहा जाएगा। सामान्य शब्दों में कहें तो, गृहस्थ जीवन में परेशानियां आएंगी, लेकिन वह धीरे-धीरे दूर भी हो जाएंगी इसलिए सोच-विचार कर काम करें। इस दौरान पुरानी चीजें आपको परेशान कर सकती हैं या फिर जमीन-जायदाद या घर को लेकर चिंता बनी रह सकती है। इसके फलस्वरूप, घर जर्जर हो गया हो तो रिपेयर करवाने की जरूरत अथवा घर बनवाने जैसे काम आपके सामने आ सकते हैं जिन्हें पूरा करने के लिए आपको शांत रहकर काम करना होगा। आपके वैवाहिक जीवन के लिए वर्ष 2026 अनुकूल रहेगा क्योंकि आपके सप्तम भाव पर किसी पापी ग्रह का नकारात्मक प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। राहु-केतु और शनि का प्रभाव भी सप्तम भाव पर होने के कारण दांपत्य जीवन में गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं। वहीं, मंगल ग्रह साल की शुरुआत से लेकर 16 जनवरी 2026 तक आपके पहले भाव में रहेंगे। ऐसे में, आपको इस दौरान वैवाहिक जीवन में सावधानी बरतनी होगी। इसके बाद, 02 अप्रैल से 11 मई 2026 और 02 अगस्त से 12 नवंबर 2026 की अवधि में कुछ परेशानियां बनी रह सकती हैं। हालांकि, यह छोटी-मोटी समस्याएं होंगी और कोशिश करने पर आप इन्हें तब ही शांत कर लेंगे। कुल मिलाकर, थोड़ी बहुत परेशानियों को हटा दें, तो वर्ष साल 2026 विवाह और वैवाहिक जीवन के लिए अनुकूल रहेगा।

प्रेम – रोमांस– धनु राशि वालों का प्रेम जीवन वर्ष 2026 में औसत या औसत से बेहतर रहेगा। बता दें कि आपके सप्तम भाव के स्वामी मंगल का गोचर बहुत कम भावों में अच्छा माना गया है। हालांकि, ऐसा जरूरी नहीं है कि यह आपके प्रेम जीवन में समस्या पैदा करेंगे, लेकिन मंगल ग्रह आपका ज्यादा सहयोग नहीं कर पाएंगे। हालांकि, आपका विरोध भी नहीं करेंगे और इस प्रकार, यह आपको मिले-जुले परिणाम दे सकते हैं। वहीं, आपको 02 अप्रैल से 11 मई की अवधि में मंगल चतुर्थ भाव में शनि देव के साथ रहेंगे। इसके बाद, 02 अगस्त से लेकर 12 नवंबर की अवधि भी कमज़ोर रहेगी और बीच के समय में भी आपको सावधान रहना होगा। साल के आरंभिक समय के दौरान आपके प्रेम और विवाह संबंधी जीवन में कुछ अनुकूल बदलाव देखने को मिल सकते हैं। सप्तम भाव में स्थित गुरु का होना आपके जीवन में किसी साथी की भूमिका के होने का संकेत देता है जो दिखाता है की रिश्तों के लिए शुरुआत का समय होगा। इसके अलावा वैवाहिक जीवन में लोग जीवनसाथी के साथ रिश्तों को बेहतर कर पाने में सक्षम हो सकते हैं विवादों को सुलझाने का समय होगा शुरुआती समय पर कुछ विचारों का मतभेद हो सकता है लेकिन मार्च के बाद की स्थिति में शुभता दिखाई देने लगेगी। आपकी पर्सनल लाइफ में खुशहाली और समृद्धि का माहौल रहेगा। परिवार और दोस्तों के बीच आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी, और आप दोनों की भावनाओं में एक नई गहराई आएगी। यह समय आपके लिए रिश्तों को मजबूती देने वाला रहेगा। साल के दूसरे भाग के बाद गुरु का गोचर आपके जीवन में कुछ मुश्किलें दे सकता है। इस समय जिनकी सगाई या शादी की बात चल रही थी उन्हें अटकाव झेलने पड़ सकते हैं। इस समय फैमली लाइफ में तनाव और उतार-चढ़ाव की स्थिति बन सकती है। एक दूसरे पर भरोसा कम हो सकता है। चतुर्थ भाव में स्थित शनि आपके परिवार में कुछ कलह का कारण बन सकता है। परिवार के सदस्यों के बीच भावनात्मक जुड़ाव में कमी आ सकती है, और छोटी-छोटी बातों को लेकर वाद-विवाद बढ़ सकता है। इस दौरान आपको परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का सही तरीके से पूरा करने की जरूरत होगी ताकि रिश्तों में अलगाव और तनाव नही बढ़ पाए। धनु राशि के लोगों को रोमांस करना बहुत पसंद है, तो वह स्वतंत्र प्रवृत्ति के तो होते हैं, लेकिन प्यार करना उनके अंदर स्वाभाविक रूप से होता है, वह रिश्तो को पाने के लिए अपनी तरफ से हर कोशिश करते हैं। इस साल आपको प्यार करने के मौके मिलेंगे। विवाह भी होने के अच्छे संयोग इस साल बनते दिखाई दे रहे हैं, लेकिन साल के बीच में कुछ बड़ी समस्याएं सामने आएंगी, जिससे घरेलू तनाव बढ़ेगा।

शिक्षा – धनु राशि के जातकों को शिक्षा के क्षेत्र में वर्ष 2026 आपकी मेहनत के अनुरूप फल प्रदान करेगा। पंचमेश मंगल का गोचर भी साल के ज्यादातर समय अनुकूल रहेगा जबकि कुछ समय कमज़ोर रह सकता है। इस अवधि में मंगल देव की स्थिति भी आपको काफ़ी हद तक बेहतर परिणाम दे सकती हैं। जब मंगल ग्रह 02 अप्रैल से लेकर 11 मई 2026 के दौरान आपके चतुर्थ भाव में विराजमान होंगे, तब यह समय पढ़ाई-लिखाई के लिए कमज़ोर रहेगा। इसके अलावा, वर्ष 2026 में 18 सितंबर से 12 नवंबर की अवधि में मंगल देव नीच अवस्था में अष्टम भाव में रहेंगे और इस समय को भी शिक्षा के लिए अच्छा नहीं माना जा सकता है। शेष अवधि में पंचमेश मंगल देव या तो आपके पक्ष में रहेंगे या फिर आपको शिक्षा में औसत परिणाम देंगे। दूसरी तरफ, चतुर्थेश बृहस्पति आपकी राशि के स्वामी होने के साथ-साथ उच्च शिक्षा के कारक ग्रह भी हैं। इस वर्ष गुरु ग्रह की स्थिति आपके लिए अनुकूल रहेगी क्योंकि यह जनवरी से लेकर 02 जून 2026 तक आपके सप्तम भाव में रहेंगे। सातवें भाव में स्थित गुरु देव की दृष्टि आपके लाभ भाव, प्रथम भाव और तीसरे भाव पर होगी जो आपकी बुद्धि को तेज़ बनाने का काम करेगी। साथ ही, आपकी सोच, आपकी योजनाओं और आपकी कल्पना शक्ति को मजबूत बनाएगी। इनकी लाभ भाव पर दृष्टि आपको उपलब्धियां दिलाने में भी सहायक बनेगी। ऐसे में, यह समय शिक्षा के लिए अच्छा रहेगा।हालांकि, अष्टम भाव में गुरु का होना दर्शाता है कि कड़ी मेहनत करने से ही अच्छे परिणाम मिलेंगे। इसके विपरीत, मेहनत करने से बचने या लापरवाही बरतने वाले छात्रों को शिक्षा में कमज़ोर परिणाम मिल सकते हैं। कुल मिलाकर, गुरु देव आपको इस साल या तो बेहद शुभ फल प्रदान करेंगे या फिर नकारात्मक परिणाम दे सकते हैं। ऐसी स्थिति में धनु राशि के छात्रों को कड़ी मेहनत करनी होगी, तब ही नतीजे आपके पक्ष में रहेंगे। वहीं, प्राथमिक शिक्षा के कारक ग्रह बुध की स्थिति भी अधिकांश समय अनुकूल रहेगी। जो विद्यार्थी विदेश जाकर पढ़ाई करने या अपने घर से दूर पढ़ाई करने की सोच रहे हैं, उनके लिए ये साल बहुत फायदेमंद रहेगा। आपको मनचाहा कॉलेज और एडमिशन मिलने की अच्छी संभावना है। अगर आप अपनी पढ़ाई पूरी कर चुके हैं और अब जॉब की तलाश में हैं, तो आपको भी इस साल अपनी पसंदीदा कंपनी में प्लेसमेंट मिलने के योग हैं। कॉम्पिटिटिव एग्ज़ाम की तैयारी करने वालों को इस साल ज्यादा मेहनत और धैर्य की ज़रूरत होगी, क्योंकि परीक्षा पहले से थोड़ी कठिन हो सकती है।

स्वास्थ्य–साल की शुरुआत में सेहत ठीक-ठाक रहेगी, लेकिन साल के दूसरे भाग में सेहत में समस्याएं उत्पन्न होंगी और उचित देखभाल की जरूरत पड़ेगी। साल की शुरुआती महीना में मौसम का असर और आपके काम का दबाव आपको परेशान करेगा। आप मानसिक और शारीरिक रूप से कम ऊर्जावान महसूस करेंगे, लेकिन इसके बाद आपकी ऊर्जा और खुद को फिट रखने की चाहत आपको स्वास्थ्य समस्याओं से बचाएगी। मेंटल कंडीशन भी इस समय बढ़िया रहेगी। आप कई तरह की फिजिकल एक्टिविटी में शामिल होंगे, जिससे आपको टेंशन से बाहर निकलने का मौका मिलेगा और आपकी मानसिक स्थिति भी सुधरेगी तथा शारीरिक रूप से भी आप ज्यादा सक्षम हो जाएंगे। दैनिक कार्यों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। जनवरी से फरवरी के दौरान मौसम का असर तो कुछ काम का दबाव सेहत को कमजोर कर सकता है लेकिन इसके बाद से सेहत की स्थिति अच्छी रहेगी। इस दौरान आप मानसिक और शारीरिक रूप से उर्जावान महसूस करेंगे। आप इस समय पर खुद को मजबूत पाएंगे। कोई सेहत की समस्या भी होगी तो वह सुधार में तेज होगी। इस समय मेंटली कंडीशन को बेहतर बनाए रखने के लिए आप कुछ एक्टिविटी में शामिल होंगे जिससे आपको मदद मिल पाएगी। आपकी मानसिक स्थिति स्वस्थ रहने के कारण आपके शारीरिक स्वास्थ्य में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा, शुभ ग्रहों का शुभ प्रभाव लग्न पर बना रहेगा, जिससे आपकी समग्र सेहत अच्छी रहेगी। इस समय आपको सामान्य रूप से किसी भी शारीरिक समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। मानसिक शांति और आंतरिक सुख-शांति के कारण आप अपनी सेहत को बनाए रखेंगे और किसी भी प्रकार की छोटी-मोटी बीमारियों से बचेंगे। अगर आप सेहत को लेकर लापरवाही बरतेंगे, तो आपके स्वास्थ्य में तेजी से गिरावट नज़र आ सकती है। वहीं, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति देव आपके भाग्य भाव में बैठकर प्रथम भाव पर अपनी दृष्टि डालेंगे। ऐसे में, गुरु ग्रह की यह स्थिति आपके लिए मददगार साबित होगी, परन्तु फिर भी आप पर शनि ग्रह की दृष्टि का प्रभाव रहेगा। कुल मिलाकर, जो जातक वर्ष 2026 में स्वास्थ्य का ध्यान रखेंगे, उनकी सेहत अच्छी रहेगी। साथ ही, आपको उचित खानपान अपनाना होगा।

ज्योतिष उपाय –गुरुवार को गाय को हरा चारा गुड़ चना आदि खिलाते रहे। घर से दूर किसी पार्क या मंदिर में पीपल का पेड़ लगाएं और हर बृहस्पतिवार को उसकी पूजा करें। श्री राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करें। गुरुवार को पीले वस्त्र पहनें और पीली दाल दान करें।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

संपादकीय

'गैस चैंबर' राजधानी

देश की राजधानी दिल्ली बीते कई सालों से 'गैस चैंबर' बनी है। यह सिलसिला अक्तूबर में शुरू होता है और फरवरी तक जारी रहता है। 'गैस चैंबर' की टिप्पणी सर्वोच्च अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की है। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने बीते दिनों अपनी पीड़ा व्यक्त की थी कि अब दिल्ली में सुबह की सैर करना भी दूभर हो गया है। सांस घुटने लगता है। राजधानी में इतना प्रदूषण है कि जो परिवार 35-40 साल से दिल्ली में बसे थे, दिल्ली में ही कामकाज था, वे या तो दिल्ली छोड़ चुके हैं अथवा छोड़ कर गांव लौटने की तैयारी में हैं। दरअसल स्वच्छ और सेहतमंद हवा कोई 'विलासिता' नहीं है, बल्कि नागरिकों का अधिकार है। नागरिकों पर बलात अत्याचार ढाया जा रहा है। शनिवार को राजधानी दिल्ली के 12 इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 से अधिक था। कहीं-कहीं 450 को भी लांघ गया था। दिल्ली-एनसीआर के नोएडा इलाके में भी एक्यूआई 409 था। नोएडा में तो नाले सूख गए हैं, जिनमें से एक दुर्गंधमयी गैस निकलती है, जो प्रदूषण की बुनियादी कारक है। राजधानी में प्रदूषण की यह जानलेवा स्तर की 'खतरनाक स्थिति' है। बेशक यह 'स्वास्थ्य का आपातकाल' है। स्कूलों में छोटे बच्चों के लिए छुट्टी घोषित की गई है। मंत्री आशीष सूद के मुताबिक, 10000 स्कूलों में एयर प्यूरीफायर लगाए जाएंगे। क्या उनसे प्रदूषण नियंत्रित होगा? 50 फीसदी कर्मचारियों को 'वर्क फ्रॉम होम' के आदेश दिए गए हैं। ऐसे कब तक प्रदूषण से बचेंगे? इस साल के अंत तक बिजली वाली 7000 बसें खरीदी जाएंगी। दिल्ली सरकार के दूसरे मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने चेतावनी जारी की है कि कल से (रविवार से ही) मौसम ज्यादा खराब होगा। इस मंत्री ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि निर्माण-कार्य नहीं रोके गए, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राजधानी दिल्ली ऐसा महानगर है, जो हररोज, हर पल धूल में सना दिखाई देता है। वायु प्रदूषण का यह सबसे खतरनाक स्रोत है। दिल्ली-एनसीआर में 3.3 करोड़ से अधिक वाहन पंजीकृत हैं। अकेली दिल्ली में ही 2.88 करोड़ कारें और दोपहिया वाहन हैं। मानकों के मुताबिक, करीब 51 फीसदी प्रदूषण वाहनों के कारण ही होता है। 'गैस चैंबर' को खत्म कैसे किया जा सकता है? दिल्ली-एनसीआर में केंद्र सरकार सहित सभी सरकारें भाजपा शासित हैं। पहले केजरीवाल को कोसा जाता था। अब दिल्ली अद्र्धराज्य में भी, बीते 10 माह से, भाजपा सत्तारूढ़ है। हालांकि उसने कई बंदोबस्त किए हैं। अधिकतर ऐसे हैं, जो 'आप' सरकार ने भी किए थे। फिर भाजपा ने अलग क्या किया? कृत्रिम बारिश का प्रयोग भी नाकाम रहा। कारण कुछ भी हो। ग्रैप 'आप' सरकार के दौरान भी लागू किए गए थे, अब भी किए जा रहे हैं। दिल्ली में ही संसद मौजूद है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सर्वोच्च अदालत दिल्ली में ही मौजूद हैं। क्या 'अत्यंत खतरनाक' श्रेणी का प्रदूषण उन्हें प्रभावित नहीं करता? 'इंडिया गेट' और 'कत्र्तव्य पथ' पर इतना कोहरा और धुआं-धुंध है कि पर्यटक नाममात्र रह गए हैं। संसद में नियम 193 के तहत प्रदूषण पर चर्चा तय की गई थी, लेकिन हंगामे और हस्तक्षेप के कारण वह चर्चा नहीं हो सकी। विडंबना और दुर्भाग्य है देश का। प्रदूषण की स्थिति यह बताई जा रही है कि औसत नागरिक एक ही दिन में 40 सिगरेट के बराबर का धुआं पीने को विवश है।

देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने बीते दिनों अपनी पीड़ा व्यक्त की थी कि अब दिल्ली में सुबह की सैर करना भी दूभर हो गया है। सांस घुटने लगता है। राजधानी में इतना प्रदूषण है कि जो परिवार 35-40 साल से दिल्ली में बसे थे, दिल्ली में ही कामकाज था, वे या तो दिल्ली छोड़ चुके हैं अथवा छोड़ कर गांव लौटने की तैयारी में हैं। दरअसल स्वच्छ और सेहतमंद हवा कोई 'विलासिता' नहीं है, बल्कि नागरिकों का अधिकार है। नागरिकों पर बलात अत्याचार ढाया जा रहा है। शनिवार को राजधानी दिल्ली के 12 इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 से अधिक था। कहीं-कहीं 450 को भी लांघ गया था। दिल्ली-एनसीआर के नोएडा इलाके में भी एक्यूआई 409 था। नोएडा में तो नाले सूख गए हैं, जिनमें से एक दुर्गंधमयी गैस निकलती है, जो प्रदूषण की बुनियादी कारक है। राजधानी में प्रदूषण की यह जानलेवा स्तर की 'खतरनाक स्थिति' है। बेशक यह 'स्वास्थ्य का आपातकाल' है। स्कूलों में छोटे बच्चों के लिए छुट्टी घोषित की गई है। मंत्री आशीष सूद के मुताबिक, 10000 स्कूलों में एयर प्यूरीफायर लगाए जाएंगे। क्या उनसे प्रदूषण नियंत्रित होगा? 50 फीसदी कर्मचारियों को 'वर्क फ्रॉम होम' के आदेश दिए गए हैं। ऐसे कब तक प्रदूषण से बचेंगे? इस साल के अंत तक बिजली वाली 7000 बसें खरीदी जाएंगी। दिल्ली सरकार के दूसरे मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने चेतावनी जारी की है कि कल से (रविवार से ही) मौसम ज्यादा खराब होगा। इस मंत्री ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि निर्माण-कार्य नहीं रोके गए, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कुछ अलग

बहस की अक्ल

संसद की बहस देख-सुन कर उस गांव के लोग इतने प्रभावित हो गए कि उन्होंने आवारा भैंस पकड़ कर, फिर से पुरानी बहस से पूछ लिया, 'अक्ल बड़ी या भैंस।' भैंस हैरान थी कि जब भी इनसान को अपनी अक्ल परखनी होती है, उसे पकड़ लेते हैं। अब तो उसे लगने लगा है कि बहस और भैंस एक ही प्रजाति की हो गई हैं। किसी ग्रामीण ने कहा, 'भैंस पर बहस करना मुश्किल है, जबकि आजकल विधायक चुनना आसान हो गया है। पूछना तो यह चाहिए, भैंस बड़ी या विधायक, अक्ल बड़ी या विधायक।' भैंस पता ही नहीं लगने दे रही थी कि वह अक्ल से कमजोर है या शरीर से ताकतवर। अब तो कुत्तों के बाजार में सबसे अमीर आदमी आते हैं, बल्कि बगल में कुत्ता हो तो बंदा अमीर नजर आता है। घर में तोता हो, तो बुद्धिमान नजर आता है। लोगबाग खरगोश पालकर मोहल्ले में दबदबा बना लेते हैं। इसलिए शहरों की बहस गांव से भिन्न है। वहां पाले गए कुत्तों की बात होती है, मो मो और चौमिन की बात होती है। यह शहरी लोग 'माई शिष्टाचार' में भूल गए कि 'माई' न हो तो घर भैंस का तबेला हो जाएगा। गांव के चौपाल तक एक अकेली भैंस और फैसला पूरे देश की अक्ल का। चर्चा में किसी ने खुद को अक्ल वाला समझ कर कह दिया, 'एक भैंस से नहीं, गांव की सभी को लाओ ताकि फैसला हो जाए कि बहस तो गांव में ही सही होती है।' कुछ लोग असहमत दिखे, लेकिन गांव वालों ने बहस के लिए सारी भैंसें खोलकर आजाद कर दीं। भैंस खोलते वक्त किसी को अक्ल की जरूरत नहीं पड़ी, बल्कि बहस के लिए अब तो अक्ल होती कहां। पूरा देश ऐसे मुद्दों पर बहस कर लेता है, जो अक्ल से तो मुद्दा हो ही नहीं सकते। भैंसें एक-एक करके आ रही थीं।

ग्रामीण भारत में बढ़ती क्रयशक्ति, वास्तविक आय वृद्धि, जीएसटी सुधार, कम महंगाई और मजबूत सरकारी समर्थन का संयुक्त परिणाम है

ग्रामीण आर्थिकी मजबूत करेगा जी राम जी

डा. जयंती लाल भंडारी

यकीनन इस समय देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े हुए दो महत्वपूर्ण परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहे हैं। एक, ग्रामीण भारत में बढ़ती हुई आमदनी और बढ़ती हुई खपत के बीच ग्रामीण गरीबी में लगातार कमी आ रही है। दो, हाल ही में 16 दिसंबर को सरकार के द्वारा संसद में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को रद्द करने और इसकी जगह 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार ऐंड आजीविका मिशन (ग्रामीण), यानी वी बी जी राम जी नामक नया ग्रामीण रोजगार कानून लाने संबंधी स्वीकृत किया गया विधेयक कानून बनने के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हुए दिखाई देगा। गौरतलब है कि इस समय ग्रामीण भारत भारतीय अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहा है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ग्रामीण भारत का योगदान बढ़ता जा रहा है। भारत ने 2024-25 में 35.77 करोड़ टन अनाज पैदा करके एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। पिछले दस सालों में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 10 करोड़ टन बढ़ा है। ये खेती में आत्मनिर्भरता और गांवों के विकास की तरफ देश की लगातार बढ़ती प्रतिबद्धता को दिखाता है। हाल ही में 11 दिसंबर को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के द्वारा जारी आठवें चरण के ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं भावना सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) में बताया गया है कि देश में पिछले एक साल में ग्रामीण परिवारों की आमदनी बढ़ने से खर्च करने की क्षमता और इच्छा दोनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। सर्वे के मुताबिक 80 फीसदी ग्रामीण परिवारों के द्वारा पिछले एक साल में अपनी खपत में वृद्धि की सूचना दी गई है। नाबार्ड के सर्वे में यह उभरकर सामने आया है कि अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में खपत इतनी तेज रफ्तार से कभी नहीं बढ़ी है। सर्वे यह भी बताता है कि निवेश और औपचारिक ऋण में भी रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई है जो बढ़ती आय के समानुपातिक मानी जा सकती है। 29.3 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने पिछले एक साल में पूंजीगत निवेश (खेती और गैर-खेती दोनों क्षेत्रों में) बढ़ाया है। केवल औपचारिक स्त्रोतों (बैंक, सहकारी संस्थाएं आदि) से कर्ज लेने वाले परिवारों का हिस्सा 58.3 फीसदी हो गया, जो सितंबर 2024 के 48.7 फीसदी था। वस्तुतः ग्रामीण भारत में बढ़ती क्रयशक्ति, वास्तविक आय वृद्धि, जीएसटी सुधार, कम महंगाई और मजबूत सरकारी समर्थन का संयुक्त परिणाम है। निःसंदेह गांवों में सकारात्मक परिवर्तन हो रहे हैं। गांवों में भविष्य की आर्थिक स्थिति को लेकर विश्वास बढ़ने, ग्रामीण गरीबी में कमी, छोटे किसानों की साहूकारी कर्ज की निर्भरता में कमी, ग्रामीण खपत में वृद्धि, किसानों का जीवन स्तर बढ़ने जैसी विभिन्न अनुकूलताओं से ग्रामीण भारत मजबूती की राह पर आगे बढ़ रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रिसर्च

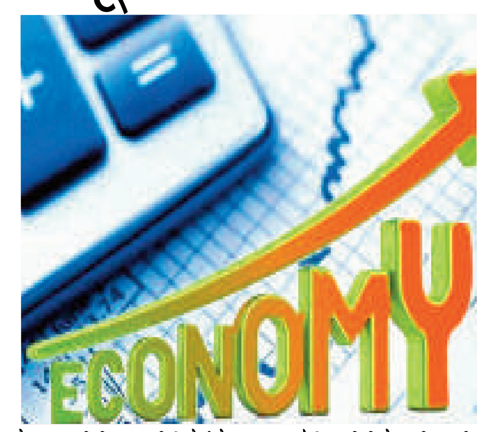

के द्वारा गरीबी पर जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबी में कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से हुई है। जहां वर्ष 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 प्रतिशत और शहरी गरीबी 13.7 प्रतिशत थी, वहीं वर्ष 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घटकर 4.86 प्रतिशत और शहरी गरीबी घटकर 4.09 प्रतिशत पर आ गई है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि वर्ष 2019 से शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना देश के करोड़ों छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय मजबूती देते हुए दिखाई दे रही है। देश के गांवों में अप्रैल 2020 से शुरू की गई पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में औपचारिक ऋण व्यवस्था ने अच्छी प्रगति की है। गांवों में बैंक शाखाओं की संख्या मार्च 2010 के 33378 से बढ़कर दिसंबर 2024 तक 56579 हो गई। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), कृषि इंफ्राक्ट्रक्चर फंड, सहकारी समितियों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था आदि प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। अब संसद में स्वीकृत किए गए वी बी जी राम जी विधेयक के कानून बनने के बाद ग्रामीण रोजगार योजना में बड़ा बदलाव आएगा। प्रत्येक परिवार के लिए रोजगार गारंटी कार्य दिवसों को 100 से बढ़ाकर 125 करने और मौजूदा फंडिंग संरचना को बदलने का प्रस्ताव है। केंद्र और राज्यों के बीच फंडिंग की हिस्सेदारी मौजूदा अधिकतम 90 : 10 अनुपात के मुकाबले 60 : 40 के अनुपात में होगी। मसौदा विधेयक में एक केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में कार्य कर रही मनरेगा को एक केंद्रीय क्षेत्र योजना में बदल दिया गया है। ग्रामीण रोजगार स्वाभाविक रूप से स्थानीय है और राज्यों को अब लागत और जिम्मेदारी साझा करनी होगी। ग्राम पंचायत योजनाओं के माध्यम से विकास योजनाएं, क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुरूप तैयार किए जाएं। राज्य सरकारें किसी वित्तीय वर्ष में 60 दिनों (दो महीने) की अवधि को, जो बोआई और कटाई वाले मौसम में होगा, पहले से अधिसूचित करेंगी और इस दौरान अधिनियम के तहत कोई काम नहीं किया जाएगा। इससे बोआई या कटाई के दौरान श्रम की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही मजदूरी में वृद्धि को रोका जा सकेगा जो खाद्य कीमतों को बढ़ाती है। श्रमिकों को बाकी 300 दिनों में अब भी रोजगार के लिए 125 गारंटी वाले दिन मिलेंगे। इससे किसानों और श्रमिकों दोनों को लाभ होगा। निश्चित रूप से केंद्र सरकार अब जी राम जी के तहत ऐसे मॉडल की स्थापना करने जा रही है, जिससे गांव के स्तर पर विकास कार्यों की दिशा तय हो। जिन चार प्राथमिकताओं का जिक्र किया गया है, उनमें जल सुरक्षा मुख्य ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका से जुड़े बुनियादी ढांचे और मौसमी घटनाओं के लिए विशेष कार्य शामिल हैं। इनके तहत रोजगार और विकास कार्यों के क्षेत्र भी सुनिश्चित किए गए हैं। ऐसे में गांवों के लिए एकीकृत ढांचा तैयार करने से देशभर में उत्पादक, टिकाऊ, सुदृढ़ और बदलाव में सक्षम ग्रामीण परिसंपत्तियों का निर्माण सुनिश्चित होगा। विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं को ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम जैसी तकनीक का इस्तेमाल करके तैयार किया जाएगा और पीएम गति-शक्ति के साथ इस योजना को जोड़ा जाएगा। रोजगार योजना में मजदूरों के बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन और निगरानी, मोबाइल-आधारित रिपोर्टिंग के साथ सोशल ऑडिट तंत्र शामिल हैं। प्रत्येक स्तर पर गड़बड़ी रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग किया जाएगा। लेकिन जीराम जी के कानून बनने के बाद भी हमें ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की प्रगति के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। गांवों में साहूकारों और अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता घटाने के लिए बैंक शाखा विस्तार के अलावा नई रणनीति के तहत दूसरे कदम उठाने की जरूरत है। सरकार ने किसानों को साहूकारों के चंगुल से बचाने के लिए जो कानून बनाए हैं, उन कानूनों के पर्याप्त परिपालन पर ध्यान देना होगा। छोटे ऋणों और कम अवधि के ऋण वाली कई योजनाएं तैयार करके साहूकारों पर निर्भरता कम की जाना होगी। ग्रामीण ऋण लागत कम करने और विश्वास बढ़ाने के लिए तकनीक का लाभ उठाया जाना होगा। औपचारिक ऋणों के लिए बेहतर प्रोत्साहन और डिजिटल उपकरणों से लैस बैंक प्रतिनिधियों को ग्रामीण परिवारों और संस्थानों के बीच समन्वय का माध्यम बनाया जाना होगा। नए दौर की कौशल युक्त शिक्षा तथा ग्रामीण बेरोजगारी जैसी चुनौतियों के निराकरण के लिए अधिक रणनीतिक प्रयास किए जाने होंगे। उम्मीद करें कि सरकार ग्रामीण भारत में बढ़ती हुई आमदनी और बढ़ती हुई खपत के सुकूनदेह परिदृश्य के बीच जो कानून लाने जा रही है, उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकेगी।

भारत ने 2024-25 में 35.77 करोड़ टन अनाज पैदा करके एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। पिछले दस सालों में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 10 करोड़ टन बढ़ा है। ये खेती में आत्मनिर्भरता और गांवों के विकास की तरफ देश की लगातार बढ़ती प्रतिबद्धता को दिखाता है। हाल ही में 11 दिसंबर को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के द्वारा जारी आठवें चरण के ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं भावना सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) में बताया गया है कि देश में पिछले एक साल में ग्रामीण परिवारों की आमदनी बढ़ने से खर्च करने की क्षमता और इच्छा दोनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। सर्वे के मुताबिक 80 फीसदी ग्रामीण परिवारों के द्वारा पिछले एक साल में अपनी खपत में वृद्धि की सूचना दी गई है। नाबार्ड के सर्वे में यह उभरकर सामने आया है कि अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में खपत इतनी तेज रफ्तार से कभी नहीं बढ़ी है। सर्वे यह भी बताता है कि निवेश और औपचारिक ऋण में भी रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई है जो बढ़ती आय के समानुपातिक मानी जा सकती है।

देश दुनिया से

डिजिटल माध्यमों पर प्रतिबंध का विमर्श

डिजिटल युग में बच्चों और किशोरों का जीवन केवल भौतिक संसार तक सीमित नहीं रह गया है। सामाजिक माध्यम, ऑनलाइन मंच और आभासी समुदाय आज उनके सीखने, अभिव्यक्ति, पहचान और सामाजिक संबंधों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि इन मंचों पर बच्चों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया द्वारा सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सामाजिक माध्यमों पर पूर्ण प्रतिबंध का प्रस्ताव इसी चिंता से उत्पन्न हुआ है। परंतु इस कदम को लेकर यह आलोचना भी सामने आई है कि यह एक जटिल मनो-सामाजिक समस्या का अत्यधिक सरलीकृत, तकनीक-आधारित समाधान है, जिसे 'तकनीकी समाधानवाद' कहा जा रहा है। तकनीकी समाधानवाद का अर्थ है यह मान लेना कि सामाजिक, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक समस्याओं को केवल तकनीकी नियमों, प्रतिबंधों या उपकरणों के माध्यम से हल किया जा सकता है। बच्चों के संदर्भ में यह दृष्टिकोण विशेष रूप से सीमित प्रतीत होता है, क्योंकि बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य, आत्मसम्मान, सामाजिक तुलना, ऑनलाइन उत्पीड़न, अकेलापन और व्यवहारिक परिवर्तन केवल मंच तक पहुँच रोक देने से समाप्त नहीं होते। ये समस्याएँ परिवार, विद्यालय, सहपाठी समूह, सामाजिक वातावरण और व्यापक सांस्कृतिक प्रवृत्तियों से गहराई से जुड़ी होती हैं। ऑस्ट्रेलिया का प्रस्ताव इन जटिल कारणों की बजाय सीधे निषेध पर केंद्रित दिखाई देता है। ऑस्ट्रेलिया के प्रस्तावित कानून के अनुसार, सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सामाजिक माध्यमों का उपयोग प्रतिबंधित किया जाएगा और आयु-सत्यापन की अनिवार्य व्यवस्था लागू की जाएगी। पहली दृष्टि में यह कदम बच्चों की सुरक्षा के लिए कठोर और निर्णायक लगता है, किंतु व्यवहारिक स्तर पर इसके कई प्रश्नचिह्न हैं। आयु-सत्यापन के लिए व्यापक व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करनी पड़ सकती है, जिससे बच्चों और उनके अभिभावकों की निजता पर खतरा उत्पन्न होता है। इसके अतिरिक्त, तकनीकी उपायों को आभासी निजी नेटवर्क, फर्जी पहचान या नए, कम नियंत्रित मंचों के माध्यम से आसानी से दरकिनार किया जा सकता है। इससे न केवल कानून की प्रभावशीलता कम होती है, बल्कि बच्चे अधिक जोखिमपूर्ण डिजिटल स्थानों की ओर भी

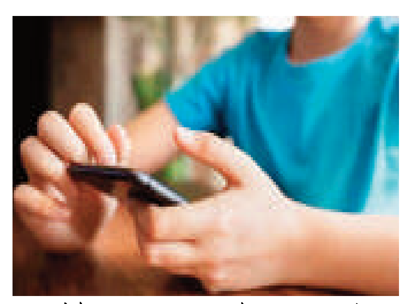

जा सकते हैं। पूर्ण प्रतिबंध का एक और गंभीर पक्ष यह है कि यह बच्चों को सामाजिक माध्यमों से मिलने वाले सकारात्मक अवसरों से भी वंचित कर सकता है। आज अनेक बच्चे इन्हीं मंचों के माध्यम से शैक्षिक सामग्री प्राप्त करते हैं, रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेते हैं, सामाजिक मुद्दों पर जागरूक होते हैं और मानसिक स्वास्थ्य सहायता समूहों से जुड़ते हैं। विशेष रूप से ग्रामीण, पिछड़े या सामाजिक रूप से हाशिये पर खड़े बच्चों के लिए डिजिटल मंच कई बार अभिव्यक्ति और सहयोग का एकमात्र साधन होते हैं। ऐसे में पूर्ण प्रतिबंध सामाजिक असमानताओं को और गहरा कर सकता है। यह दृष्टिकोण यह भी संकेत देता है कि समस्या का मूल बच्चों या तकनीक में है, जबकि वास्तव में समस्या उस सामाजिक ढाँचे में है जिसमें बच्चों का डिजिटल समाजीकरण हो रहा है। भारत ने इसी संदर्भ में एक भिन्न और अपेक्षाकृत संतुलित मार्ग अपनाया है। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्यक्ष निषेध के बजाय अधिकार-आधारित और डेटा-केंद्रित दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। यह अधिनियम यह स्वीकार करता है कि बच्चों को डिजिटल संसार से अलग-थलग करना न तो संभव है और न ही वांछनीय। इसके स्थान पर, यह आवश्यक है कि डिजिटल मंचों को उत्तरदायी बनाया जाए और बच्चों के अधिकारों की रक्षा की जाए। इस कानून के अंतर्गत बच्चों के व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण के लिए सत्यापित अभिभावकीय सहमति को अनिवार्य किया गया है, जिससे परिवार की भूमिका सुदृढ़ होती है। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह बच्चों के व्यवहारिक निगरानी, व्यक्तित्व-आधारित वर्गीकरण और लक्षित विज्ञापनों पर स्पष्ट प्रतिबंध लगाता है। इससे बच्चों को उपभोक्ता के रूप में शोषण से बचाने का प्रयास किया गया है। साथ ही, यह अधिनियम बच्चों को डेटा तक पहुँच, उसमें सुधार, उसे हटाने और शिकायत दर्ज कराने जैसे अधिकार प्रदान करता है। यह दृष्टिकोण बच्चों को केवल संरक्षण की वस्तु न मानकर उन्हें अधिकार-संपन्न नागरिक के रूप में देखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अतिरिक्त, भारत में एक स्वतंत्र डेटा संरक्षण बोर्ड की व्यवस्था की गई है, जो नियमों के उल्लंघन पर दंड निर्धारित कर सकता है। इस प्रकार, मंचों और डेटा का प्रसंस्करण करने वाली संस्थाओं पर जवाबदेही सुनिश्चित की जाती है, बिना यह कहे कि बच्चों को डिजिटल मंचों से बाहर कर दिया जाए। यह मॉडल यह भी दर्शाता है कि कानून के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता, डिजिटल साक्षरता, विद्यालयों में ऑनलाइन सुरक्षा शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार अनिवार्य है। केवल कानून बनाकर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती, बल्कि एक समग्र सामाजिक प्रयास की आवश्यकता होती है। ऑस्ट्रेलिया और भारत के दृष्टिकोणों की तुलना करने पर स्पष्ट होता है कि जहाँ एक ओर नियंत्रण और निषेध पर आधारित नीति है, वहीं दूसरी ओर संतुलन, सहभागिता और सशक्तिकरण पर आधारित ढाँचा। ऑस्ट्रेलिया का प्रस्ताव त्वरित समाधान का आभास देता है, किंतु दीर्घकाल में यह व्यवहारिक, संवैधानिक और सामाजिक चुनौतियों से घिर सकता है। इसके विपरीत, भारत का मॉडल धीमा और जटिल अवश्य है, परंतु यह बच्चों की स्वायत्तता, निजता और विकास के साथ बेहतर सामंजस्य स्थापित करता है। अंततः, बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा का प्रश्न केवल यह नहीं है कि उन्हें किससे दूर रखा जाए, बल्कि यह भी है कि उन्हें किस प्रकार सशक्त बनाया जाए। डिजिटल युग में बाल-सुरक्षा का अर्थ बच्चों को तकनीक से अलग करना नहीं, बल्कि उन्हें तकनीक के साथ सुरक्षित, जागरूक और जिम्मेदार बनाना है। सरल तकनीकी समाधान जटिल मानवीय समस्याओं का स्थान नहीं ले सकते। इस संदर्भ में भारत का डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण ढाँचा यह संकेत देता है कि संतुलित नियमन, अभिभावकीय सहभागिता, मंचों की जवाबदेही और सामाजिक समर्थन के माध्यम से ही बच्चों के लिए एक सुरक्षित और समावेशी डिजिटल भविष्य का निर्माण संभव है।

आप का नज़रिया

ये पंजाबी संगीत उत्सव

शिमला के विंटर कार्निवल के पीछे कांगड़ा कार्निवाल खड़ा है या हरोली उत्सव की तर्ज पर इंदौरा उत्सव पड़ा है। हिमाचल में अब ये उत्सव, बे-उत्सव होने लगे हैं। जिला स्तरीय उत्सवों को ठीक से ये याद नहीं होता कि वे कब राज्य स्तरीय हो गए, लेकिन उत्सवों के खेल में विरासत गुम हो गई है। कभी कुल्लू दशहरा महोत्सव का सीधा मुकाबला मैसूर दशहरा से होने लगा था। वहां अंतरराष्ट्रीय गीत-संगीत की टोलियां सारे वातावरण को मदहोश करती थीं, तो देश हमारी संस्कृति, परंपराओं और पर्यटन की लियाकत बढ़ा देता था। क्या ड्रूषमजर विसर्जन या मंडी शिवरात्रि के जलेब को देखना या अनुभव करना एक सौगात नहीं, लेकिन अब पगडियों की बारात में महज राजनीतिक शो होता है, वहां न समाज और न ही समाज की प्रतिष्ठित हस्तियां दिखाई देतीं। मिंजर में 'कुंजड़ी मल्हार' या देव परंपरा में बजंतरियों के ताल पर अगर हिमाचल की संस्कृति-हिमाचल की आभा नाचती, तो मेलों में हडक़ंपी संगीत न पनपता। आश्चर्य यह कि प्रशासन की मिलकीयत में हिमाचल के सांस्कृतिक समारोहों ने आर्केस्ट्रा व गीत-संगीत का आयात करना शुरू कर दिया है। इन उत्सवों का बजट कई गुना बढ़ गया है, लेकिन खर्च की रसीदों में हिमाचल का लोक संगीत व स्थानीय कलाकार का कद बेहद छोटा होने लगा है। अभी कार्निवाल उतर रहे हैं और भाजपा ने विरोध की तंग गलियों में अपना बसेरा बना कर आय-व्यय में सियासत शुरू कर दी, लेकिन यह नहीं पूछा कि इन उत्सवों में हिमाचल है कहां। क्यों वे चेहरे खोजे जाते हैं, जिनके सरोकार और न ही माटी की दरकार हमसे मेल खाती है। चिंतपूर्णी में मां की गरिमा के लिए जो उत्सव अंब को निढाल कर गया, वहां का अमृतपान एक पंजाबी सिंगर अमृत मान को मिला। हमारा यश, हमारी कीर्ति और सारी कसौटी पर हर बार और कितनी बार ये पंजाबी कलाकार सारी पूंजी बटोरते रहेंगे। यह हिमाचली समुदाय की कसौटी है या प्रशासनिक अधिकारियों की बपौती कि सारा तामझाम और उत्सवों की कमाई बाहरी कलाकारों की लुगाई बन जाए। अब इंदौरा उत्सव की मूंछें पहन कर लखविंदर वड़ाली का ही उत्सव बन जाए, तो विधायक महोदय को इस नेक कार्य के लिए प्रणाम। इसी क्षेत्र से हिमाचल के कई नामी गायक मसलन सुनील मस्ती, अनुज शर्मा, कुमार साहिल, काकू राम ठाकुर इत्यादि भी तो हो सकते थे। हो सकता है अगले साल विधायक पंजाबी गायकों का एक और बड़ा नाम खरीद लें, लेकिन ऐसे महोत्सवों की खरीद-फरोख्त में उनके अपने क्षेत्र के कई गायक-कलाकार हारेंगे जरूर। इसी क्षेत्र के कटनोरिया मिंटू के कई गाने हाल ही में यू ट्यूब पर छाए हैं, तो क्या इंदौरा उत्सव के लिए जुटाई गई राशि से माननीय विधायक मलेंद्र राजन के पास उनके लिए चवन्नी भी नहीं थी। इधर धर्मशाला कार्निवाल की सौगात में कांगड़ा के ही गायक उपेक्षित हैं, तो करनैल राणा, संजीव दीक्षित, धीरज शर्मा, ईशांत भारद्वाज व सुनील राणा जैसे लोक संस्कृति को समर्पित कलाकारों को कब स्वतंत्र नाइट व सम्मानजनक पारिश्रमिक मिलेगा। आश्चर्य यह है कि पर्यटन एवं संस्कृति के नाम पर सजने वाली महफिलों को हुल्लड़बाजी या पंजाबी गानों के शोर को हिमाचली कानों में भरने का इंतजाम किया जाता है। कांगड़ा कार्निवाल का सबसे बड़ा तोहफा या पारिश्रमिक का लोहा मनवाने इस बार आएंगे बब्बूमान तथा कंवर ग्रेवाल और तब हमारी बोलियों का एहसास परवान चढ़ जाएगा। शिमला कार्निवाल में सतिंदर सरताज और शाबान शाबरी की आवाज जादू दिखाएगी तो इसके सामने अजय चौहान की 'नाटी सिरमौर वालिए' की क्या औकात रह जाएगी। वो हंस राज रघुवंशी जो अपने गायन की प्रतिभा से अयोध्या के फलक पर 'राम' का गुणगान और सद्गुरु जग्गी वासुदेव के शिवरात्रि समारोह की शान बन जाते हैं, उनके लिए क्या एक संगीतमयी शाम भी हिमाचल उपलब्ध नहीं करा सकता। क्या गीता, ममता भारद्वाज, कुलदीप शर्मा, ठाकुर दास राठी, विक्की चौहान, इंदरजीत, मोहित चौहान, अजय चौहान व अरुण जस्टा सरीखे हिमाचली कलाकारों के नाम से हिमाचली उत्सव नहीं चल सकते। विडंबना यह कि प्रदेश के लोक रंगमंच, करयाला, बांठडा, भगत, हरण यात्तर, बुदेछु, बरलाज को तो सांस्कृतिक समारोहों ने अछूत ही बना दिया है। यह भी तब जब सरेआम सांस्कृतिक समारोहों, कार्निवालों तथा तमाम हिमाचली उत्सवों व मेलों की अस्सी फीसदी कमाई बाहरी कलाकारों पर व्यय हो रही है। भाजपा नेताओं का विरोध केवल सियासी है, असली बात तो यह कि उन्हें हिमाचली कलाकारों के पक्ष में आवाज उठाते हुए यह मांग करनी होगी कि ऐसे समारोहों की कम से कम पचास फीसदी आय से हिमाचली कला व कलाकारों को प्रोत्साहन मिले।

मिंजर में 'कुंजड़ी मल्हार' या देव परंपरा में बजंतरियों के ताल पर अगर हिमाचल की संस्कृति-हिमाचल की आभा नाचती, तो मेलों में हडक़ंपी संगीत न पनपता। आश्चर्य यह कि प्रशासन की मिलकीयत में हिमाचल के सांस्कृतिक समारोहों ने आर्केस्ट्रा व गीत-संगीत का आयात करना शुरू कर दिया है। इन उत्सवों का बजट कई गुना बढ़ गया है, लेकिन खर्च की रसीदों में हिमाचल का लोक संगीत व स्थानीय कलाकार का कद बेहद छोटा होने लगा है। अभी कार्निवाल उतर रहे हैं और भाजपा ने विरोध की तंग गलियों में अपना बसेरा बना कर आय-व्यय में सियासत शुरू कर दी, लेकिन यह नहीं पूछा कि इन उत्सवों में हिमाचल है कहां। क्यों वे चेहरे खोजे जाते हैं, जिनके सरोकार और न ही माटी की दरकार हमसे मेल खाती है। चिंतपूर्णी में मां की गरिमा के लिए जो उत्सव अंब को निढाल कर गया, वहां का अमृतपान एक पंजाबी सिंगर अमृत मान को मिला। हमारा यश, हमारी कीर्ति और सारी कसौटी पर हर बार और कितनी बार ये पंजाबी कलाकार सारी पूंजी बटोरते रहेंगे।

दृष्टि कोण

'जी-राम-जी' बनाम मनरेगा की तार्किकता का प्रश्न

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संसद की बजाय इथियोपियाई संसद को चुना, विपक्ष के नेता राहुल गांधी म्यूनिख में एक फैंसी बाइक चलाते हुए देखे गए, जबकि उन्हें लोकसभा में बने रहकर राष्ट्र को दरपेश अनेकानेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर बहस करनी चाहिए थी, वहीं विदेश मंत्री एस. जयशंकर राज्यसभा की बजाय इस्राइल में थे। गत सप्ताह, शीतकालीन सत्र में सदन से तीन प्रमुख नेताओं के नदारद रहने पर, आप हैरान होंगे: क्या यह संसद की प्रासंगिकता का प्रश्न नहीं है? यह एक अल्पकालीन सत्र था, हालिया इतिहास के सबसे छोटे सत्रों में से एक। लेकिन इसमें लाए गए महत्वपूर्ण कानूनों की कोई कमी नहीं थी, इनमें सबसे अहम है, प्रति परिवार, प्रति वर्ष 125 दिनों के काम के लिए मजदूरी से संबंधित 'जी-राम-जी कानून', जिसको सत्र समाप्त होने से एक दिन पहले पारित किया गया। चूंकि सत्तापक्ष के पास हमेशा से संख्या बल रहा है, इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं था कि 'जी-राम-जी' मनरेगा की जगह ले लेगा, भले ही कांग्रेस ने संसद के बाहर लगी गांधी की प्रतिमा के सामने कितने भी विरोध प्रदर्शन किए हों। विपक्ष ने भी यह पूछा कि कानून का नाम क्यों बदला जा रहा है। क्यों महात्मा गांधी के संक्षिप्त नाम के पहले दो अक्षर एमजी को राम से बदला जा रहा है, जबकि सरकार वर्णमाला के किसी भी अन्य शब्द को चुन सकती थी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जिन्होंने कानून को पेश करने के काम की अगुवाई, अन्यथा बढ़िया ढंग से की, उनके पास कोई उचित जवाब नहीं था। संसद में गांधी के आदर्श 'राम राज्य', स्वयं भगवान राम के प्रति उनकी निष्ठा के बारे में भाषणों की गूंज सुनाई दी- लेकिन इस बात का कोई असल कारण नहीं बताया गया कि मनरेगा में बदलाव क्यों किया गया, न तो बातों में और न ही कार्यरूप में। दिलचस्प बात यह है कि 'जी-राम-जी' का एक पिछला स्वरूप भी था, जिसका जीवनकाल 24 घंटे का था। इसे 'पूज्य बापू ग्रामीण रोज़गार योजना' का नाम दिया गया था, जो कि अंग्रेजी में लिखे मूल नामकरण, 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम' का नज़दीकी हिंदी अनुवाद था। साफ है,

भाजपा ने महात्मा गांधी, या पूज्य बापू को प्रतीकात्मक रूप से राम के नाम से बदलने का फैसला किया। क्यों? वह हम नहीं जानते। कुछ लोग कहेंगे, आखिर नाम में क्या रखा है? कुछ लोगों का जवाब होगा, सब कुछ है। कि बापू की मृत्यु के लगभग 78 साल बाद, उनका नाम मिटाने की कोशिश है, जिसकी अहमियत को शायद, हम समझ भी न पाएं। गांधी मां-बेटी की जोड़ी ने नारे लगाए और सदन के बाहर मार्च किया, लेकिन कुछ हद तक यह सब आधा-अधूरा था। इस बीच, 'गांधी परिवार' के उत्तराधिकारी म्यूनिख में बीएमडब्ल्यू की साझेदारी में बन रही टीवीएस-450 सीसी मोटरसाइकल चलाते दिखे। हालांकि, पार्टी के कहे मुताबिक, वे वहां इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस के नेताओं से 'पार्टी की विचारधारा को विस्तार देने की रणनीतियों' पर चर्चा करने के वास्ते गए हैं। सवाल यह बना हुआ है कि किस देश में। कुछ ही महीने पहले, राहुल ने बिहार चुनाव में कांटे की लड़ाई लड़ने की बजाय, 'पार्टी का विस्तार' करने के लिए दक्षिण अमेरिका जाने का फैसला किया था। निश्चित तौर पर, अगर यह सब थोड़ा और समय तक चलता रहा, तो जल्द ही कांग्रेस पार्टी को पुनः एकजुट रखना न केवल असंभव होगा, बल्कि घातक भी होगा। हम जानते हैं कि प्रधानमंत्री संसद की गहमागहमी में इसलिए मौजूद नहीं थे क्योंकि ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौता हस्ताक्षरों के लिए तैयार था—यूके के बाद दूसरी संधि— लेकिन यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि इथियोपिया और जॉर्डन के दौरे इंतजार क्यों नहीं कर सकते थे। जॉर्डन नरेश हुसैन दो साल पहले ही भारत की यात्रा पर आए थे; वापसी दौरा किसी और वक्त भी रखा जा सकता था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज प्रातः हनुमान अष्टक का पाठ करके ही दिन की शुरुआत करें। कारोबार में वृद्धि होगी। आपके सम्मान में बढोत्तरी होगी। नए काम से लाभ होगा। शत्रु पक्ष से सावधान रहें। नए व्यक्ति से मुलाकात होगी। निवेश संबंधी प्रस्ताव मिलेंगे। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न लें। पारिवारिक जीवन खुशनुमा रहेगा। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। जोखिम वाले करने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। गाय को गुड खिलाए पैसो की तंगी जरूर दूर होगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सुबह ओंकार का मानसिक ध्यान और ध्वनि करें दिनभर सकारात्मकता रहेगी। मित्रों के साथ घूमने के लिए जाएंगे। पूजा पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय में प्रगति होगी।परिवार का सहयोग मिलेगा। उधार की रकम वापस मिले-गी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिलेगी। आपके ज्यादातर कार्य काम पूरे होंगे। आप बेहद खुश रहेंगे। आर्थिक लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। आज किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जो आप का मार्गदर्शक बनेगा ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

रोज सुबह शिवपूजन करके घर मे शंख की ध्वनि करें उर्जावान रहोगे आपको यात्रा पर जाना पड़ा सकता है। जोखिम ले सकते हैं। निवेश के अवसर आएंगे। आमदनी होगी। पारिवारिक कार्य सफल रहेंगे। बुजुर्गों का मा-र्गदर्शन मिलेगा। पारिवारिक कार्यक्रम हो सकते हैं। किसी रिश्तेदार से काफी समय बाद मुलाकात होने की संभावना है। बेरोजगारी दूर होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह हनुमानजी को चमेली का तेल अर्पित करें क्योंकि दिन सामान्य रहेगा। खर्च ज्यादा होने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। गैरजरूरी कार्यों में समय नष्ट करेंगे। किसी को उधार न दें। नुकसान की आशंका है। विवाद की स्थिति से दूर रहें। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। ऑफिस में किसी से बहस हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।गुस्सा करने से बचें। लाल चीटियों को आटा डाले मुसीबत दूर होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

भविष्य के लिए नये निवेश के बारे मे प्लानिंग करेंगे जिससे आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। तनाव हो सकता है। शांत रहने का प्रयास करें। पुराने रूके हुए कार्य पूरे होंगे। उधार की रकम वापस मिल सकती है। सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। दफ्तर के सहयोगी से मतभेद दूर होंगे। लाभ के अवसर सामने आएंगे। व्यवसाय में प्रगति होगी। आज परिवार के खुली हवा मे घूमने जाएंगे थकान एकदम दूर होगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज किसी भी धार्मिक ग्रंथ का श्रवन करें पाठ करें आपका दिन बेहतर रहेगा। आपको सत्संग का लाभ मिलेगा। पुराने काम पूरे हो सकते हैं। आध्यात्मिकता में रुचि बढ़ेगी। विशेषज्ञ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। अचानक किसी के साथ तनाव हो सकता है। क्रोध पर काबू रखें। आर्थिक स्थिति सुधरने की उम्मीद है। व्यवसाय में लाभ की संभावना है। विरोधियों से सावधान रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें डिनर मे हल्का भोजन करना ही उचित होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज स्त्रीवर्ग को कुछ उपहार भेंट करे कार्य सिद्धि होगी खुशखबरी मिलेगी। प्रसन्न रहेंगे। बड़ी जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। परिवार के लोगों से मुलाकात होगी। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। नए काम के लिए प्रयास कर सकते हैं। कैरियर से जुड़ी जानकारी मिलेगी। रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। धन लाभ होने की संभावना है। अनजान लोगों से मेलमिलाप न करें। आज यात्रा का नही हैं शाम के वक्त शिवालय मे दर्शन करे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सुबह अन्नदान करके ही दिन शुरू करें आज दिनलड़न में बीतेगा। तनावग्रस्त हो सकते हैं। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिल सकती है। संतान पक्ष की सफलता से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। शारीरिक दिक्कत होने की आशंका है। हड़बड़ी में जरूरी फैसला न लें। शत्रुओं से हानि होगी। यात्रा कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। अपने खर्चा पर नियंत्रण रखें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज बहुत बढीया दिन हैं रिस्क मे भी सफलता सुनिश्चित हैं अपने मित्रों के साथ समय बिता सकते हैं। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त होगी। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। घरेलू जिम्मेदारी पूरी करेंगे। नया मकान खरीदने का प्लान बना सकते हैं। किसी कार्य में ज्यादा खर्च होगा। सावधानी से बातचीत करें। आप भाग्य प्रबल है क्योंकि आप का लाईफ पाटनर आप को प्रत्येक परिस्थितियों मे साथ देगा आप का मनोबल बढाएगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप के सीनियर्स आप के काम से सन्तुष्ट होंगे अच्छी खबर मिलेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। ऑफिस में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। तरक्की की सूचना मिलेगी। अनजान लोगों की मदद करने से पहले सोच विचार कर लें। किसी की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। कारोबार अच्छा चलेगा। विवाद से बचें। ईश्वर की आराधना में मन लगेगा। आज बेरोजगारी दूर होगी नौकरी मे सफलता मिलेगी ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को अपनी गुप्त बातो को सभी के सामने नही रखनी चाहिए अति विश्वास मित्र अथवा सहयोगी के साथ मंत्रणा करनी चाहिए आप काफी सकारात्मक रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। धन संबंधी स्थिति सुधरेगी। आपको खुशखबरी मिल सकती है। आपके स्वभाव से दूसरे प्रभावित रहेंगे। आपकी सराहना होगी। कुटिल लोगों से सतर्क रहें। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे।युवाओं को आज सफलता मिलेगी। आप अविवाहित हैं तो हनुमानजी का पूजन करें सम्बन्ध सुनीश्चित होगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी विरोधियों से सतर्क रहना होगा अपनी निवेश की योजनाएं गुप्त रखनी पडेगी। कोई आपको नुकसान पहुंचा सकता है। किसी के बहकावे में न आएं। आर्थिक नुकसान की आशंका है। आज आपकी वजह से कई लोगों को लाभ होगा। किसी रिश्तेदार के यहां से दुखद समाचार मिल सकता है। तनाव की स्थिति निर्मित हो सकती है। अपनी वाणी पर बहुत ज्यादा नियंत्रण रखने की जरूरत हैं आप का क्रोध आप की भविष्योन्मुखी योजनाओं पर विराम लगा देगा आप के लोगों से मधुर सम्बन्ध भी धूमिल होंगे ।

आज का पंचांग

दिनांक : 23 दिसंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष, शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया दोपहर 12:15 तक
नक्षत्र : श्रवण अहोरात्र
योग : व्याघात सायं 04:30 तक
करण : गर दोपहर 12:15 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:42 , सूर्यास्त 05:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 05:59 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:31 , सूर्यास्त 05:51 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:32 , सूर्यास्त 05:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अंगारक विनायक चतुर्थी, भद्रा रात्रि 12:46 से

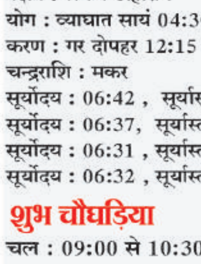

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पर्वतमाला में किसी भी तरह की छेड़खानी नहीं होने दी जाएगी : भजनलाल शर्मा

झालावाड़, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे देश की आधी आबादी महिलाओं के सशक्तीकरण से ही देश का विकास संभव है। महिला हमारे परिवार का आधार है और राष्ट्र निर्माण की सच्ची शिल्पकार है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में महिला शक्ति अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और हमारी सरकार भी महिला उत्थान के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। श्री शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के लिए संकल्पित है। इस पर्वतमाला में किसी भी तरह की छेड़खानी नहीं होने दी जाएगी। शर्मा सोमवार को राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में झालावाड़ के दुधालिया में आयोजित महिला सशक्तीकरण सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरा रानी पद्मिनी, रानी कर्णावती, हाड़ी रानी जैसी वीरांगनाओं की धरा है। इनके शौर्य एवं पराक्रम से राजस्थान वीरभूमि बना। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के गौरवशाली 2 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हम प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में जाकर गरीब, युवा, महिला और किसान सहित हर वर्ग से संवाद कर रहे हैं। आज का यह कार्यक्रम एक सम्मेलन नहीं, बल्कि नारी शक्ति के सम्मान का उत्सव है।

शर्मा ने बारां-झालावाड़ के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के लिए 100 हैंडपंप, 50 ट्यूबवेल और 25 किलोमीटर पाइपलाइन से संबंधित कार्यों की घोषणा की। उन्होंने डग चौमहला क्षेत्र में छोटी कालीसिंध नदी पर बांध बनाने के लिये डीपीआर शीघ्र तैयार करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि डग में स्थित पशु अनुसंधान केन्द्र में स्वदेशी गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जाएगी। इस केंद्र में मालवी और गिर गौवंश सहित अन्य स्थानीय नस्लों के संरक्षण, उन्नयन एवं सुधार के कार्य होने के साथ ही आधुनिक डेयरी, प्रजनन, कृत्रिम गर्भाधान आदि अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस परियोजना पर लगभग 15 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। वे केवल घर ही नहीं संभालती, बल्कि देश-प्रदेश को सशक्त करने में भी अपना अमूल्य योगदान दे रही हैं। विशेष तौर पर ग्रामीण महिलाएं अपने सीमित संसाधनों में भी परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ी को संवारने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि खुरपी और दरांती से काम करने वाली महिलाओं के हाथ में आज टैबलेट और लैपटॉप आ गया है। साथ ही, स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही है तथा सामाजिक बदलाव की अग्रदूत भी बन रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार ने पूरे प्रदेश में महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक कदम उठाए हैं। प्रदेश में 19 लाख 45 हजार महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 12 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गईं। 10 लाख 51 हजार साइकिलें और 39 हजार 586 स्कूटियां छात्राओं को देकर बालिका शिक्षा को गति दी। साथ ही, राज्य सरकार 1 करोड़ 22 लाख महिलाओं एवं बालिकाओं को हर माह निःशुल्क सैनेटरी नैपकिन उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत देय राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया है। इसमें लगभग 10 लाख गर्भवती महिलाओं को लाभ मिला है। इसी प्रकार मा वाउचर योजना में 2 लाख 26 हजार महिलाओं को लाभ मिला है। राज्य में 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट का गठन कर उनका प्रभावी संचालन किया जा रहा है। साथ ही, हमने प्रदेश में कानून व्यवस्था चाक-चौबंद की है, जिससे अपराध में उल्लेखनीय कमी आई है। शर्मा ने कहा कि हमने पिछले दो साल में झालावाड़ के विकास को गति प्रदान करने के लिए लगभग 1 हजार 900 करोड़ रुपये की लागत के 52 हजार से अधिक कार्य करवाए हैं। जिले में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लगभग ढाई हजार करोड़ रुपये की राशि डीबीटी की गई है। उन्होंने कहा कि परवन वृहद् बहुद्देशीय सिंचाई परियोजना के बांध एवं टनल निर्माण, मनोहरथाना वृहद सिंचाई परियोजना के लिए 1 हजार 900 करोड़ रुपये के कार्यों की स्वीकृति सहित अनेक विकास कार्य जिले में करवाए गए हैं। इसी तरह डग विधानसभा में भी सड़क, विद्युत, बुनियादी ढांचा, चिकित्सा, शिक्षा सहित प्रत्येक क्षेत्र में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना के तहत प्रदेशभर की 78 लाख महिला लाभार्थियों के खातों में 187 करोड़ 59 लाख और लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत 18 हजार लाभार्थियों के खातों में 2500-2500 रूपए की प्रथम किश्त की राशि हस्तांतरित की। श्री शर्मा ने राजीविका के दो स्वयं सहायता समूहों को 18 करोड़ 13 लाख ऋण के चैक वितरित किए। श्री शर्मा ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के 259.60 करोड़ रुपये के 43 कार्यों का शिलान्यास एवं 115.74 करोड़ रुपये के 6 कार्यों का लोकार्पण किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दुधालिया गांव में महिलाओं द्वारा संचालित गौशाला, बायोगैस प्लांट एवं मियावाकी उद्यान का लोकार्पण किया। उन्होंने गोवर्धन गैस प्लांट का अवलोकन किया और सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी स्थल पर पांच दिव्यांग जनों को स्कूटी एवं दस स्कूली बालिकाओं को साइकिल वितरित की।

बजरी माफिया से सांठगांठ पर 5 थानाधिकारी सस्पेंड, 6 लाइन हाजिर

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस मुख्यालय की सतर्कता शाखा ने राज्य में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए एक बड़ा अभियान छेड़ा है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस सतर्कता एस सेंगाथिर के निर्देशन में प्रदेश भर में चलाए गए डिकॉय ऑपरेशन के बाद कर्तव्य निर्वहन में गंभीर लापरवाही और अवैध बजरी खनन में संलिप्तता पाए जाने पर गाज गिरी है। इस कार्रवाई में 5 पुलिस निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, जबकि 6 अन्य को लाइन हाजिर किया गया है।

एडीजी सेंगाथिर ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर गठित 11 विशेष टीमों ने 18 और 19 दिसंबर को राज्य के विभिन्न जिलों में गुप्त तरीके से डिकॉय ऑपरेशन को अंजाम दिया। इन टीमों ने आम नागरिक बनकर पुलिस थानों की कार्यप्रणाली, नाकाबंदी और गश्त व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान सामने आया कि कई थानों में न केवल बजरी के अवैध परिवहन को नजरअंदाज किया जा रहा था, बल्कि ड्यूटी के प्रति भी भारी लापरवाही बरती जा रही थी। जांच में दोषी पाए जाने पर 21 दिसंबर को पुलिस मुख्यालय ने सख्त कदम उठाते हुए जयपुर दक्षिण जिले के शिवदासपुरा, टोंक के पीपलू व बरौनी, अजमेर के पीसांगन और धौलपुर के कोतवाली थानाधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इसके साथ ही भीलवाड़ा के थाना गुलाबपुरा, कोटा शहर के कुन्हाड़ी व नान्ता, दौसा के लालसोट, चित्तौड़गढ़ के गंगरार और जोधपुर पश्चिम के लूणी थानाधिकारियों को लाइन हाजिर किया गया है। इन सभी के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

पुलिस मुख्यालय ने कड़ा संदेश देते हुए स्पष्ट किया है कि प्रदेश में बजरी के अवैध खनन, परिवहन और भंडारण में किसी भी पुलिसकर्मी की मिलीभगत या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया है कि वे दोषी कार्मिकों के विरुद्ध त्वरित अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें। ऑपरेशन में दोषी मिले 11 थानों के 15 पुलिसकर्मियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए पीएचक्यू से आईजी जयपुर, कोटा, भरतपुर और अजमेर को निर्देश जारी किए गए हैं।

वासुदेव देवनानी ने नितिन नबीन को कर्म प्रधान गीता भेंट कर किया अभिवादन

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर देवनानी ने नबीन से राजस्थान के संगठनात्मक विषयों, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य तथा विधानसभा से जुड़े विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने नितिन नबीन को नई जिम्मेदारी ग्रहण करने पर बधाई दी। देवनानी ने नबीन को कर्म प्रधान श्रीमद् भागवत गीता की प्रति भेंट कर उन्हें पार्टी संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा राष्ट्र निर्माण के कार्यों को नई गति दिए जाने के लिए शुभकामनाएं भी दी।देवनानी ने नबीन का पुष्प गुच्छ भेंट कर शाल ओढ़ाकर अभिवादन किया।मुलाकात के दौरान देवनानी ने राजस्थान विधानसभा में उनके कार्यकाल के दौरान किए गए विभिन्न नवाचारों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि विधानसभा की कार्यवाही को अधिक पारदर्शी, तकनीक-सक्षम और जनोन्मुखी बनाने के लिए अनेक सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं।

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन

हरियाणा पुलिस ने 34 फरार अपराधियों समेत 120 लोगों को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस का राज्यव्यापी अभियान 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' 21वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान पुलिस ने अपराध, नशीले पदार्थों की तस्करी और संगठित आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई की। 21 दिसंबर को राज्य के सभी जिलों में समन्वित और एक साथ अभियान चलाए गए, जिसमें 873 चिह्नित संवेदनशील हॉटस्पॉट पर गहन तलाशी और छापेमारी की गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध शराब व्यापार, साइबर अपराध में शामिल नेटवर्क को ध्वस्त करना और फरार हिंसक अपराधियों का पता लगाना था। दिनभर चले अभियान के दौरान पुलिस ने चार एफआईआर सहित 49 नए आपराधिक मामले दर्ज किए और 120 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें 34 फरार और हिंसक अपराधी शामिल थे। जब्त किए गए नशीले पदार्थों में 1.6 किलोग्राम से अधिक गांजा, 32 ग्राम हेरोइन, 300 ग्राम चरस और 11 किलोग्राम अफीम की भूसी शामिल थी। अवैध शराब पर कार्रवाई में पुलिस ने 24 बोतल इंडियन मेड फॉरेन लिकर, 258 बोतल देसी शराब, और 10 लीटर अवैध शराब बरामद की और 540 लीटर लहन नष्ट किया। अवैध हथियारों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चार देसी पिस्तौल, तीन पिस्तौल, तीन जिंदा कारतूस, और तीन खाली कारतूस जब्त किए गए। इसके अतिरिक्त, अपराध से प्राप्त होने के संदेह में 716,770 रुपए नकद बरामद किए गए।

इसी क्रम में पानीपत और सिरसा में क्रमशः 78 और 70 स्थानों पर छापे मारे गए, जिनमें पानीपत पुलिस ने फरार चार हिंसक अपराधियों को गिरफ्तार किया। गुरुग्राम पुलिस ने 65 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया, जिसमें तीन फरार अपराधियों सहित 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और 1.5 किलोग्राम से अधिक गांजा बरामद किया गया। फरीदाबाद में 52 स्थानों पर छापे मारकर सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

दादरी में 18 स्थानों पर छापे मारकर 1.05 लाख रुपए नकद बरामद किए गए, जबकि भिवानी पुलिस ने 42 स्थानों पर कार्रवाई करते हुए नौ फरार हिंसक अपराधियों सहित 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया और एक कार, एक स्कूटी, एक मोटरसाइकिल और 5,000 रुपए नकद जब्त किए। सोनीपत एसटीएफ यूनिट और सीआईए-आई पानीपत की संयुक्त टीम ने इसराना क्षेत्र के नौलथा गांव के पास मुठभेड़ में चार कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया। एक आरोपी, प्रमीत, घायल हो गया और उसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपियों से दो विदेशी पिस्तौल, एक देसी पिस्तौल और भारी मात्रा में जिंदा कारतूस बरामद किए।

भाजपा सरकार में परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर लगातार लग रहे हैं प्रश्नचिह्न : सैलजा

चंडीगढ़, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार के कार्यकाल में परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर लगातार प्रश्नचिह्न लगते जा रहे हैं सीए-सआईआर -यूजीसी नेट जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परीक्षा का प्रश्न पत्र परीक्षा से पहले सामने आ जाना केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की गंभीर विफलता को दर्शाता है। यह उन लाखों मेहनती युवाओं के साथ अन्याय है, जो ईमानदारी से पढ़ाई कर अपने भविष्य को संवारने का सपना देखते हैं। जब तक दोषियों को सख्त सजा नहीं मिलेगी और पारदर्शी व्यवस्था लागू नहीं होगी, तब तक युवाओं का भरोसा बहाल नहीं हो सकता। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि परीक्षा से पूर्व प्रश्नपत्र लीक होने, अभ्यर्थियों से लाखों रुपये वसूले जाने और संगठित गिरोह के सक्रिय होने की खबरें सामने आईं, लेकिन इसके बावजूद सरकार की निगरानी व्यवस्था पूरी तरह नाकाम रही। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि बार-बार ऐसी घटनाएं होने के बाद भी न तो दोषियों पर समय रहते सख्त कार्रवाई हुई और न ही परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित बनाने के ठोस कदम उठाए गए। सांसद सैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मत है कि सरकार को इस पूरे प्रकरण पर जवाबदेही तय करनी होगी। यह स्पष्ट किया जाए कि प्रश्न पत्र कैसे लीक हुआ, इसके पीछे कौन-कौन लोग जिम्मेदार हैं और बार-बार होने वाली ऐसी घटनाओं को रोकने में सरकार क्यों असफल रही। जब तक दोषियों को सख्त सजा नहीं मिलेगी और पारदर्शी व्यवस्था लागू नहीं होगी, तब तक युवाओं का भरोसा बहाल नहीं हो सकता।

अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण को लेकर आवाज उठा रही है कांग्रेसः सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण को लेकर हमेशा आवाज़ उठाई है। पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी समय-समय पर इस विषय पर गहरी चिंता व्यक्त करती रही हैं। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि अरावली केवल एक पर्वत श्रृंखला नहीं, बल्कि राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली सहित पूरे क्षेत्र के लिए ग्रीन लंग्स का काम करती है। इसमें किसी भी तरह की छेड़छाड़ का सीधा असर इंसानों, वन्यजीवों और पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ता है। प्रकृति का संतुलन अत्यंत नाज़ुक होता है और एक बार इसके बिगड़ने पर इसकी भरपाई करना लगभग असंभव हो जाता है। यही कारण है कि आज सिविल सोसाइटी, पर्यावरणविद और आम नागरिक इस मुद्दे पर चिंतित हैं और अरावली को बचाने का जन आंदोलन लगातार मजबूत हो रहा है।

रोहित धनखड़ केस में एक्शन

मुख्यमंत्री ने डीजीपी को फोन पर दिए निर्देश शेष आरोपियों की भी जल्द गिरफ्तारी हो

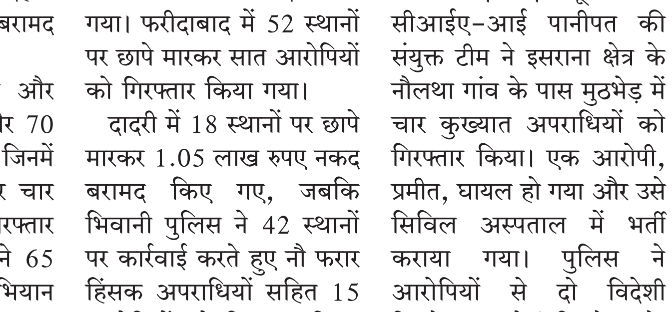

चंडीगढ़, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बॉडीबिल्डर एवं छह बार के राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता स्व. रोहित धनखड़ की नृशंस हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर आज सर्वखाप पंचायत, हरियाणा का एक 17 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से उनके निवास पर मिला। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को इस जघन्य हत्याकांड से जुड़ा विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए पूरे घटनाक्रम, अब तक की पुलिस कार्रवाई, लंबित गिरफ्तारियों, प्रशासनिक शिथिलता तथा पीड़ित परिवार की दयनीय स्थिति से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि 27 नवंबर 2025 की रात्रि भिवानी जिले में एक विवाह समारोह से लौटते समय केवल महिलाओं के सम्मान में अभद्रता का विरोध करने पर रोहित धनखड़ की 18-20 हमलावरों द्वारा सुनियोजित तरीके से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस मामले में ऋखठ संख्या 0609/2025, थाना सदर भिवानी में चार नामजद व 15-20 अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज है, किंतु घटना को लगभग एक महीना बीत जाने के बावजूद अधिकांश आरोपी आज भी खुलेआम घूम रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि हरियाणा के पुलिस महानिदेशक द्वारा 16 दिसंबर 2025 तक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी का समय दिए जाने के बावजूद केवल चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो पाई, जिससे समाज में गहरा रोष और असंतोष व्याप्त है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल की बातें गंभीरता से सुनीं और बैठक के दौरान हरियाणा के डीजीपी से फोन पर सीधे बातचीत की।मुख्यमंत्री ने डीजीपी को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस मामले में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हत्याकांड की जांच भिवानी पुलिस से हटाकर रोहतक पुलिस को ट्रांसफर करने की प्रक्रिया तुरंत अमल में लाई जाए तथा शेष सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि अपराधियों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई की जाए जिससे प्रदेश में एक स्पष्ट संदेश जाए कि कानून हाथ में लेने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को यह भी आश्वस्त किया कि पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा रोहित की बहन को उसकी योग्यता के अनुसार नौकरी देने के विषय पर सरकार गंभीरतापूर्वक विचार कर रही है और शीघ्र ही इस पर निर्णय लिया जाएगा।

वंदे मातरम केवल गीत नहीं, राष्ट्र की चेतना और साहस का मंत्र है : योगी

लखनऊ,22 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा में विशेष चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस चर्चा सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं है, बल्कि यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम की चेतना, क्रांतिकारियों के साहस और राष्ट्र के आत्मसम्मान का मंत्र है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संभवतः उत्तर प्रदेश पहली विधानसभा है, जहां इस ऐतिहासिक विषय पर विस्तार से चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री योगी के अनुसार, यह चर्चा किसी गीत की वर्षगांठ भर नहीं है, बल्कि भारत माता के प्रति राष्ट्रीय कर्तव्यों की पुनर्स्थापना का अवसर है। 'वंदे मातरम' का सम्मान केवल एक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि यह हमारे संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय दायित्वों का बोध कराता है। यह राष्ट्र की आत्मा, संघर्ष और संकल्प का प्रतीक है। यह केवल काव्य नहीं था, बल्कि मातृभूमि की आराधना, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति का माध्यम है।

सीएम योगी ने कहा कि जब 'वंदे मातरम' अपनी रजत जयंती मना रहा था, तब देश ब्रिटिश हुकूमत के अधीन था। 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर की विफलता के बाद अंग्रेजी शासन दमन और अत्याचार की पराकाष्ठा पर था। काले कानूनों के माध्यम से जनता की आवाज को दबाया जा रहा था, यातनाएं दी जा रही थीं, लेकिन 'वंदे मातरम' ने देश की सुप्त चेतना को जीवित रखा। जब देश इसकी रजत और स्वर्ण जयंती मना रहा था, तब भी ब्रिटिश शासन कायम था। उस समय स्वतंत्रता की चेतना को आगे बढ़ाने का मंच कांग्रेस के अधिवेशन रहे, जहां वर्ष 1896 में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने पहली बार इसे स्वर दिया। यह पूरे देश के लिए एक मंत्र बन गया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब 'वंदे मातरम' की शताब्दी आई, तब वही कांग्रेस सत्ता में थी, जिसने कभी देश की आत्मा जगाने वाले इस गीत को अपने मंच पर स्थान दिया था, मगर उसने देश पर आपातकाल थोपकर संविधान का गला घोंटने का कार्य किया। यह इतिहास का एक ऐसा कालखंड था, जिसे भुलाया नहीं जा सकता। आज जब 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं, तब भारत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आत्मविश्वास के साथ 'विकसित भारत' की ओर बढ़ रहा है। राष्ट्रगीत के अमर रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का जो सपना था, उसे नया भारत साकार करने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। इसी कारण यह चर्चा सदन में अत्यंत सामयिक है।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर का उल्लेख करते हुए कहा कि बैरकपुर में मंगल पांडेय, गोरखपुर में शहीद बंधु सिंह, मेरठ में धन सिंह कोतवाल और झांसी में रानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में देशभर में स्वतंत्रता के लिए संघर्ष हुआ। स्वातंत्र्य समर की विफलता के बाद उपजी हताशा के दौर में 'वंदे मातरम' ने देश की सोई हुई आत्मा को जगाने का काम किया। उस समय डिप्टी कलेक्टर के रूप में ब्रिटिश शासन में कार्यरत बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने आम जनमानस की भावनाओं को 'वंदे मातरम' के माध्यम से स्वर दिया।उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' औपनिवेशिक मानसिकता के प्रतिकार का प्रतीक बना। भारत माता केवल भूभाग नहीं थी, बल्कि हर भारतीय की भावना थी। स्वाधीनता राजनीति नहीं, बल्कि साधना थी। 'सुजलाम, सुफलाम् मलयज-शीतलाम् शस्यश्यामलाम् मातरम्' की पंक्तियों ने भारतीय मानस में चेतना का संचार किया और भारत की प्रकृति, समृद्धि, सौंदर्य और शक्ति को एक साथ मूर्त रूप दिया।

नोएडा में प्रेमी युगलों को ब्लैकमेल करने वाला गिरोह गिरफ्तार, 12 मोबाइल फोन बरामद

नोएडा,22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में नोएडा के पार्कों और सुनसान इलाकों में लोगों को निशाना बनाकर ब्लैकमेलिंग और लूटपाट करने वाले तीन शातिर आरोपियों को थाना सेक्टर-58 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नोएडा एडीसीपी शेव्या गोयल ने बताया कि आरोपी शहर के विभिन्न पार्कों में बैठे प्रेमी युगलों को अपना निशाना बनाते थे। ये आरोपी पहले चोरी-छिपे मोबाइल फोन से उनकी तस्वीरें और वीडियो बना लेते थे। इसके बाद खुद को किसी संगठन से जुड़ा हुआ या सामाजिक कार्यकर्ता बताकर कपल्स को धमकाते थे। उन्होंने बताया कि ये लोग धमकी देते थे कि यदि इन्हें पैसे या मोबाइल फोन नहीं दिए तो उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए जाएंगे। बदनामी के डर से कई लोग उनकी बातें मान जाते थे और पैसे देकर वहां से चले जाते थे।

नोएडा एडीसीपी ने बताया कि आरोपी पार्कों के साथ ही देर रात या सुनसान इलाकों में अकेले घूम रहे लोगों को भी अपना शिकार बनाते थे। मौका देखकर ये लोग डराकर या धमकाकर राह चलते लोगों के मोबाइल फोन छीन लेते थे।

थाना सेक्टर-58 पुलिस को लगातार इस तरह की शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया और सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 12 मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जो अलग-अलग पीड़ितों से छीने या ब्लैकमेलिंग के जरिए हासिल किए गए थे। पूछताछ में आरोपियों ने अपने अपराध स्वीकार किए हैं। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों ने अब तक कितने लोगों को अपना शिकार बनाया और क्या इस गिरोह में अन्य लोग भी शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रितेश कुमार, गजेंद्र सोलंकी, पवन नाम के रुप में हुई है।

फिलहाल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि कोई इस तरह की ब्लैकमेलिंग या लूटपाट का शिकार हुआ हो तो बिना डर के पुलिस से संपर्क करें। सूचना मिलने पर पुलिस कार्रवाई करेगी।

देवरिया में पुलिस और गौ तस्करों के बीच मुठभेड़, एक तस्कर घायल, तीन गिरफ्तार

देवरिया,22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में देवरिया के थाना सलेमपुर क्षेत्र में पुलिस और गो तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि थाना सलेमपुर पुलिस धनौती राय गांव के पास मुखबिर की सूचना पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार में एक टाटा मैजिक वाहन को रोकने का इशारा किया गया। जैसे ही पुलिस टीम ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, उसमें सवार गो तस्करों ने पुलिस को देखकर फायरिंग शुरू कर दी और मौके से भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक अभियुक्त भोलू यादव के पैर में गोली लग गई। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़ा, जबकि उसके दो साथी भागने लगे। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। घायल अभियुक्त भोलू यादव को नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस ने घटनास्थल से एक अवैध तमंचा और एक कारतूस बरामद किया। इसके साथ ही तस्करी में प्रयुक्त टाटा मैजिक वाहन को भी कब्जे में लिया गया है। पुलिस को वाहन में कई मवेशी मिले, जिन्हें सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पशुओं को अवैध रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पकड़े गए अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है, जिससे इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा सके।

विधायक आराधना मिश्रा की मांग, सीबीआई से कराई जाए कोडीन कफ सिरप मामले की जांच

लखनऊ,22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सोमवार को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का अनुपूरक बजट पेश किया। बजट पेश होने से पहले कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा ने कहा कि सरकार ने अनुपूरक बजट लाने का कोई औचित्य नहीं बताया। कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा ने कहा, इससे पहले 8 लाख करोड़ रुपए का जो मूल बजट लाया गया था, कई विभाग ऐसे हैं जो उस बजट का करीब 50 प्रतिशत खर्च भी नहीं कर पाए हैं। ऐसी परिस्थिति में अनुपूरक बजट लाने का कोई औचित्य नहीं बनता। उन्होंने कहा, इससे पूर्व में भी देखा जाए तो दो-दो वित्तीय वर्ष में सरकार अनुपूरक बजट लाई है, लेकिन उसे खर्च नहीं कर पाई। जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा सरकार केवल अपने आंकड़े बढ़ाने के लिए उपयोग कर रही है। योजनाओं का जिक्र सिर्फ कागज पर करने से लोगों को फायदा नहीं मिलेगा। उसके लिए सरकार के पास दृढ़ इच्छा शक्ति होनी चाहिए, जो सरकार के पास नहीं है।

कांग्रेस विधायक ने प्रदेश में कोडीन कफ सिरप को लेकर हो रहे विवाद पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, आरोपियों की फोटो सत्तापक्ष के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। विषय फोटो का नहीं है, बल्कि यह है कि यह बहुत गंभीर मामला है, जिससे कई लोगों की जान गई। जान गंवाने वाले लोगों में ज्यादातर बच्चे थे। सरकार आरोपियों को बचाने का क्यों प्रयास कर रही है?

कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच सीबीआई से कराने की मांग की।

उन्होंने कहा, अगर विषय सिर्फ उत्तर प्रदेश से संबंधित रहता तो एसआईआटी और एसटीएफ इसकी जांच करती, वही एसटीएफ जिसका एक पूर्व कर्मचारी इस मामले का मुख्य अभियुक्त है। ऐसे में हमारी मांग है कि सरकार को सीबीआई से जांच करानी चाहिए। कई राज्यों के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी इसके तार पाए गए हैं। ऐसे में सरकार को सीधे-सीधे इसकी सीबीआई जांच करानी चाहिए।

योगी सरकार ने विधानसभा में प्रस्तुत किया 24,496.98 करोड़ का अनुपूरक बजट

लखनऊ,22 दिसंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने सोमवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 24,496.98 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बजट पेश करते हुए कहा कि यह अनुपूरक बजट प्रदेश में विकास की निरंतरता बनाए रखने, आवश्यक क्षेत्रों में अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने और बदलती जरूरतों के अनुरूप योजनाओं को गति देने के उद्देश्य से लाया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश का मूल बजट 8,08,736.06 करोड़ रुपए का था, जबकि प्रस्तुत अनुपूरक बजट मूल बजट के अनुपात में 3.03 प्रतिशत है। अनुपूरक बजट को मिलाकर वित्तीय वर्ष 2025-26 का कुल बजट अब 8,33,233.04 करोड़ का हो गया है। यह बजट विकासात्मक प्राथमिकताओं को और अधिक सुदृढ़ करने पर केंद्रित है। प्रस्तुत अनुपूरक बजट में राजस्व व्यय के रूप में 18,369.30 करोड़ रुपए और पूंजीगत व्यय के रूप में 6,127.68 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सरकार का उद्देश्य राजस्व आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ पूंजीगत निवेश को बढ़ाकर आधारभूत ढांचे को मजबूत करना है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अनुपूरक बजट में प्रदेश की आर्थिक प्रगति और जनकल्याण से जुड़े प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है।

इसके अंतर्गत औद्योगिक विकास के लिए 4,874 करोड़ रुपए, पावर सेक्टर के लिए 4,521 करोड़ रुपए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के लिए 3,500 करोड़ रुपए, नगर विकास के लिए 1,758.56 करोड़ रुपए और तकनीकी शिक्षा के लिए 639.96 करोड़ रुपए की धनराशि प्रस्तावित की गई है।

अनुपूरक बजट में सामाजिक और भविष्य उन्मुख क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसके तहत, महिला एवं बाल विकास के लिए 535 करोड़ रुपए, यूपीनेडा (सौर एवं नवीकरणीय ऊर्जा) के लिए 500 करोड़ रुपए, मेडिकल एजुकेशन के लिए 423.80 करोड़ रुपए, गन्ना एवं चीनी मिल क्षेत्र के लिए 400 करोड़ रुपए की बजटीय व्यवस्था की गई है।

वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि योगी सरकार ने एफआरबीएम अधिनियम की सीमा का हमेशा पालन किया है और किसी भी स्तर पर वित्तीय अनुशासन से समझौता नहीं किया गया। भारत सरकार के पत्रक के अनुसार उत्तर प्रदेश की जीडीपी 31.14 लाख करोड़ रुपए आंकी गई है, जो पहले के अनुमानों से अधिक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में उभर रहा है, जो राज्य की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि जब किसी वित्तीय वर्ष में स्वीकृत धनराशि व्यय की वास्तविक आवश्यकताओं के लिए अपर्याप्त हो जाती है, तब अनुपूरक अनुदान की मांग विधानमंडल के समक्ष प्रस्तुत की जाती है। कई बार नई मदों पर व्यय की आवश्यकता होती है या योजनाओं में महत्वपूर्ण परिवर्तन के कारण विधानमंडल की स्वीकृति अनिवार्य हो जाती है।

यूपी विधानसभा: अनुपूरक बजट पर सपा का सवाल- जब सिर्फ 24 प्रतिशत ही खर्च हुआ है बजट तो इसकी जरूरत क्यों

लखनऊ, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र चल रहा है। इस दौरान योगी सरकार सोमवार को अनुपूरक बजट पेश कर रही है। प्रदेश की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी ने सरकार पर निशाना साधते हुए सरकार पर जनता के पैसों का सही से इस्तेमाल नहीं कर पाने का गंभीर आरोप लगाया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, संविधान के तहत सरकार को अनुपूरक बजट पेश करने का अधिकार है। जब आवंटित फंड से ज्यादा खर्च की जरूरत होती है, तो उस रकम को कंसोलिडेटेड फंड से निकालने के लिए इसे अनुपूरक बजट के तौर पर सदन में पेश करना होता है। एक बार जब सदन इसे मंजूरी दे देता है, तो सरकार पैसा खर्च कर सकती है वरना नहीं। अब चर्चा इस बात पर होगी कि अनुपूरक बजट कब और किन हालात में पेश किया जा रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैंने कई बार भाजपा के अनुपूरक बजट को देखा है। वे बजट को खर्च नहीं कर पाते हैं। इस बार भी ऐसा ही होने वाला है। सरकार में अनुपूरक बजट के पैसों को लेकर सीधा-सीधा बंदरबांट होगा।

सपा विधायक कमल अख्तर ने कहा, जब सरकार बजट लाती है तो पिछला बजट खर्च होने के बाद वह सप्लीमेंट्री बजट भी लाती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक सिर्फ 24 प्रतिशत ही खर्च हुआ है, तो अब नया अनुपूरक बजट लाने का क्या मतलब है? सरकार पहले बड़ा बजट पेश करके और फिर उसे खर्च न करके लोगों को गुमराह करती है, जिससे विकास और चल रही योजनाओं में रुकावट आती है।सपा विधायक मुकेश वर्मा ने कहा, वर्तमान सरकार विधानसभा नहीं चलाना चाहती है। अगर विधानसभा चलेगी तो दलितों, पिछड़ों और शोषितों की चर्चा होगी, उनके हिस्से की बात होगी। इसलिए वे चर्चा से भाग रहे हैं। वर्तमान सरकार बेईमान है। उन्होंने लेखपाल और अध्यापक भर्ती में घोटाला कर दिया।

पीएम सूर्य घर योजना को मिलेगी नई रफ्तार राज्य सब्सिडी के लिए मिले 500 करोड़

लखनऊ,22 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पीएम सूर्य घर योजना को सरकार और गति देने जा रही है। सोमवार को विधानसभा में पेश किए गए अनुपूरक बजट में इसके लिए 500 करोड़ की मंजूरी दी गई। इस राशि से पीएम सूर्य घर योजना की राज्य सब्सिडी दी जाएगी। इस निर्णय का उद्देश्य लाभार्थियों को राज्य सब्सिडी शीघ्र एवं सुगमता से उपलब्ध कराना है, ताकि आम नागरिकों को योजना का पूर्ण लाभ समय पर मिल सके। सरकार के इस कदम से न केवल सोलर प्लांट की स्थापना में लोगों को आर्थिक राहत मिलेगी, बल्कि राज्य में सौर ऊर्जा के उपयोग को नई गति प्राप्त होगी।प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश, देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। योजना के अंतर्गत राज्य में अब तक कुल 10,09,567 आवेदन प्राप्त हुए हैं और 3,14,376 घरों में सोलर रूफटॉप सिस्टम सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं। इसके माध्यम से 3,17,690 परिवारों को योजना का लाभ मिला है, जिससे स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा को बढ़ावा मिला है।योजना के तहत उत्तर प्रदेश में अब तक 1,083.63 मेगावाट सोलर इंस्टॉलेशन क्षमता का सृजन किया जा चुका है।

ठंड में आने वाले फरियादियों के लिए रैनबसेरे में रुकने की कराएं व्यवस्था : योगी

लखनऊ,22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश भर से आए फरियादियों से मुलाकात की। सीएम ने उनकी समस्याएं सुनीं और प्रार्थना पत्र लेकर संबंधित अधिकारियों को निस्तारण का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपदों में भी 'जनता दर्शन' में फरियादी अपनी शिकायत लेकर पहुंचते हैं, लेकिन लखनऊ में होने वाले 'जनता दर्शन' में भी बड़ी संख्या में फरियादी आते हैं। 'जनता दर्शन' में शामिल होने के लिए एक दिन पहले रात में ही वे राजधानी पहुंच जाते हैं। यहां आने वाले फरियादी रैन बसेरों में रुकें, सरकार ने रैन बसेरों में समुचित व्यवस्था की है। सीएम ने लखनऊ प्रशासन को निर्देश दिया कि वे समय-समय पर रैन बसेरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहें और यह सुनिश्चित करें कि रैन बसेरों में रहने वालों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समय ठंड काफी पड़ रही है। उन्होंने आमजन से अपील की कि पहले जिलाधिकारी व पुलिस कप्तान के पास पहुंचें और अपनी समस्याओं से अवगत कराएं।

प्रशासन स्तर पर हर समस्या का निराकरण कराया जा रहा है। सीएम ने सभी जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान को निर्देश दिया कि प्रतिदिन जनता की समस्याएं सुनें और उनका निराकरण कराएं, जिससे उन्हें ठंड के मौसम में लखनऊ न आना पड़े।

'जनता दर्शन' में कुछ फरियादी इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर भी पहुंचे थे। इस पर मुख्यमंत्री ने उनका प्रार्थना पत्र लिया और कहा कि आप अस्पताल से एस्टिमेट बनवाकर दीजिए। सरकार पहले दिन से ही इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। सरकार का संकल्प है कि इलाज के अभाव में किसी को परेशानी का सामना न करना पड़े।

'जनता दर्शन' में कुछ मामले जमीन कब्जे के भी आए। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाते हुए इसकी जांच कराते हुए कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धान खरीद के मामलों को लेकर पहुंचे किसानों की शिकायत सुनकर सीएम ने तत्काल संबंधित प्रशासन को समाधान के लिए निर्देशित किया। सीएम ने कहा कि किसानों की समस्याओं का निदान ही सरकार की प्राथमिकता है।

जनता दर्शन' में अभिभावकों के साथ बच्चे भी पहुंचे। सीएम ने बच्चों से संवाद किया, उन्हें दुलारा-पुचकारा और पढ़ाई के बारे में भी पूछा।

बच्चों ने भी मुख्यमंत्री के प्रश्नों का जवाब दिया, फिर सीएम ने सभी बच्चों को चॉकलेट दी और अभिभावकों से कहा कि ठंड अधिक पड़ रही है। बच्चों को ठंड में बचाकर रखें। मुख्यमंत्री का यह प्रेम देख अभिभावक भी अभिभूत हो गए।

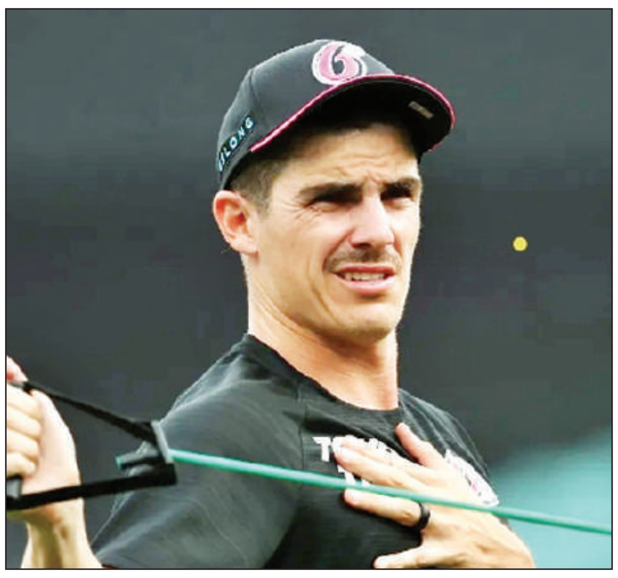

एबॉट की वापसी पर नजर, हैमस्ट्रिंग चोट से उबरकर बॉक्सिंग डे पर खेलने की उम्मीद

सिडनी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

सिडनी सिक्सर्स के अनुभवी तेज गेंदबाज सीन एबाट ने हैमस्ट्रिंग चोट के बाद वापसी को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। एबाट ने कहा है कि पिछले छह हफ्ते उनके लिए काफी निराशाजनक रहे, लेकिन अब वह बाक्सिंग डे पर बिग बैश लीग में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार होने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

33 वर्षीय एबाट शुरुआती नवंबर में शेफील्ड शील्ड मुकाबले के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट का शिकार हो गए थे। इस चोट के चलते वह एशेज सीरीज की शुरुआत से बाहर हो गए, जबकि उन्हें पहले टेस्ट के लिए आस्ट्रेलियाई स्क्वाड में शामिल किया गया था। चोट लगने से पहले उन्होंने न्यू साउथ वेल्स की ओर से विक्टोरिया के खिलाफ पांच विकेट झटके थे। उसी दिन आस्ट्रेलिया के सीनियर तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड भी हैमस्ट्रिंग चोट से जूझ गए थे, जिसके कारण उनका एशेज अभियान समाप्त हो गया। एबाट ने हेज़लवुड के साथ मिलकर एससीजी और क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के सिल्वरवाटर ट्रेनिंग बेस पर रिहैब पूरा किया है। सिडनी थंडर के खिलाफ सिडनी स्मैश में सिक्सर्स की जीत के दौरान फाक्स क्रिकेट से बातचीत में एबाट ने कहा, मुझे बस कुछ छोटे-छोटे बाक्स टिक करने हैं और फिर उम्मीद है कि अगले हफ्ते चयन के लिए खुद को उपलब्ध करा पाऊंगा। यह समय काफी निराशाजनक रहा, लेकिन एलीट लेवल पर यह सब खेल का हिस्सा है। अब उम्मीद है कि मैं अगले हफ्ते मैदान पर उतरूंगा और अच्छा प्रदर्शन करूंगा। सिडनी सिक्सर्स की टीम, जिसने बीबीएल सीजन की शुरुआत दो हार के साथ की थी, ने थंडर को 47 रनों से हराकर पहली जीत दर्ज की। टीम का अगला मुकाबला बाक्सिंग डे पर एससीजी में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ है।

टीम के युवा आलराउंडर जैक एडवर्ड्स ने कहा कि एबाट की वापसी सिक्सर्स के लिए बहुत बड़ी साबित होगी। एडवर्ड्स के मुताबिक, वह अनुभव और कौशल का खजाना हैं। गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग—तीनों में उनका योगदान अहम होता है। हम उन्हें मिस कर रहे थे और बाक्सिंग डे पर उन्हें मैदान में देखना बेहद रोमांचक होगा। एबाट बिग बैश इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पुरुष गेंदबाज हैं, जिनके नाम 175 विकेट दर्ज हैं। उनकी मजबूत वापसी न सिर्फ सिक्सर्स के लिए अहम होगी, बल्कि भारत और श्रीलंका में होने वाले अगले साल के टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए आस्ट्रेलियाई टीम में उनकी दावेदारी भी मजबूत कर सकती है।

न्यूज ब्रीफ

चोट के चलते तीन महीने तक क्रिकेट से दूर हुईं सुजी बेट्स

वेलिंगटन। न्यूज़ीलैंड की अनुभवी ओपनर बल्लेबाज सुजी बेट्स चोट के चलते अगले तीन महीनों तक

क्रिकेट से दूर रहेंगी। उन्हें क्वाड्रिसेप मसल में गंभीर खिंचाव (टियर) हुआ है, जिसके कारण वह घरेलू समर सीज़न से लेकर मार्च तक मैदान पर नहीं उतर पाएंगी। यह चोट सुजी बेट्स को पिछले महीने एक शील्ड मुकाबले के दौरान फील्डिंग करते समय लगी थी। इसके बाद कराए गए स्कैन में पुष्टि हुई कि मांसपेशी में गंभीर टियर है, जिसके चलते पूर्व कप्तान को करीब तीन महीने के रिहैबिलिटेशन की आवश्यकता होगी। चोट की वजह से सुजी बेट्स ओटागो की घरेलू समर सीज़न के शेष मुकाबलों के साथ-साथ फरवरी में जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज़ में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगी। अब उनकी निगाहें मार्च में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली व्हाइट-बाल सीरीज़ के जरिए वापसी पर टिकी हैं। सुजी बेट्स ने कहा, इस समर सीज़न को मिस करना मेरे लिए बेहद निराशाजनक है। मैं स्पार्क्स के साथ एक और सीज़न, खासकर सुपर स्मैश खेलने को लेकर काफी उत्साहित थी। अब मेरा पूरा ध्यान मार्च में व्हाइट फर्न्स के लिए मैदान पर वापसी करने पर है। न्यूज़ीलैंड टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि बेट्स पूरी तरह फिट होकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज़ में टीम को मजबूती प्रदान करेंगी।

आस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन एशेज के बचे हुए मैचों में नहीं खेल पायेंगे

एडिलेड। आस्ट्रेलिया के स्टार स्पिनर नाथन लियोन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इंग्लैंड के खिलाफ

बचे हुए दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पायेंगे। आस्ट्रेलियाई टीम 26 दिसंबर से इंग्लैंड के खिलाफ बाक्सिंग डे टेस्ट में उतरेगी। इससे लियोन पूरी तरह से बाहर हो गये हैं। इसका कारण है कि एडीलेड टेस्ट में लियोन की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इसी कारण वह मैच में पूरे समय गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। तीसरे टेस्ट में फील्डिंग करते समय लियोन ने एक गेंद को रोकने के लिए छलांग लगाई। इसके बाद ही उन्हें दर्द शुरु हो गया। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के एक प्रवक्ता ने कहा कि लियोन की चोट आस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा झटका है। लियोन ने तीसरे टेस्ट में आस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इंग्लैंड की दूसरी पारी में तीन विकेट ओर दोनो पारियों को मिलाकर पांच विकेट लिए थे। उन्होंने तब विकेट लिए जब इंग्लैंड की टीम तेजी से 435 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी। ऐसे में लियोन अगर मेलबर्न में चौथे टेस्ट टेस्ट से बाहर रहते हैं आस्ट्रेलियाई टीम के लिए उनकी कमी पूरी करना आससन नहीं रहेगा। उनकी जगह पर बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुह्नमैन, को शामिल किया जा सकता है। मेंकुह्नमैन भी एक अच्छे स्पिनर हैं। उन्होंने में लियोन के साथ मिलकर खेला है और आस्ट्रेलिया के लिए पांच टेस्ट में 22.20 की औसत से 25 विकेट लिए हैं। इसके अलावा तस्मानिया के लिए दो शेफील्ड शील्ड गेम खेले हैं, जिसमें उसने 36 की औसत से चार विकेट लिए हैं। आस्ट्रेलियाई टीम ने पहले ही एशेज सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

आईपीएल के लिए कमजोर है सनराइजर्स हैदराबाद की गेंदबाजी : उथप्पा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर राबिन उथप्पा ने कहा है कि आईपीएल 2026 सत्र के लिए सनराइजर्स हैदराबाद की

टीम संतुलित नहीं है। उथप्पा ने कहा है कि सनराइजर्स की टीम के पास अच्छे बल्लेबाज हैं पर उसकी गेंदबाजी कमजोर नजर आती है। उन्होंने कहा कि फ्रेंचाइजी ने बल्लेबाज़ी को प्राथमिकता दी है पर गेंदबाजी में टीम के पास अच्छ विकल्प नहीं दिखते। उथप्पा के अनुसार इससे टीम को टूर्नामेंट में आगे बढ़ने पर नुकसान नजर आयेगा। साथ ही कहा कि सनराइजर्स ने अपनी कोर टीम को पहले की तरह रखा है। आईपीएल के 2025 सत्र में भी टीम के पास आक्रामक बल्लेबाज़ थे जो अभी की टीम में भी हैं। आईपीएल 2026 की छोटी नीलामी में टीम ने करीब 13 करोड़ रुपये खर्च कर सलिल अरोड़ा, जैक एडवर्ड्स और इंग्लैंड के आक्रामक आलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन को अपने साथ जोड़ा। इसके अलावा कुछ युवा और अनकैप्ड खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया। वहीं उसने बेहतर गेंदबाजों को खरीदने पर जोर नहीं दिया। इन खरीदों से टीम की गेंदबाजी इकाई को उस प्रकार की मजबूत नहीं मिली, जिसकी ज़रूरत रहती है। को होती है। उथप्पा ने साफ कहा कि टीम ने किसी ऐसे भारतीय गेंदबाज़ को नहीं चुना, जो पैट कमिंस, हर्षल पटेल या जयदेव उनादकट का साथ दे सके। उनके अनुसार हर्षल और उनादकट विकेट तो लेते हैं पर काफी रन भी दे देते हैं। कमिंस अकेले ऐसे गेंदबाज़ हैं जो एक छोर संभाल सकते हैं। नीतीश कुमार रेड्डी अभी एक आलराउंडर के तौर पर विकसित हो रहे हैं, ऐसे में उनसे पूरी गेंदबाजी की ज़िम्मेदारी की उम्मीद नहीं की जा सकती।

न्यूजीलैंड ने तीसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को 323 रन से हराकर 2-0 से जीती सीरीज

माउंट माउंगानुई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड ने सोमवार को माउंट माउंगानुई में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 323 रन से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही कीवी टीम ने सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। इस मुकाबले में जैकब डफी की घातक गेंदबाजी निर्णायक साबित हुई, जिन्होंने दूसरी पारी में पांच विकेट चटकाए।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के सामने 462 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था, लेकिन मेहमान टीम महज 138 रन पर सिमट गई। लंच से पहले और बाद में वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और चाय के तुरंत बाद, सिर्फ चार ओवर में पूरी टीम आलआउट हो गई।

डफी ने 42 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि स्पिनर अजाज पटेल ने 23 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। वेस्टइंडीज की ओर से दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग ने सर्वाधिक 67 रन बनाए।

दरारों से भरी पिच पर असमान उछाल और मूवमेंट मिल रहा था, जिसका डफी और अजाज ने भरपूर फायदा उठाया। वेस्टइंडीज की टीम एक समय बिना विकेट खोए 87 रन पर थी, लेकिन इसके बाद 25 रन के भीतर 8 विकेट गंवा बैठी।

दिन की शुरुआत वेस्टइंडीज ने 43/0 से की थी। ब्रैंडन किंग ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम के शुरुआती 59 में से 53 रन बनाए। हालांकि ड्रिंक्स ब्रेक के बाद न्यूजीलैंड ने फील्डिंग में आक्रामकता बढ़ाई और यहीं से मैच पलट गया।

डफी ने 87 के स्कोर पर किंग को गली में ग्लेन फिलिप्स के हाथों कैच कराकर पहला झटका दिया। इसके बाद अजाज पटेल ने जान कैंपबेल (16) को आउट किया। अजाज ने जल्द ही कावेम हाज को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। डफी ने लगातार झटके देते हुए एलेक अथानाज (2), जस्टिन ग्रीव्स (0) और कप्तान रोस्टन चेज (5) को आउट किया। चेज के लिए यह सीरीज बेहद खराब रही, जिसमें उन्होंने तीन टेस्ट में सिर्फ 42 रन बनाए।

अजाज पटेल ने शाई होप (3) को एलबीडब्ल्यू किया। इसके बाद ग्लेन फिलिप्स ने चोटिल केमार रोच (4) को बोल्ड किया। अंतिम सत्र में रचिन रविंद्र ने एंडरसन फिलिप को आउट किया, जबकि जैकब डफी ने जेडन सील्स को बोल्ड कर वेस्टइंडीज की पारी और मैच का अंत कर दिया।

इससे पहले न्यूजीलैंड के लिए दोनों पारियों में सलामी बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत दी। डेवोन कानवे ने दोनों पारियों में 227 और 100 रन की शानदार पारियां खेलीं, जबकि कप्तान टाम लैथम ने 137 और 101 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी सलामी जोड़ी ने एक ही मैच की दोनों पारियों में शतक लगाए। इन दोनों बल्लेबाजों की मदद से न्यूजीलैंड ने जहां पहली पारी में 8 विकेट पर 575 रन बनाए, वहीं दूसरी पारी 2 विकेट पर 306 रन बनाकर घोषित की थी।

सीरीज की शुरुआत क्राइस्टचर्च टेस्ट ड्रा से हुई थी। इसके बाद न्यूजीलैंड ने वेलिंगटन में दूसरा टेस्ट जीता और अब तीसरे टेस्ट में शानदार जीत दर्ज कर सीरीज पर कब्जा जमा लिया।

टी20 विश्वकप में पाकिस्तान को सभी मुकाबले श्रीलंका में खेलने का लाभ मिलेगा : अकीब

कराची। पाकिस्तान राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख आकिब जावेद ने कहा है कि अगले साल की शुरुआत में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन कर एक बार फिर अपनी खोयी हुई साख हासिल करने का पाक टीम के पास अच्छा अवसर है। आबिक ने कहा कि इस विश्वकप में पाक टीम को ये फायदा होगा कि उसे सभी मैच श्रीलंका में एक ही मैदान में खेलने होगें जिससे टीम आसानी से हालातों के अनुसार ढ़ल सकती है। वहीं अगर विश्वकप किसी अन्य देश आस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका में होता में होता तो बात अलग होती। साथ ही कहा कि विश्व स्तर पर अपना प्रभाव दिखाने का उनकी टीम के लिए यह सबसे अच्छा समय है। आकिब ने कहा, हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं। उन्होंने अच्छा तालमेल बिठाया है और सबसे अहम बात यह है कि अब हमारे पास खिलाड़ियों के विकल्प उपलब्ध हैं। आकिब ने कहा कि जिस प्रकार की रणनीति अपनाकर भारतीय टीम विश्व क्रिकेट में शीर्ष पर पहुंची है। उसी को अपनाने का प्रयास हम भी कर रहे हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि भारतीय टीम ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

घरेलू क्रिकेट से अब हो रही मोटी कमाई : हिंमाशु सांगवान

नई दिल्ली,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

देश में आईपीएल लीग आने के बाद से ही कई उभरते क्रिकेटरों को भी करोड़ों रुपये की रकम मिल रही है। आईपीएल से उन क्रिकेटरों को भी अच्छी खासी रकम मिल रही है। जो भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाते। आईपीएल के एक सत्र में भी ये क्रिकेटर मोटी कमाई कर रहे हैं। आईपीएल ही नहीं घरेलू क्रिकेट में भी आजकल अच्छी खासी रकम मिल रही है। घरेलू क्रिकेटरों को एक सत्र में लाखों, करोड़ों रुपये मिल रहे हैं। घरेलू क्रिकेटर में लंबे समय से खेले रहे हिंमाशु सांगवान का कहना है कि घरेलू स्तर पर भी अब लाखों और करोड़ों रुपए मिलने शुरू हो गए हैं। रेलवे की ओर से खेलने वाले हिमांशु ने कहा कि इस समय केवल आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ही पैसा नहीं है बल्कि घरेलू स्तर पर भी क्रिकेट में भी इस समय काफी पैसा है। घरेले दिल्ली प्रीमियर टी-20 लीग में ही कई खिलाड़ियों को 30 से 40 लाख रुपये में खरीदा गया था। सांगवान ने कहा कि इस राशि के बाद इन खिलाड़ियों को मैच फीस भी मिलती है। परफार्मेंस फीस भी मिलती है और यदि मैन आफ द मैच और मैन आफ द सीरीज बन गये तो उसकी भी मोटी रकम मिलती है। साथ ही कहा कि दिल्ली प्रीमियर लीग घरेलू अनुबंध भी दे रहा है। इसमें बीसीसीआई के हिसाब से राशि दी जाती है। इससे साफ है कि दिल्ली प्रीमियर टी-20 लीग खेलने वाले खिलाड़ी भी बिना आईपीएल और अंतरराष्ट्री क्रिकेट खेले बिना ही लाखों और करोड़ों रुपयों की कमाई कर रहे हैं। हिमांशु ने यह भी कहा की रणजी ट्राफी खेलने वाले खिलाड़ियों को अनुभव के आधार पर मैच फीस मिलती ह। इसमें सबसे सीनियर और शीर्ष खिलाड़ी जो 40 मैच से ज्यादा खेल चुके हैं। उनको 5 दिन वाले मैच के 60000 रुपय प्रतिदिन के हिसाब से मिलते हैं। वहीं 21 से 40 मैच खेलने वाले मध्य स्तर के खिलाड़ियों को 5 दिन वाले मैच का 50,000 हजार प्रति दिन और 20 मैच खेलने वाले जूनियर को 40,000 हजार रुपये प्रति दिन मिलते हैं। रिजर्व और गैर-खिलाड़ी सदस्यों को भी काफी रकम मिलती है। वहीं कई विभाग भी घरेलू क्रिकेटरों को नौकरी देते हैं। इसमें उन्हें हर माह 80 से 90 हजार रुपए तक मिलते है पर ये सब ग्रेड के हिसाब से होता है। उनका कहना था कि इसमें अलाउंस और बाकी सभी लाभी अलग होते हैं। यदि आप कोई मैच खेल रहे हैं, तो उसकी फीस उसे मैच टूर्नामेंट के हिसाब से आपको मिलती है. इसके अलावा आपको अच्छी खासी छुट्टियां भी मिलती है।

रबात में अफ्रीकी नेशंस कप

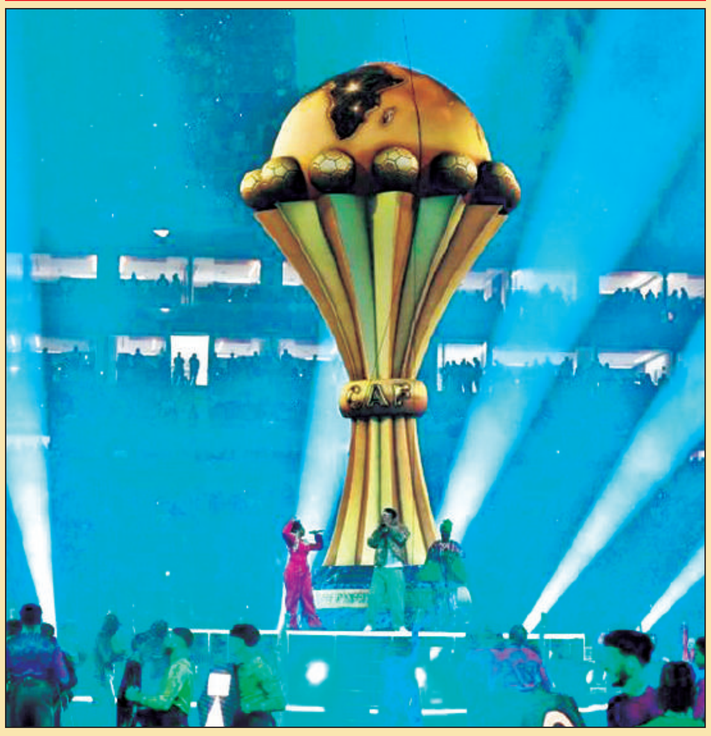

रबात में अफ्रीकी नेशंस कप में को पेय किये जाने के दौरान कार्यक्रम पेश करते हुए कलाकार।

2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से दुखी होकर संन्यास लेना चाहता था : रोहित

लगा जैसे इस खेल ने मुझसे सबकुछ छीन लिया

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है साल 2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से वह हताश थे और उन्होंने खेल से संन्यास का फैसला कर लिया था। तब वह इतने दुखी थे और उन्हें लगा था कि इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया है। तब भारतीय टीम ने सभी मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी थी पर वहां उसे आस्ट्रेलिया ने हरा दिया था।

तब आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शतक लगाकर भारतीय टीम के हाथ आयी जीत छीन ली थी। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कि फाइनल के बाद उन्हें लगा था कि अब मुझे नहीं खेलना चाहिये क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है। इस सदमे से उबरने में मुझे कुछ समय लगा था। मैं अपने को याद दिलाता था कि यही वह खेल है, जिससे मुझे असल में प्यार है। यह चीज मेरे पास है और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। इसके बाद धीरे-धीरे मैं इस झटके से उबर गया। मैंने अपनी खोई हुई ताकत वापस हासिल की और फिर से मैदान पर उतर गया। उन्होंने माना कि उस हार से हर कोई दुखी था और हमें भरोसा नहीं हो रहा था कि अचानक ही क्या हुआ है। मेरे लिए तो कप्तान होने के कारण यह बहुत कठिन दौर था क्योंकि मैंने उस विश्व कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था। विश्व कप से पहले ही नहीं, बल्कि साल 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं उसके लिए तैयारी कर रहा था रोहित ने टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और अब वह एकदिवसीय में ही खेलते हैं। उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना और उसे जीतना है। रोहित ने कहा, मेरा एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना था, चाहे वह टी-20 विश्व कप हो या 2023 में एकदिवीसय विश्व कप इसलिए जब ऐसा नहीं हो पाया तो मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मेरे शरीर में बिल्कुल भी शक्ति नहीं बची थी। मुझे इससे उबरने और वापसी करने में कुछ माह लग गये थे। भारतीय टीम ने इसके बाद उनकी कप्तानी में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए 2024 के टी20 विश्व कप में खिताब जीता था पर वह नवंबर 2023 में आस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार से इसके बाद भी नहीं उबर पाये। रोहित ने कहा, जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए अपनी सारी ताकत लगा देते हैं और फिर आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिलता है तो दुखी होना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है. मेरे साथ भी ठीक यही हुआ, लेकिन मुझे यह भी पता था कि जीवन यहीं खत्म नहीं होता, इससे सबक लेते हुए हमने टी20 विश्वकप जीता।

प्रो रेसलिंग लीग ने पांचवें सीजन से पहले आधिकारिक लोगो का किया अनावरण

नई दिल्ली,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से स्वीकृत प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) ने अपने पांचवें सीजन से पहले अपने नए आधिकारिक लोगो का अनावरण किया। नया लोगो जनवरी, 2026 में प्रतिस्पर्धी एक्शन में वापसी से पहले लीग के पुनरुत्थान और व्यापक पुनर्गठन को दर्शाता है। नया लान्च किया गया लोगो पारंपरिक लाल और नीले कुश्ती मैट से प्रेरित एक आधुनिक और गतिशील प्रतीक है, जो शक्ति, संतुलन और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रतीक है। यह केवल एक दृश्य परिवर्तन नहीं है, बल्कि प्रो रेसलिंग लीग के लिए एक पूर्ण रीसेट का प्रतिनिधित्व करता है, जिसने नए स्वामित्व और प्रबंधन के तहत संरचनात्मक और संचालनात्मक स्तर पर बड़े बदलाव किए हैं। लीग का संचालन अब ओएनओ मीडिया के स्वामित्व और प्रबंधन में किया जा रहा है, जिसका नेतृत्व पार्टनर्स अखिल गुप्ता और दयान फरूकी कर रहे हैं। नया प्रबंधन पुराने ढांचों से हटकर एक पारदर्शी, खिलाड़ी-केंद्रित इकोसिस्टम बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो पेशेवरता, ईमानदारी और भारतीय कुश्ती में दीर्घकालिक स्थिरता को प्राथमिकता देता है। पीडब्ल्यूएल का नया मिशन पहलवानों के लिए एक विश्वस्तरीय पेशेवर मंच तैयार करने पर केंद्रित है, जो पारंपरिक अखाड़ों और वैश्विक प्रतिस्पर्धी मंच के बीच की खाई को पाटे। लीग का उद्देश्य खिलाड़ियों को संरचित अवसर, अंतरराष्ट्रीय एक्सपोज़र और एक पेशेवर रूप से संचालित वातावरण प्रदान करना है, साथ ही भारत में कुश्ती के दीर्घकालिक विकास और विश्वसनीयता में योगदान देना है। इस पुनर्जीवित दृष्टिकोण को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के साथ करीबी सहयोग में लागू किया जा रहा है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि लीग राष्ट्रीय नियमों और प्रशासनिक मानकों के अनुरूप संचालित हो। यह सहयोग उभरते पहलवानों के लिए पारंपरिक प्रशिक्षण प्रणालियों से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का मार्ग मजबूत करेगा। इस अवसर पर, प्रो रेसलिंग लीग के सीईओ अखिल गुप्ता ने कहा, नया लोगो प्रो रेसलिंग लीग के भविष्य के हमारे दृष्टिकोण को दर्शाता है — आधुनिक, आक्रामक और विश्वस्तरीय। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह एक नई शुरुआत का प्रतीक है। हम पारदर्शिता, पेशेवरता और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के माध्यम से खेल और उसके खिलाड़ियों का सम्मान करने वाली लीग बना रहे हैं। अतीत पीछे छूट चुका है और हमारा पूरा ध्यान भारतीय कुश्ती के लिए एक स्थायी इकोसिस्टम तैयार करने पर है। प्रो रेसलिंग लीग के चेयरमैन दयान फरूकी ने कहा, यह लोगो लान्च प्रो रेसलिंग लीग के नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। यह पहचान विश्वास, अवसर और महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। सात वर्षों के बाद वापसी की तैयारी करते हुए, हमारी प्राथमिकता खिलाड़ियों को इकोसिस्टम के केंद्र में रखना और ऐसी लीग पेश करना है, जिस पर पहलवान, प्रशंसक और सभी हितधारक भरोसा कर सकें। प्रो रेसलिंग लीग जनवरी 2026 में शीर्ष भारतीय और अंतरराष्ट्रीय पहलवानों के साथ वापसी करने के लिए तैयार है, जिसमें उच्च-स्तरीय प्रतिस्पर्धा और खेल के विकास को समर्थन देने वाला व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य ढांचा देखने को मिलेगा। नई पहचान और पुनर्कल्पित संरचना के साथ, पीडब्ल्यूएल का लक्ष्य भारत में पेशेवर कुश्ती के एक नए युग की शुरुआत करना है।

भारत का दवा उद्योग 2047 तक 500 अरब डॉलर के लक्ष्य की ओर

नई दिल्ली,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत का दवा उद्योग वर्ष 2026 से अगले पांच साल को निर्णायक चरण मान रहा है, ताकि यह वर्ष 2047 तक 450-500 अरब डॉलर का उद्योग बनते हुए वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित हो सके। यह लक्ष्य वैश्विक व्यापार पुनर्संरचना और शुल्क उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियों के बीच रखा गया है। देश का दवा उद्योग मुख्य रूप से जेनेरिक दवाओं पर आधारित है और पिछले 25 वर्षों में 3 अरब डॉलर से 60 अरब डॉलर तक बढ़ चुका है। अब कंपनियां अगली पीढ़ी की दवाओं और नवाचार की दिशा में तेजी से बढ़ रही हैं। आगामी सात वर्षों में 300 अरब डॉलर से अधिक मूल्य की दवाओं के पेटेंट समाप्त होंगे, जो भारतीय कंपनियों के लिए नए उत्पाद हासिल करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़त बनाने का अवसर है। प्रमुख कंपनियां उच्च मूल्य वाले उत्पाद खरीद रही हैं, लाइसेंस समझौते कर रही हैं और नई दवाओं के लिए नियामक स्वीकृति प्राप्त कर रही हैं। दवा-चिकित्सकीय प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली पीआरआईपी योजना उद्योग से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है। इसके साथ ही बौद्धिक संपदा सुरक्षा, उत्पादन मानकों का उन्नयन और वैश्विक गुणवत्ता मानकों के साथ तालमेल पर सरकार का ध्यान इस संक्रमण को और मजबूत बना रहा है। आईपीए और ओपीपीआई जैसे प्रमुख संगठनों ने माना है कि यह समय नवाचार, गुणवत्ता और पहुंच पर आधारित निर्णायक मोड़ है।

मरीज को वेंटिलेटर पर रखने से पहले परिवार को देनी होगी पूरी जानकारी

मुंबई । केंद्र सरकार ने प्राइवेट अस्पतालों में वेंटिलेटर सपोर्ट पर नई गाइडलाइंस जारी की हैं। अब अस्पतालों को मरीज को वेंटिलेटर पर रखने से पहले परिवार को पूरी जानकारी देनी होगी। इसमें खर्च का अनुमान, इलाज की प्रक्रिया, संभावित जोखिम और परिणाम शामिल होंगे। केवल परिवार की सहमति मिलने पर ही वेंटिलेटर सपोर्ट शुरू किया जा सकेगा। नए नियमों के तहत आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रोजाना का खर्च भी परिवार को बताया जाएगा। इससे परिवार मानसिक और आर्थिक रूप से तैयार रह सकेगा। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जान बचाने वाला इलाज किसी वित्तीय शोषण का माध्यम न बने। गाइडलाइन बायोएथिकल सिद्धांतों पर आधारित हैं। इसमें मरीज की स्वतंत्रता और निर्णय लेने का अधिकार (ऑटोनॉमी), उनके हित में निर्णय लेना (बेनेफिसेंस), नुकसान से बचाव (नॉन-मैलेफिसेंस) और समान अवसर सुनिश्चित करना (न्याय) शामिल हैं। प्राइवेट अस्पतालों में वेंटिलेटर चार्ज अब समान होंगे और कोई छुपा हुआ शुल्क नहीं लिया जाएगा। डॉक्टरों को वेंटिलेटर लगाने से पहले स्पष्ट रूप से बताना होगा कि इसे क्यों लगाया जा रहा है और संभावित परिणाम क्या हैं।

न्यूज ब्रीफ

स्मॉलकैप ने 2025 में निवेशकों को दिया असाधारण रिटर्न

मुंबई। साल 2025 भारतीय शेयर बाजार के लिए मिला-जुला रहा। निफ्टी 50 ने करीब 10 फीसदी और सेंसेक्स ने लगभग 9 फीसदी का स्थिर रिटर्न दिया। वहीं स्मॉलकैप सेगमेंट के कुछ शेयरों ने निवेशकों को भारी लाभ दिया। शुरुआती निवेशकों को 3,200 फीसदी से 6,000 फीसदी तक रिटर्न मिलने की खबर है। रिपोर्ट के अनुसार, डिफेंस, सेमीकंडक्टर, रिन्यूएबल एनर्जी और एमएसएमई जैसे सेक्टरों में तेजी रही। कंपनियों ने रणनीतिक बदलाव, विदेशी साझेदारी और मजबूत ऑर्डर बुक के जरिए निवेशकों का भरोसा हासिल किया। स्वदेशी इंडस्ट्रीज का शेयर 2.92 से उछलकर 146.40 रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने फिलीपींस की पर्लेस वेल फ्लोरा के साथ रणनीतिक साझेदारी की है और अब एशिया में एमएसएमई इंडस्ट्रियल पार्क और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे हाई-ग्रोथ क्षेत्रों पर फोकस कर रही है। पहले यूरो एशिया एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के नाम से जानी जाने वाली आरपीपी डिफेंस के शेयर 20.31 से बढ़कर 936.30 रुपए हो गए। कंपनी अब डीप-टेक डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग की ओर बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल की मेरोलाइट के साथ करार के बाद महाराष्ट्र में एडवांस्ड वेपन सिस्टम्स की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बनाई जाएगी।मिडवेस्ट गोल्ड के शेयर 111.57 से बढ़कर 4,048.85 रुपए तक पहुंच गए। 27 नवंबर 2025 को कंपनी ने श्रीलंका में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी गुउ इनर्जी के गठन की जानकारी दी थी। यह इकाई रिन्यूएबल एनर्जी, क्लीन पावर सॉल्यूशंस और बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम पर काम करेगी। स्वान डिफेंस (पहले रिलायंस नेवल एंड इंजीनियरिंग) के शेयर 37.78 से बढ़कर 1,259.70 रुपए पर पहुंच गए।

सावधान! बढ़ रहे हैं फर्जी एसएमएस, ट्राई ने बताए सुरक्षा के उपाय

नई दिल्ली। ट्राई ने लोगों को चेतावनी दी है कि देखने में सरकारी या बैंक वाला हर एसएमएस असली नहीं होता। असली मैसेज का हैडर (सेंडर आईडी) अंत में खास अक्षर दिखाता है- पी (प्रमोशनल), एस (सर्विस), टी (लेन-देन), जी (सरकारी)। इन संकेतों से असली मैसेज की पहचान की जा सकती है। ठग डर या लालच के मैसेज भेजते हैं, जैसे आज ही केवायसी अपडेट करें या आपने लॉटरी जीती है। इन मैसेज में संदिग्ध लिंक होते हैं, जो नकली वेबसाइट पर ले जाते हैं। कभी-कभी कॉल करके खुद को बैंक अधिकारी भी बताते हैं। फर्जी लिंक पर क्लिक करने के बाद आपके बैंक डिटेल्स, कार्ड नंबर, सीवीवी, पिन या ओटीपी मांगे जाते हैं। यह जानकारी साझा करने से अकाउंट हैक होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए अनजान लिंक पर क्लिक न करें। ओटीपी या पिन किसी से शेयर न करें। डर या लालच वाले मैसेज को शक की नजर से देखें। जरूरत पड़े तो सीधे बैंक या कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट या कस्टमर केयर से संपर्क करें।

2026 में क्रिप्टो करेंसी में भारी गिरावट की चेतावनी

मुंबई। क्रिप्टो करेंसी को लेकर लोगों में भय बढ़ता चला जा रहा है। हाल ही में फंड स्ट्रेट ग्लोबल एडवरटाइजर्स ने चेतावनी जारी की है। उससे निविशकों की चिंता बढ़ गई है। इस चेतावनी भरी रिपोर्ट में कहा गया है। 2026 की पहली 6 माही में क्रिप्टो करेंसी में भारी गिरावट देखने को मिलेगी। बिटकॉइन 60000 डॉलर तक गिर सकता है। इथर कॉइन 1800 से 2000 रुपये तथा सोलना 50 से 75 डॉलर तक गिर सकता है। क्रिप्टो मुद्रा को लेकर अलग-अलग विशेषज्ञों की अलग-अलग राय है। आउटलुक फंडस्ट्रेट के को- फाउंडर और प्रमुख विश्लेषक टाम ली ने कहा है। बिटकॉइन की करेंसी कुछ महीने में 2.5 लाख डॉलर तक जा सकती है। ली का मानना है, इथर अपने पुराने औसत अनुपात पर लौटता है, तो उसकी कीमत 12000 डॉलर तक जा सकती है। क्रिप्टो करेंसी को लेकर सारी दुनिया में अलग-अलग विशेषज्ञों के बीच में अलग-अलग राय देखने को मिल रही है। जिसके कारण निवेशकों में भय का वातावरण है।

भारत-न्यूजीलैंड ने किया ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता, व्यापार और निवेश में होगा विस्तार

नई दिल्ली,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत और न्यूजीलैंड ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता संपन्न होने की सोमवार को घोषणा की। इसका उद्देश्य वस्तुओं और निवेश में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देना है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भारत के साथ एफटीए पर वार्ता पूरी होने की जानकारी दी। इस समझौते पर बातचीत इस वर्ष मई में शुरू हुई थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत और न्यूजीलैंड ने एक व्यापक, संतुलित और भविष्योन्मुखी मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) किया है, जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के साथ भारत के जुड़ाव में एक बड़ा आर्थिक और रणनीतिक मील का पत्थर है। इस समझौते पर तीन महीने में हस्ताक्षर होने की संभावना है। मंत्रालय ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह किसी विकसित देश के साथ भारत के सबसे तेजी से पूरे किए गए मुक्त व्यापार समझौते में से एक है। इसका मकसद वस्तुओं तथा निवेश में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देना है। एफटीए पर वार्ता इस साल मई में शुरू हुई थी।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन की मार्च 2025 की भारत यात्रा के दौरान शुरू हुई बातचीत को महज नौ महीनों में पूरा किया जाना दोनों देशों की साझा राजनीतिक इच्छाशक्ति और द्विपक्षीय संबंधों को गहराई देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह एफटीए व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने, बाजार पहुंच को मजबूत करने तथा रणनीतिक सहयोग को नई दिशा देने में सहायक होगा। साथ ही दोनों देशों के निवेशकों, उद्यमियों,

किसानों, एमएसएमई, छात्रों और युवाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर भी खोलेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते को दोनों देशों के संबंधों में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। मोदी ने एक्स पर कहा, 'भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंचने वाली है। एफटीए अगले पाचं सालों में दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने का रास्ता तैयार करता है। भारत न्यूजीलैंड से अलग-अलग सेक्टर में 20 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा के निवेश का स्वागत करता है। हमारे प्रतिभाशाली युवा, मजबूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और सुधार-आधारित अर्थव्यवस्था नवाचार और दीर्घकालिक साझेदारी के लिए एक मजबूत नींव देते हैं। इसके साथ ही, हम खेल, शिक्षा और सांस्कृतिक संबंधों जैसे दूसरे क्षेत्रों में भी सहयोग को मज़बूत करना जारी रखेंगे।'

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत के साथ एफटीए पर बातचीत पूरी हो गई है। इस मुक्त व्यापार समझौते से भारत को निर्यात होने वाले हमारे 95 फसदी उत्पादों पर शुल्क कम हो जाएगा या पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। लक्सन ने कहा कि ये अनुमान लगाया गया है कि आने वाले दो दशकों में न्यूजीलैंड से भारत को प्रति वर्ष होने वाला निर्यात 1.1 अरब यूएस डॉलर से बढ़कर 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर हो सकता है। उन्होंने कहा, ''मैंने न्यूजीलैंड-भारत एफटीए पर बातचीत संपन्न होने के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अभी बात की है।

प्रधानमंत्री लक्सन ने कहा, ''यह समझौता दोनों देशों की मजबूत मित्रता पर आधारित है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इससे न्यूजीलैंड के व्यवसायों को 1.4 अरब भारतीय उपभोक्ताओं तक पहुंचने का अवसर मिलता है।

समझौते की मुख्य बातें-

भारत के 100 प्रतिशत निर्यात पर शून्य शुल्क वाली बाजार पहुंच। भारत ने 70 फीसदी श्रेणियों में शुल्क उदारीकरण की पेशकश की है जिसके दायरे में भारत-न्यूजीलैंड द्विपक्षीय व्यापार का 95 फीसदी हिस्सा आता है।

यह बाजार पहुंच भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, जूते, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरिंग सामान तथा मोटर वाहन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाती है।

किसी भी विकसित देश के साथ सबसे तेजी से संपन्न हुआ यह मुक्त व्यापार समझौता, वस्त्र, दवा, चमड़ा, इंजीनियरिंग सामान एवं कृषि उत्पादों सहित सभी भारतीय निर्यातों के लिए वर्ष का शानदार समापन सुनिश्चित करता है।

5,000 पेशेवरों के लिए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा और 1,000 कार्य एवं अवकाश वीजा का समर्पित कोटा। न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्ष में भारत में 20 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई है।

उत्पादकता बढ़ाने के लिए न्यूजीलैंड द्वारा सेब, कीवी फल और शहद के लिए उत्कृष्टता केंद्रों के जरिए कृषि उत्पादकता साझेदारी की स्थापना। भारत के विनिर्माण क्षेत्र के लिए शुल्क मुक्त कच्चे माल: लकड़ी के लट्ठे, कोकिंग कोयला, धातुओं का अपशिष्ट एवं कबाड़ (स्क्रैप)।

आयुष, संस्कृति, मत्स्य पालन, ऑडियो-विजुअल पर्यटन, वानिकी, बागवानी और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों में सहयोग पर सहमति बनी है। शुल्क उदारीकरण के अलावा, मुक्त व्यापार समझौते में बेहतर नियामक सहयोग के माध्यम से गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने के प्रावधान भी शामिल हैं।

सेबी ने शॉर्ट सेलिंग नियमों में बदलाव की खबर खारिज की - भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने स्पष्ट किया है कि शॉर्ट से लिंग के नियमों में अभी कोई बदलाव नहीं हुआ है।

एलन मस्क की कुल संपत्ति 749 अरब डॉलर पर पहुंची कई देशों की जीडीपी के बराबर

वाशिंगटन,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमीरों की दौड़ में एलन मस्क अब बहुत आगे निकल गए हैं। डेलावेयर सुप्रीम कोर्ट के एक ताज़ा फैसले के बाद एलन मस्क की कुल संपत्ति 749 अरब डॉलर यानी 66 लाख करोड़ रुपए के जादुई आंकड़े को छू गई है। मस्क की रईसी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वह अब दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति, गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज से करीब 500 अरब डॉलर आगे निकल गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने टेस्ला के 139 अरब डॉलर मूल्य के उन 'स्टॉक ऑप्शंस' को फिर से बहाल कर दिया है, जिन्हें पिछले साल एक निचली अदालत ने 'अकल्पनीय' बताते हुए रद्द कर दिया था। कोर्ट ने अपने ताज़ा फैसले में माना कि मस्क का वेतन पैकेज रद्द करना उनके साथ अन्याय था। इस एक फैसले ने मस्क की नेटवर्थ में जोरदार उछाल आया। एलन मस्क और लैरी पेज की संपत्ति में अब इतना ज्यादा है कि उसमें कई छोटे देशों की अर्थव्यवस्था समा जाए।

मस्क अब इतिहास के पहले ऐसे व्यक्ति बन गए हैं जिनकी नेटवर्थ ने न केवल 600 अरब, बल्कि 700 अरब डॉलर का भी पहाड़ लांघ लिया है। इस सप्ताह एलन मस्क इतिहास में पहले ऐसे व्यक्ति बने जिनकी नेटवर्थ 600 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गई। यह बढ़त उनकी एयरोस्पेस स्टार्टअप कंपनी स्पेसएक्स के संभावित आईपीओ की खबरों के बाद देखने को मिली। टेस्ला के शेयरधारकों ने मस्क के लिए 1 ट्रिलियन डॉलर के वेतन पैकेज को मंजूरी दी है। यह कॉर्पोरेट इतिहास का सबसे बड़ा 'पे-चेक' है।

निवेशकों का मानना है कि मस्क टेस्ला को सिर्फ एक कार कंपनी नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स की दुनिया का बेताज बादशाह बना देंगे। जिस रफ्तार से मस्क की संपत्ति बढ़ रही है, अब सवाल यह नहीं है कि वह दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने रहेंगे या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि वह 'ट्रिलिनेयर' 1 लाख करोड़ डॉलर का मालिक कब बनेंगे एलन मस्क का विजन धरती पर इलेक्ट्रिक कारों से लेकर मंगल ग्रह पर बस्तियां बसाने तक है और अब उनकी दौलत भी उसी 'इंटरस्टेलर' रफ्तार से भाग रही है।

सेबी ने शॉर्ट सेलिंग नियमों में बदलाव की खबर खारिज की

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने स्पष्ट किया है कि शॉर्ट सेलिंग के नियमों में अभी कोई बदलाव नहीं हुआ है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स ने यह गलत खबर फैलाई थी कि नियमों में संशोधन हुआ है, जिसे सेबी ने खारिज किया। सेबी के एक प्रमुख अधिकारी ने नवंबर में कहा था कि नियामक जल्द ही शॉर्ट सेलिंग और सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग (एसएलबी) ढांचे की व्यापक समीक्षा के लिए एक कार्य समूह का गठन करेगा। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि नियम तुरंत बदल गए हैं। शॉर्ट सेलिंग का ढांचा वर्ष 2007 में लागू हुआ था और तब से अधिकांशत: अपरिवर्तित रहा है। वर्तमान में निवेशकों और बाजार प्रतिभागियों को मौजूदा नियमों के अनुसार ही कार्य करना होगा।

सोना 1.35 लाख के करीब, चांदी में ऐतिहासिक उछाल

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमतें रिकॉर्ड स्तर के आसपास

नई दिल्ली,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने और चांदी के वायदा कारोबार में जोरदार तेजी देखने को मिल रही है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में कीमती धातुओं के भाव रिकॉर्ड स्तर के आसपास पहुंच गए हैं। चांदी में ऐतिहासिक तेजी जबकि सोना भी अपने सर्वोच्च स्तर के बेहद करीब कारोबार कर रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 703 रुपये की तेजी के साथ 1,34,899 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,34,196 रुपये था।

इस समय सोना 1,250 रुपये की तेजी के साथ 1,35,446 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

कारोबार के दौरान इसने 1,35,495 रुपये का उच्च और 1,34,899 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोने का अब तक का सर्वोच्च स्तर 1,35,590 रुपये रहा है। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 1,036 रुपये की तेजी के साथ 2,09,475 रुपये प्रति किलो पर खुला। पिछला बंद भाव 2,08,439 रुपये था। इस समय यह 5,237 रुपये की तेजी के साथ 2,13,676 रुपये पर कारोबार कर रहा था। चांदी ने दिन के दौरान 2,13,844 रुपये प्रति किलो का नया ऑल-टाइम हाई बनाया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव रिकॉर्ड तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 4,369.90 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में 25.60 डॉलर की तेजी के साथ 4,412.90 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इसने 4,417.50 डॉलर का उच्चतम स्तर छुआ। वहीं, कॉमेक्स पर चांदी 67.55 डॉलर पर खुली और बढ़कर 68.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी, जबकि दिन का उच्च स्तर 68.96 डॉलर रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हिन्दुओं को...

भाजपा का दावा है कि यह कदम राज्य में भगवा पार्टी के बढ़ते प्रभाव को रोकने की एक राजनीतिक साजिश है। भाजपा ने स्पष्ट किया कि वे कांग्रेस सरकार द्वारा इस तरह का कानून बनाने के किसी भी प्रयास का डटकर विरोध करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के दो साल बाद सार्वजनिक बैठकों और प्रेस कॉन्फ्रेंस में सक्रिय होने पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि इससे तेलंगाना की राजनीति में कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

उन्होंने बीआरएस की तुलना ओओपी (वन टाइम पासवर्ड) से करते हुए कहा कि यह एक ओटीपी की तरह है।

आपको पासवर्ड मिलता है और लोग उसे भूल जाते हैं। फिर कुछ समय बाद दूसरा ओटीपी आता है। लोग बीआरएस को भूल चुके हैं और उन्हें याद है कि कैसे बीआरएस भ्रष्टाचार में लिप्त थी।

300 टुकड़े...

दक्षिण और पूर्वी गलियारों में विस्तार अधिक स्पष्ट है। नक्शा दिखाता है कि नया विस्तार काफी हद तक ORR की रूपरेखा से प्रेरित है। 2000 वर्ग किमी के इस मेगा मेट्रो हैदराबाद में मौजूदा 150 वार्डों को उपग्रह चित्रों पर मढ़ा गया है।

300 वार्ड क्यों ?

300 वार्डों के विस्तार का प्रस्ताव प्रशासनिक दक्षता, बेहतर सेवा वितरण और नागरिक जुड़ाव पर आधारित है। छोटे वार्डों से फील्ड स्टाफ की निगरानी, शिकायतों का त्वरित निवारण और स्पष्ट जवाबदेही संभव होती है। यह ''एक पार्षद, लगभग समान जनसंख्या'' के सिद्धांत को मजबूत करता है। सफाई, कचरा प्रबंधन, जल आपूर्ति और सड़कों जैसी सेवाएं स्थान-विशिष्ट होती हैं, जिन्हें छोटे वार्डों में बेहतर ढंग से मॉनिटर किया जा सकता है।

राजनीतिक प्रभाव: परिसीमन के राजनीतिक परिणाम भी होते हैं, जैसे जनप्रतिनिधियों/कॉर्पोरेटरों की संख्या में वृद्धि और चुनावी गणित में बदलाव। जब यह पारदर्शी और वैज्ञानिक तरीके से किया जाता है, तो यह जमीनी लोकतंत्र को मजबूत करता है। समस्या तब आती है जब कॉलोनियों को कई वार्डों में बांट दिया जाता है या प्राकृतिक सीमाओं की अनदेखी की जाती है।

हैदराबाद के विकास को देखते हुए 300 वार्ड न तो अत्यधिक हैं और न ही अभूतपूर्व। सवाल सिर्फ सरकार की मंशा पर उठ रहे है, भाजपा लगातार आरोप लगा रही है कि वार्डों का विभाजन मजलिस के अनुकूल है।

एकीकृत भौगोलिक इकाइयाँ और डेटा एनालिटिक्स

नागरिकों की एक बड़ी शिकायत यह है कि वार्ड की सीमाएं पुलिस स्टेशन, बिजली विभाग या जल बोर्ड के अधिकार क्षेत्र से मेल नहीं खातीं। ''एक भूगोल, कई प्रशासनिक परतें'' दृष्टिकोण समन्वय में सुधार कर सकता है। GHMC वार्ड को सभी नागरिक सेवाओं के लिए आधार इकाई माना जाना चाहिए।

यदि इसे वैज्ञानिक परिसीमन और सार्वजनिक परामर्श का समर्थन मिलता है, तो यह भारत में महानगरीय शासन के लिए एक मॉडल बन सकता है। शेक्सपियर ने लिखा था, ''यह पूरी दुनिया एक रंगमंच है'', हैदराबाद के परिदृश्य में भी कई पात्र (राजनेता, नौकरशाह) हैं, लेकिन नागरिक को केंद्र में रखना ही सच्चे शासन का मंत्र है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 23 दिसंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

बीरमगुड़ा गौशाला में श्री गौमाता यज्ञ एवं 15वाँ वार्षिकोत्सव श्रद्धा व भव्यता के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीरमगुड़ा के अमीनपुर मंडल स्थित श्री ब्रह्मरम्भा मल्लिकार्जुना स्वामी गौशाला में श्री कामधेनु जीव रक्षा समिति ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री गौमाता यज्ञ एवं 15वाँ वार्षिक उत्सव भव्य एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया।

यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में ट्रस्ट चेयरमैन सोहनलाल दायमा एवं अध्यक्ष ए. दामोदर रेड्डी ने संयुक्त रूप से बताया कि कार्यक्रम का आयोजन बड़ी संख्या में उपस्थित गौभक्तों के सान्निध्य में किया गया। प्रातः काल मंदिर को विशेष फूलों एवं आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया तथा ठाकुरजी का भव्य शृंगार किया गया।

इसके पश्चात हवन-यज्ञ, गौपूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन कर वार्षिकोत्सव का विधिवत शुभारम्भ सहयोगकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं गौभक्तों की उपस्थिति में किया गया। पंडितों के मंत्रोच्चारण के बीच गौशाला पदाधिकारियों द्वारा पूजा-अर्चना कर श्रीफल से आहुतियाँ दी गईं।

एक शाम गौमाता के नाम भजन संध्या में राजस्थान से पधारे सुप्रसिद्ध भजन गायक डॉ. ओमजी मुंडेल (डिगरना) ने तेजाजी महाराज के भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे।

भजन गायक दिव्या वैष्णव (जोधपुर), देवेन्द्र लांबिया ने भी राजस्थानी अंदाज में भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार शेखर सारस्वत थांवला ने किया।

यज्ञ एवं उत्सव संत सान्निध्य में सम्पन्न हुआ, जिसमें पीर मंगलनाथजी महाराज, श्रीश्री 1008 श्री नारायणनाथजी महाराज, बाल योगी पीर लक्ष्मणनाथजी महाराज (मेवड़ा), दीपकनाथजी महाराज, महेन्द्र सिंहजी तंवर, श्रीश्री 1008 संत योगी स्वरूपनाथजी महाराज एवं संत धीरजरामजी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा तेलंगाना प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर तिवारी, विधायक महिपाल रेड्डी, अविनाश देवड़ा, पांडु रंगा, नरसिंग, अंजी रेड्डी, पुष्पा यादव, एस. आदर्श रेड्डी, प्रवीण सिंह चौहान, कालू सिंह लोध, मनोहर भडियासर, शैलेंद्र उपाध्याय सहित सर्व समाज के अध्यक्ष, सचिव, सम्मानित अतिथि, दानदाता एवं ट्रस्टी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का मंच पर शॉल, पुष्पमालाएँ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। वेद सेवा एवं गौसेवा कार्यों के लिए गौसेवा दल को भी स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

श्रीश्री 1008 श्री नारायणनाथजी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि गाय बचेगी तभी भारतीय संस्कृति बचेगी। प्रत्येक गौभक्त को प्रतिदिन गौमाता की सेवा एवं गौदान से दिन की शुरुआत करनी चाहिए।

विधायक श्री महिपाल रेड्डी ने 15वें वार्षिकोत्सव की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि तेलंगाना में बसे सभी प्रवासी बंधु तेलंगानावासी हैं और राज्य के चहुंमुखी विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने गौशाला को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

पेपर विज्ञापन के लाभार्थी पुरुषोत्तम एवं श्रीमती राजकुमारी मिश्र (ज्ञानबाग कॉलोनी) को विशेष सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। चेयरमैन सोहनलाल दायमा ने गौभक्तों को वार्षिकोत्सव की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जो सच्चे मन से गौमाता की सेवा करता है, वह सदैव सुख-समृद्धि प्राप्त करता है। उन्होंने बताया कि पाँच गौमाताओं से प्रारम्भ हुई गौशाला में आज 15वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर दानदाताओं के सहयोग से 1080 गौवंश एवं कबूतरों का सुव्यवस्थित संरक्षण किया जा रहा है।

श्रद्धालुओं के लिए गौशाला परिसर में भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई। इस महोत्सव में लगभग 8 से 10 हजार श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

महोत्सव में ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन सोहनलाल दायमा, अध्यक्ष ए. दामोदर रेड्डी, वाइस प्रेसिडेंट अमृतलाल शर्मा, सुखदेव जोशी, के. भूपाल रेड्डी, मंत्री दीपक माली, सहमंत्री मांगीलाल चौधरी, अशोक पारीक, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र तिवाड़ी, संरक्षक ट्रस्टी सुरेशकुमार सिंघल, प्रहलाद दायमा, लक्ष्मीनारायण लोहिया, घनश्याम पटेल ट्रस्टी पुरुषोत्तम तिवाड़ी, श्याम सुन्दर दायमा, वेनाराम चौधरी, मनोजकुमार चोकडा, सुरेन्द्र गोयल, सतीशकुमार सोनी, विनोदकुमार बांगड, राजकुमारी मिश्र, मेघराज तिवाड़ी, महेन्द्र तिवाड़ी, श्यामसुन्दर लोहिया, शिवप्रकाश मंत्री, हर्ष अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण सुंठवाल, महावीर जोशी, रमेशकुमार बोहरा, पुनाराम चौधरी, सीए विनीत पारीक, सानतना बाबू, ए. नरसिम्हा रेड्डी, एल. सत्यनारायण रेड्डी, बी. के राघव रेड्डी, के. मल्लेश (कौन्सलर), जी.वी.वी. गिरी, ए. श्रीनिवास रेड्डी, सीए कोमल, संदीप कोठारी, सीए निकिता अग्रवाल, स्व. भाईलाल पटेल, शांताबेन पटेल, धरमिष्ठाबेन पटेल, अमित पटेल, राधा पटेल, अक्षय पटेल, मानसी पटेल, पी. जयकृष्णा रेड्डी, मनोज जैन, प्रेमराज बोहरा, सुरेश बोहरा, राम गोयल, बचनाराम, प्रेमेश्वर वैष्णव, बी. विठ्ठल, ओमप्रकाश गेहलोत, बी. श्रीनिवास (साई बुक हाऊस), समस्त श्री ब्रह्मराम्भा मल्लिकार्जुना स्वामी गौशाला ट्रस्ट एवं राजस्थानी गौशाला गैर मंडली 36 कौम, बिरमगुडा , सदस्यों, दान-दाताओं, रामदेव मित्र मंडल, राजस्थानी गैर मंडली, महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम की कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी ने की। सीधा यूट्यूब लाइव प्रसारण एवं हरिओम साउंड की व्यवस्था रविन्द्र नाथ (काटेदान) द्वारा की गई।

अंत में अध्यक्ष ए. दामोदर रेड्डी ने पधारे सभी गौभक्तों, संतों, अतिथियों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के फोरम ऑफ पास्ट प्रेजिडेंट्स की तृतीय सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के फोरम ऑफ पास्ट प्रेजिडेंट्स की एक महत्वपूर्ण तृतीय सभा होटल रॉयलटन, चिराग अली लेन, अबिड्स में सम्पन्न हुई।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के पूर्व अध्यक्ष अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस सभा में समाज के संस्थापक अध्यक्ष शरद बी. पित्ती के साथ-साथ सर्वश्री विनय सी. अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, अजित गुप्ता, मेघराज अग्रवाल, नरेश चौधरी, दुर्गा प्रसाद नरेठा, सुभाष अग्रवाल, अंजनी कुमार अग्रवाल एवं मनीष अग्रवाल ने सहभागिता की।

सभा में अग्रवाल समाज की वर्तमान स्थिति, संगठनात्मक ढांचे तथा हालिया गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। समाज को और अधिक सशक्त, संगठित एवं प्रगतिशील बनाने को लेकर विचार-विमर्श हुआ तथा पूर्व अध्यक्षों ने अपने अनुभव साझा किए।

सभा में समाज में पति-पत्नी के आपसी संबंधों में बढ़ते तनाव एवं इसके चलते टूटते पारिवारिक रिश्तों पर गहन चिंता व्यक्त की गई। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि समाज में ऐसे दंपतियों को समय रहते उचित परामर्श उपलब्ध कराया जाए, जिससे उनके वैवाहिक संबंधों को टूटने से बचाया जा सके। इसके लिए समाज के पूर्व अध्यक्ष अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

सभा में पूर्व में सम्पन्न बैठकों में फोरम ऑफ पास्ट प्रेजिडेंट्स द्वारा समाज के सुचारु संचालन एवं प्रगति हेतु दिए गए सुझावों पर भी चर्चा की गई।

सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि समाज हित में पूर्व अध्यक्षों द्वारा दिए गए सुझावों को लागू कराने हेतु समाज के वर्तमान अध्यक्ष को फोरम ऑफ पास्ट प्रेजिडेंट्स की ओर से एक औपचारिक पत्र भेजा जाएगा। साथ ही, समाज के हित में फोरम ऑफ पास्ट प्रेजिडेंट्स की बैठकों के नियमित आयोजन का भी निर्णय लिया गया।

अग्रवाल समाज आबिड्स शाखा द्वारा नरसिंगी गांडीपेट गौशाला में स्नेह सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज आबिद शाखा की ओर से नववर्ष 2026 के स्वागत से पूर्व नरसिंगी गांडीपेट स्थित गौशाला में एक स्नेहपूर्ण गेट-टुगेदर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के सभी आयु वर्ग के सदस्यों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस गेट-टुगेदर में अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष श्री रूपेश अग्रवाल, महासचिव विकास किशन, कोषाध्यक्ष अंचल गुप्ता एवं आई.पी.पी. मनीष अग्रवाल की विशेष उपस्थिति रही।

इसके साथ ही नरसिंगी गौशाला के महासचिव श्री सुरेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री कैलाश डालिया एवं संयुक्त सचिव श्री श्रीगोपालजी सोनी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का आबिद शाखा के पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष पी.डी. गुप्ता ने आबिद शाखा के सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए आने वाले नववर्ष 2026 के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सदस्यों से आबिद शाखा की सदस्यता बढ़ाने एवं भविष्य में और अधिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया तथा उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज आबिद शाखा के अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम दास गुप्ता, उपाध्यक्ष श्री प्रमोद अग्रवाल, सचिव संजय अग्रवाल, श्रीमती नीना अग्रवाल जैन, सचिव मनीष अग्रवाल (आई.पी.पी.), अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ताजी, उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, सचिव विकास किशन, कोषाध्यक्ष अंचल गुप्ता, दिनेश रुंगटा, राजेंद्र जालान, अनिकेत जालान सहित शाखा के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

नए साल और त्यौहारी सीज़न पर तीन दिवसीय हाईलाइफ विशेष प्रदर्शनी 27 से

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नए साल और त्यौहारी सीज़न का तीन दिवसीय हाईलाइफ की विशेष प्रदर्शनी का आयोजन आगामी 27, 28 एवं 29 दिसंबर को माधापुर स्थित नोवोटेल हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एचआईसीसी) में किया जाएगा।प्रदर्शनी की प्रचार सामग्री बंजाराहिल्स में आयोजित कार्यक्रम में जारी की गयी। अभिनेत्री लीला तथा अभिनेत्री रम्या सहित शहर की प्रमुख मॉडलों ने हाईलाइफ प्रदर्शनी की प्रचार सामग्री के लोकार्पण के अवसर पर विभिन्न डिज़ाइनरों के परिधानों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी के मुख्य संयोजक एबे पी. डामनिक ने बताया कि हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी आगामी विवाह के मौसम को ध्यान में रखते हुए विशेष आकर्षण का केंद्र होगी।उन्होंने कहा कि हैदराबाद में

आगामी 27, 28 एवं 29 दिसंबर के दिन फैशन प्रेमियों के लिए खास होंगे। इन तीन दिनों में नए साल और शादी के लिए आभूषण, दुल्हन की पोशाकें, शादी की साड़ियां, आवश्यक सामग्री, फैशन और जीवन शैली के उत्पाद, डिज़ाइनर परिधान आदि के लिए यह प्रदर्शनी लोगों के लिए उत्तम विकल्प होगी। इसमें देश के बड़े वेडिंग डिज़ाइनर्स परिधानों, आभूषणों और फुटवियर के साथ साथ एसेसरीज के साथ मौजूद होंगे।डॉमनिक ने बताया कि हाईलाइफ प्रदर्शनी अपनी तरह की अनूठी और सबसे बड़ी प्रदर्शनी है, जिसमें शादी व दुल्हन की ज़रूरतों के साथ-साथ फैशन और लाइफस्टाइल का कलेक्शन पेश होगा।

परिवार से बढ़कर है राधे-राधे ग्रुप : नीलम विजयवर्गीय

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप केवल एक सेवा संगठन नहीं, बल्कि प्रेम, संस्कार और अपनत्व से सजा ऐसा परिवार है, जहां जुड़ते ही मन को आत्मिक शांति का अनुभव होता है। इस परिवार का हिस्सा बनकर सेवा का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। ये भाव राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा दे रहीं नीलम विजयवर्गीय ने व्यक्त किए।बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने

संचालित नियमित अन्नदान केंद्र पर उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपने परिवार के लिए भी समय नहीं निकाल पाते, ऐसे समय में राधे-राधे ग्रुप हर जरूरतमंद की चिंता को अपनी जिम्मेदारी समझता है। यहां सेवा केवल भोजन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि करुणा, स्नेह और मानवीय मूल्यों का संगम देखने को मिलता है।श्रीमती नीलम विजयवर्गीय ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप के साथ जुड़कर सेवा करने से मन को गहरी शांति और जीवन को नई दिशा मिलती है। उन्होंने इस पुनीत सेवा कार्य के लिए सतीश गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल एवं महेश जी अग्रवाल के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इनके समर्पण और प्रेरणा से यह सेवा निरंतर आगे बढ़ रही है। इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल,विनोद तोष्णीवाल, अनिल अग्रवाल, पन्नालाल, गोविंदराम पचेरिया, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप एक परिवार है, यह सब राधे राणी की कृपा से संभव : आशा गुप्ता

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से निरंतर जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में अपने भाव व्यक्त करते हुए श्रीमती आशा गुप्ता ने कहा कि राधे राधे ग्रुप केवल एक सेवा संगठन नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, विश्वास और समर्पण से जुड़ा एक सच्चा परिवार है। इस सेवा यात्रा में जो ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है, वह सब राधे राणी की असीम कृपा का ही प्रतिफल है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान जैसी सेवा से न केवल जरूरतमंदों की भूख मिटती है, बल्कि सेवा करने वालों के मन में करुणा, संस्कार और आत्मिक शांति का भाव भी जागृत होता है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किया जा रहा यह सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

श्रीमती आशा गुप्ता ने ग्रुप से जुड़े सभी सदस्यों के सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि हर सदस्य बिना किसी भेदभाव के, परिवार की भावना से सेवा में जुटा रहता है। यही राधे राधे ग्रुप की सबसे बड़ी पहचान और शक्ति है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राधे राणी की कृपा से यह सेवा अभियान निरंतर और अधिक विस्तार के साथ आगे बढ़ता रहेगा।

इस अवसर पर सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा तेलवाले, उमाकांत गुप्ता, जयप्रकाश सारडा, रणधीर, राधिका बंसल, संजय गुप्ता सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

छिपे पर्यटन स्थलों को प्रोत्साहन के लिए नकद पुरस्कार : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने जिले के छिपे हुए पर्यटन स्थलों को फोटो और वीडियो के माध्यम से दुनिया के सामने लाने वालों को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। सोमवार को जिला पर्यटन विभाग के अधिकारी अशफाक अहमद ने एकीकृत जिला कलेक्टर कार्यालय में 100 वीकेंड वंडर्स पुस्तक की प्रतियों का अनावरण किया।

कलेक्टर ने कहा कि कर्मचारी, छात्र और परिवार सप्ताहांत में नए स्थानों की तलाश करते हैं। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य झरने, प्राचीन मंदिर, ट्रेकिंग स्थल जैसे 100 अज्ञात स्थलों की पहचान कर कॉफी टेबल बुक तैयार करना है। प्रविष्टियां प्रकृति, वन्यजीव, कला-संस्कृति, विरासत, जल निकाय, व्यंजन, फार्म स्टे, रिसॉर्ट, आध्यात्मिक और साहसिक श्रेणियों में भेजी जा सकती हैं।

प्रत्येक प्रविष्टि में 3 अच्छी तस्वीरें, 60 सेकंड का वीडियो और 100 शब्दों का विवरण (परिवहन, आवास, बजट सहित) होना चाहिए, जिसे ऋ्रसश्रश ऋॲा या सोशल मीडिया पर टैग किया जा सकता है। प्रथम पुरस्कार 50,000 रुपये, द्वितीय 30,000 रुपये, तृतीय 20,000 रुपये तथा सांत्वना पुरस्कार में ग्रीन होटलों में मुफ्त आवास मिलेगा। इच्छुक 5 जनवरी तक प्रविष्टियां भेजें। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी और अन्य लोग उपस्थित रहे।

जीएचएमसी को सौंपा नया सामुदायिक हॉल बनाने की याचिका

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के प्रजावाणी कार्यक्रम में सोमवार को सुबह 11:30 बजे खैरताबाद जोन के जोनल कमिश्नर को नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण के नेतृत्व में जयगुडा इमामपुरा डिवीजन में जर्जर जीएचएमसी कम्युनिटी हॉल के स्थान पर नया सामुदायिक हॉल बनाने की याचिका सौंपी गई।

जयगुडा इमामपुरा नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण ने कहा कि इमामपुरा स्थित जीएचएमसी सामुदायिक भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है, जिसकी शुरुआत 1970 में तत्कालीन विधायक नागम कृष्ण मूर्ति ने की थी। यह भवन सार्वजनिक गतिविधियों, अक्षरा ज्योति, सिलाई प्रशिक्षण केंद्र और चुनावों के लिए उपयोग होता रहा है, लेकिन बारिश में पानी रिसता है और सीढ़ियां गिरने के खतरे में हैं।

नव भारत संगम ने जीएचएमसी से इस स्थान पर शीघ्र नया सामुदायिक भवन बनाने का आग्रह किया ताकि नागरिक कल्याणकारी गतिविधियां सुचारु रूप से चल सकें।

कार्यक्रम में अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, सलाहकार डी. संतोष कुमार, आर. बालकिशन, उपाध्यक्ष जी. विनय कुमार, महासचिव वाई. जसवंत कुमार, कोषाध्यक्ष एम. महेश बाबू सहित अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

बेगम बाजार पोस्ट ऑफिस के पास श्रवण सोलंकी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए चैलेंदर फ्रेंड्स क्लब के सदस्य।

मतदाता सूची में त्रुटियों को दूर करने के लिए कदम उठाएं : सुदर्शन रेड्डी

आसिफाबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुदर्शन रेड्डी ने विशेष व्यापक समीक्षा के दौरान मतदाता सूची में त्रुटियों की अनुपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया। सोमवार को हैदराबाद से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के निर्वाचन अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने विशेष गहनता संशोधन कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से कार्यान्वित करने के निर्देश दिए।

सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि मतदाता सूची में संशोधन के लिए मुद्दों की पूर्व निगरानी की जानी चाहिए। जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे तथा राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव ने एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के मीडिया कॉन्फ्रेंस हॉल से बैठक में भाग लिया। उन्होंने बताया कि निर्वाचन क्षेत्रों में प्रत्येक मतदान केंद्र का मानचित्रण तैयार किया जाएगा तथा तहसीलदार बूथ स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा करेंगे।

जिले के दो निर्वाचन क्षेत्रों में 4 लाख 64 हजार 785 मतदाता हैं, जिनकी सूची को ए, बी, सी और डी श्रेणियों में विभाजित कर संशोधन कार्यक्रम चलाया जाएगा। फॉर्म 8 के माध्यम से आवेदन स्वीकार कर त्रुटियां दूर की जाएंगी। बैठक में निर्वाचन विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय गणित दिवस धूमधाम से मनाया गया

जगतिया , 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जागतियाल जिले के कोरुटला शहर स्थित नवज्योति हाई स्कूल में राष्ट्रीय गणित दिवस बड़े पैमाने पर मनाया गया। यह कार्यक्रम प्रसिद्ध भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती पर आयोजित हुआ।

छात्रों ने गणित से जुड़े प्रोजेक्ट वर्क और वर्किंग मॉडल प्रदर्शित किए। रोजमर्रा की जिंदगी में गणित के उपयोग को दर्शाने वाले मॉडल विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। 22 दिसंबर को भारत सरकार ने राष्ट्रीय गणित दिवस घोषित किया है।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 26 फरवरी 2012 को मद्रास विश्वविद्यालय में रामानुजन की 125वीं जयंती पर 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस घोषित किया तथा 2012 को राष्ट्रीय गणित वर्ष बनाया।

स्कूल प्रिंसिपल सुजाता सुकुमारन ने कहा कि गणित छात्रों में सोचने की क्षमता और समस्या समाधान कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षकों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

महिला सशक्तिकरण के समर्थन में क्रिसमस कार्निवल आयोजित

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। द प्रेमिया एकेडमी ने अपने बहुप्रतीक्षित एनचेंटिंग क्रिसमस कार्निवल 2025 की मेजबानी की। इस उत्सव ने उत्सव की खुशियों को एक जीवंत सामुदायिक कार्यक्रम में बदल दिया। स्कूल परिसर को क्रिसमस ट्री, घंटियों, सितारों, स्नोमैन और सांता-थीम वाले फोटो बूथों से खूबसूरती से सजाया गया था, जिसने छात्रों, अभिभावकों और आगंतुकों के लिए एक खुशनुमा माहौल तैयार किया।दिन भर चले इस कार्निवल में छात्रों, अभिभावकों और बड़े समुदाय ने हिस्सा लिया। मनोरंजन सवारी (आीिशाशपीं ॲळवशी), फूड स्टॉल, खेल, छात्रों के सांस्कृतिक प्रदर्शन, संगीत, नृत्य और इंटरैक्टिव गतिविधियों ने सभी के लिए क्रिसमस के अनुभव को यादगार बना दिया।

इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण छात्रों के नेतृत्व वाली उद्यमशीलता पहल थी। विद्यार्थियों ने स्वयं हस्तनिर्मित रेजिन कीचेन, बुकमार्क, मोमबत्तियाँ, पेंटिंग और अन्य रचनात्मक उत्पादों के स्टॉल लगाए और उनका प्रबंधन किया। यह व्यावहारिक भागीदारी अकादमी के मसर्विस-एज-एक्शनफ के सिद्धांत को दर्शाती है, जो छात्रों को करुणा, जिम्मेदारी और सामुदायिक योगदान का महत्व सिखाती है।

जगतियाल विधायक ने सीएम से यावर रोड विस्तार पर चर्चा की

जगतियाल, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विधायक डॉ. संजय कुमार ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके कार्यालय में मुलाकात कर जगित्याल चुनाव क्षेत्र के लोगों की ओर से धन्यवाद दिया। उन्होंने यावर रोड को चौड़ा करने के मुद्दे पर चर्चा की, जो लंबे समय से स्थानीय लोगों की मांग रही है।2001 से पहले यावर रोड 80 फीट चौड़ी थी, जो मुख्य रूप से कमर्शियल क्षेत्र है। 2021 में इसे 100 फीट सड़क के साथ कमर्शियल जोन में परिवर्तित किया गया। सीएम ने तुरंत प्रिंसिपल सेक्रेटरी श्रीदेवी को विस्तार के निर्देश दिए तथा जगित्याल शहर को 62.50 करोड़ का सर्वाधिक फंड देने का वादा किया।विधायक ने इंटीग्रेटेड स्कूल, सेंट्रल स्कूल और चलगल में जमीन आवंटन की मांग की। सीएम ने सेक्रेटरी इरिगेशन राहुल बोज्जा को जमीन देने के निर्देश दिए। 204 करोड़ मंजूर हो चुके हैं, जिसमें 135 करोड़ से अस्पताल भवन का टेंडर पूरा हुआ तथा जनवरी में भूमि पूजन होगा।डॉ. संजय कुमार ने कहा कि यावर रोड विस्तार होने पर ही राजनीति में रहेंगे तथा विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य करेंगे। मुलाकात में सीएम को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

अस्पतालों में खाद्य आपूर्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

आसिफाबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और क्षेत्रीय अस्पतालों में रोगियों व चिकित्सा कर्मियों के लिए भोजन आपूर्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सरकारी अस्पताल अधीक्षण अधिकारी ने 2 वर्ष की अवधि के लिए सिरपुर टाउन, बेज्जूर, तिरयानी, वांकिडी, जैनूर और कागजनगर क्षेत्र अस्पतालों हेतु आवेदन मांगे हैं।

आवेदन इस माह 23, 24 और 27 दिसंबर को सुबह 10:30 से शाम 5 बजे तक तथा 31 दिसंबर को दोपहर 2 बजे तक जिला मुख्यालय अस्पताल अधीक्षक के नाम 5 रुपये के डिमांड ड्राफ्ट के साथ जमा करें। पात्र स्थानीय या संयुक्त आदिलाबाद जिला महिला संघों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 50 हजार रुपये तथा सरकारी अस्पतालों को 50 हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। क्षेत्रीय अस्पताल के लिए 1 लाख रुपये डिमांड ड्राफ्ट के रूप में प्रदान किए जाएंगे।

दुर्घटना स्थल का डीसीपी ने किया निरीक्षण

मंचेरियाल, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जयपुर थाना क्षेत्र के इंदारम क्रॉस रोड पर हुई सड़क दुर्घटना स्थल का डीसीपी ए. भास्कर ने स्वयं निरीक्षण किया। इस हादसे में महाराष्ट्र के चंद्रापुर से 22 मजदूरों को लेकर सुल्तानाबाद जा रहे ट्रॉली वाहन को पीछे से लॉरी ने टक्कर मार दी, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई और 14 घायल हुए। घायलों को चंद्रापुर सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया।निरीक्षण के दौरान डीसीपी ने अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों की जानकारी ली और सटीक जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी तथा भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए तत्काल सुरक्षा उपाय कड़े किए जाएंगे।

इस अवसर पर जयपुर एसीपी आर. वेंकटेश्वरलू, जयपुर सीआई नवीन, एसआई श्रीधर सहित पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

धनुर गांव में जयश्री ने सरपंच पद की शपथ ली

मदनूर, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। धनुर गांव की नवनिर्वाचित सरपंच जयश्री देवीदास देवकते ने सोमवार को ग्राम पंचायत कार्यालय में शपथ ग्रहण की। विशेष अधिकारी एम.डी. मुजीप ने उपसरपंच देवकते कविता सहित वार्ड सदस्यों डी.अनीता, के.गोविंद, स.सूर्यकांत, स.सुरेखा, ई.नागमणि और लक्ष्मण को शपथ दिलाई।शपथ ग्रहण के बाद ग्रामीणों ने शाल और फूल मालाओं से सरपंच व वार्ड सदस्यों का मर्यादा पूर्वक सम्मान किया तथा जयश्री देवकते को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।नवनिर्वाचित सरपंच जयश्री ने कहा कि ग्रामीणों ने आशीर्वाद देकर सरपंच पद प्रदान किया है और वे हमेशा गांव की सेवा के लिए तत्पर रहेंगी। इस अवसर पर ग्रामीणों और कांग्रेस नेताओं की बड़ी संख्या उपस्थित रही।

राष्ट्रीय मेगा लोक अदालत में 4,411 मामलों का निपटारा

मंचेरियाल, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय मेगा लोक अदालत में रामगुंडम पुलिस कमिश्नरेट के पेद्दापल्ली और मंचेरियाल जोन के विभिन्न थानों में कुल 4,411 मामलों का समाधान किया गया। इनमें आईपीसी 386, एसएलएल 16, ई-पेटी 2,971 और ड्रंक एंड ड्राइव 1,038 मामलों का निपटारा हुआ।

साइबर अपराध से जुड़े 59 मामलों में पीड़ितों को कुल 53,24,105 रुपये वापस दिलाए गए। रामगुंडम कमिशनरेट क्षेत्र के 54 मामलों में 24,98,879 तथा सीसीपीएस रामगुंडम थाना के 5 मामलों में 28,25,226 रुपये का रिफंड शामिल है।

पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने बताया कि 15 दिनों से पक्षकारों को सुलह-समझौते के लिए प्रेरित किया गया, जिससे लक्ष्य से अधिक निपटारा हुआ। उन्होंने पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, न्यायालय स्टाफ और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सराहना की तथा उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं को पुरस्कार देने की घोषणा की।

चेक बाउंस मामले में 1 साल जेल व 15 लाख जुर्माना

बेल्लमपल्ली, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार को बेल्लमपल्ली जूनियर सिविल कोर्ट के जज मुकेश कुमार ने चेक बाउंस मामले में आरोपी दसारी विज्ञान को 1 वर्ष की जेल और 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। शिकायतकर्ता बांका कुमार के मामले में यह फैसला सुनाया गया।

वन टाउन सीआई श्रीनिवास राव ने बताया कि 2021 में आरोपी दसारी विज्ञान ने अपनी जरूरत के लिए बांका कुमार से 12 लाख रुपये उधार लिए और जमानत के तौर पर 12 लाख का चेक दिया। रुपये लौटाने पर आरोपी ने टालमटोल की, जिससे तंग आकर कुमार ने सबूतों के साथ कोर्ट में मामला दर्ज किया। अदालत में जुर्म साबित होने पर यह सजा सुनाई गई।

एक जनवरी की तारीख नोट करें! जब हैदराबाद बनेगा पूरे देश का ट्रेड हब, शुरू होगी नुमाइश 2026

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
देश के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित औद्योगिक मेलों में शामिल हैदराबाद नुमाइश 2026 का आयोजन 1 जनवरी 2026 से शुरू होने जा रहा है।

ऑल इंडिया इंडस्ट्रियल एग्जीबिशन के तहत आयोजित इस भव्य मेले में देशभर से व्यापारी, उद्योगपति और कारीगर हिस्सा लेंगे। आधुनिक तकनीक, घरेलू उत्पाद, हस्तशिल्प, फैशन और स्वादिष्ट व्यंजन - सब कुछ एक ही छत के नीचे देखने को मिलेगा। हर साल की तरह इस बार भी लाखों दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है।

हैदराबाद की शान और देश की सबसे पुरानी प्रदर्शनियों में से एक नुमाइश के 85वें संस्करण की तैयारियां ज़ोर-शोर से शुरू हो चुकी हैं।

यह ऐतिहासिक प्रदर्शनी नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में आयोजित की जाएगी और 45 दिनों तक चलेगी।

प्रमुख तिथियां व समय : उद्घाटन: 1 जनवरी 2026, समापन: 15 फरवरी 2026 और अवधि: 45 दिन,

समय: सामान्य दिन: शाम 4:00 बजे से रात 10:30 बजे तक, वीकेंड: रात 11:00 बजे तक।

खरीदारी और व्यापार का महाकुंभ

नुमाइश केवल एक मेला नहीं, बल्कि व्यापार और संस्कृति का अनूठा संगम है। यहां देशभर से व्यापारी अपने विशिष्ट और पारंपरिक उत्पादों के साथ आते हैं।

कश्मीर का असली केसर, सूखे मेवे और हस्तनिर्मित शॉल हमेशा आकर्षण का केंद्र रहते हैं। मुरादाबाद के पीतल के बर्तन, सहारनपुर का लकड़ी का फर्नीचर, लखनऊ की चिकनकारी, दक्षिण भारत की सिल्क साड़ियां, क्रॉकरी, बेडशीट और रसोई के आधुनिक गैजेट्स - सब कुछ यहां एक ही स्थान पर उपलब्ध होता है।

स्वाद और मनोरंजन का भरपूर तड़का

खरीदारी के साथ-साथ नुमाइश अपने विशाल फूड कोर्ट के लिए भी प्रसिद्ध है।

यहां विश्व प्रसिद्ध हैदराबादी हलीम, लज़ीज़ बिरयानी और ईरानी चाय का स्वाद लिया जा सकता है। इसके अलावा दिल्ली की चाट, राजस्थानी मिठाइयां और देश-विदेश के व्यंजन भी लोगों को खूब लुभाते हैं।

मनोरंजन के लिए विशाल झूले, कोलंबस और रोमांचक राइड्स बच्चों और युवाओं के लिए मुख्य आकर्षण रहती हैं।

सुरक्षा और सुविधाओं पर विशेष ध्यान

प्रदर्शनी समिति ने इस वर्ष सुरक्षा और सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

प्रदर्शनी के दौरान कुछ विशेष दिन केवल महिलाओं और बच्चों के लिए आरक्षित किए जाते हैं, ताकि वे बिना भीड़-भाड़ के मेले का आनंद ले सकें।

पूरे परिसर को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया गया है। चौबीसों घंटे समर्पित पुलिस स्टेशन और अग्निशमन दल तैनात रहेगा। वरिष्ठ नागरिकों के लिए बैटरी चालित वाहन और प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

क्यों खास है हैदराबाद नुमाइश

1938 में शुरू हुई यह प्रदर्शनी आज एक वैश्विक पहचान बन चुकी है। इसका मुख्य उद्देश्य स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देना और देश के कारीगरों को एक बड़ा मंच प्रदान करना है।

इस वर्ष अनुमान है कि 20 लाख से अधिक लोग इस ऐतिहासिक मेले का हिस्सा बनेंगे, जिससे हैदराबाद एक बार फिर पूरे देश का ट्रेड हब बन जाएगा।

कैलाश राठौड़ के ऑल इंडिया सैन जी महासंघ ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोनीत होने पर अभिनंदन

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
वारिसगुड़ा निवासी श्री कैलाश राठौड़ के ऑल इंडिया सैन जी महासंघ ट्रस्ट, नई दिल्ली के अध्यक्ष पद पर मनोनीत होने पर राजस्थानी समाज टीम वारिसगुड़ा की ओर से भव्य अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर गोविंद सोमानी द्वारा श्री कैलाश राठौड़ का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में कमल चौहान, गोपाल लड्डा, गणेश चौधरी, ओमप्रकाश पवार, हरिकिशन मूंदड़ा, गोपाल सोमानी, हनुमान मनियार, मोतीराम अगलेचा एवं शिवप्रकाश लाहोटी सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।उपस्थित सदस्यों ने श्री कैलाश राठौड़ को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में ऑल इंडिया सैन जी महासंघ ट्रस्ट समाज हित में नई ऊंचाइयों को छुएगा तथा संगठन को मजबूती प्रदान करेगा।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झूला शाखा द्वारा अन्नदान कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।यह सेवा कार्यक्रम ऐतिहासिक सिटी कॉलेज और तेलंगाना उच्च न्यायालय के समीप आयोजित किया गया। इस क्षेत्र में आने वाले जरूरतमंदों, राहगीरों और दैनिक मजदूरों को भरपेट भोजन कराया गया। इस अवसर पर घांसी झूला शाखा के सक्रिय सदस्यों के साथ-साथ समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज सोमाजीगुड़ा-बेगमपेट की मासिक सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज सोमाजीगुड़ा-बेगमपेट की मासिक बैठक पर्यटक भवन, बेगमपेट में आयोजित की गई। सर्वप्रथम शाखा अध्यक्ष श्रीमती कविता अग्रवाल ने महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया तथा उपस्थित सभी सदस्यों का अभिनंदन किया।सभा में शाखा के वरिष्ठ सदस्य श्री सुभाष अग्रवाल के दामाद श्री जीतेन्द्र अग्रवाल एवं शाखा के पूर्व अध्यक्ष श्री रोहित अग्रवाल की माता श्रीमती रमारानी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।इस अवसर पर केंद्रीय समिति द्वारा आयोजित अग्र सुपर सिंगर टैलेंट कार्यक्रम में शाखा के श्री निधीश सिंघल के अगले राउंड में पहुँचने पर उन्हें हार्दिक बधाई दी गई।

बैठक में शाखा द्वारा एकल विद्यालय को दिए जा रहे वार्षिक सहयोग को आगे भी जारी रखने पर सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से सहमति प्रदान की। समाजहित में किए जा रहे कार्यों की सभी सदस्यों ने सराहना की।

उपाध्यक्ष श्रीमती संगीता अग्रवाल ने उपस्थित सभी सदस्यों को अग्रिम नववर्ष की शुभकामनाएं दीं तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए श्री दिलीप चैन वाला का धन्यवाद ज्ञापित किया।सभा में यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी मासिक सभाएं प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी, जिस पर सभी सदस्यों ने सहमति व्यक्त की।

सेवा और संस्कार का दिव्य संगम : अनिता नथानी

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद केवल सेवा का मंच नहीं, बल्कि संस्कार, श्रद्धा और समर्पण से सजी एक आध्यात्मिक साधना है, जहां प्रत्येक सेवा कार्य ईश्वर की आराधना बन जाता है। उक्त विचार नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265-ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में अनिता नथानी ने व्यक्त किए।

श्रीमती अनिता नथानी ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ सेवा भाव से कार्य कर रहा है, उसका शब्दों में वर्णन करना संभव नहीं है। यहां अन्नदान केवल भूख मिटाने का माध्यम नहीं, बल्कि मानव सेवा के माध्यम से प्रभु सेवा का साक्षात अनुभव होता है। सेवा करते समय मन में करुणा, प्रेम और भक्ति का भाव स्वतः जागृत हो जाता है।

उन्होंने कहा कि सतीश गुप्ता, जगतनारायण जी, रामप्रकाश जी एवं महेश जी द्वारा सामूहिक संकल्प के साथ आरंभ किया गया यह सेवा कार्य आज ईश्वर की कृपा से वटवृक्ष का रूप ले चुका है। राधे-राधे ग्रुप में न कोई छोटा है, न बड़ायहां सभी सेवक एक समान भाव से प्रभु के कार्य में लगे हुए हैं, जहां सेवा ही साधना और संस्कार ही पहचान है।

इस अवसर पर महेश गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल,उमाकांत गुप्ता, ई जगन चंपापेट, भगतराम गोयल, भाकरराम कुमावत, कमला देवी, अशोक गुप्ता,गौरव गोयल, बरखा गोयल, राजेश नथानी, अनिता नथानी, प्रतीका अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

वीर बाल दिवस से युवाओं में साहस का प्रोत्साहन : आदेपु भास्कर

आसिफाबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कल्याण अधिकारी आदेपु भास्कर ने कहा कि वीर बाल दिवस के माध्यम से युवाओं में साहस और व्यापक मानवीय मूल्यों को प्रोत्साहित किया जाएगा। जिला महिला एवं बाल कल्याण विभाग और महिला सशक्तिकरण केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में 29 दिसंबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे।

प्रतिवर्ष 26 दिसंबर को मनाए जाने वाले इस दिवस पर आंगनवाड़ी विद्यालयों में कहानी सुनाना व खेलकूद, प्राथमिक विद्यालयों में चित्रकला व कहानी, उच्च विद्यालयों में निबंध लेखन तथा कॉलेजों में वाद-विवाद प्रतियोगिताएं होंगी। विजेताओं को 30 दिसंबर को जिला कलेक्टर द्वारा पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया जाएगा।कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण केंद्र की जिला समन्वयक शारदा, लैंगिक समानता विशेषज्ञ रानी, राजेश्वरी, स्कूल शिक्षिकाएं, प्रशिक्षु और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का.), हैदराबाद (3) की छमाही बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हैदराबाद (3) की 17वीं एवं 18वीं छमाही बैठक दिनांक 19.12.2025 को शाम 3.30 बजे सीएसआईआर – राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में स्थित एस बी हाल में आयोजित हुई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नराकास (का.) हैदराबाद (3) के अध्यक्ष तथा सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. प्रकाश कुमार ने की। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), बेंगलूरु के उप निदेशक श्री अनिर्बान कुमार बिश्वास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। हिन्दी शिक्षण योजना की उप निदेशक (प्रभारी) डॉ. सीमा कुमारी और श्री चि.वें. सुब्बाराव, समिति के सदस्य सचिव एवं वरि. हिन्दी अधिकारी, सीएसआईआर-एनजीआरआई भी मंचासीन अतिथियों में थे।

इस अवसर पर नराकास, हैदराबाद (3) के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश कुमार ने बैठक में उपस्थित सदस्य कार्यालय अध्यक्षों एवं हिन्दी पदाधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस बैठक के साथ इस समिति के गठन के 9 वर्ष पूरे हो गए और उन्होंने इस अवसर पर सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने सभी सदस्य कार्यालय प्रमुखों से अनुरोध किया है कि जनवरी 2026 में राजभाषा विभाग द्वारा इन्दौर में आयोजित किए जा रहे क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन भाग लें। उन्होंने 12 नवंबर 2025 को समिति की ओर से सदस्य कार्यालयों के लिए आयोजित हिन्दी कार्यशाला में उपस्थित 67 सदस्यों की प्रशंसा की। उन्होंने संसदीय राजभाषा समिति द्वारा समय-समय पर हर मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालयों के किए जा रहे निरीक्षण का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यालय में – राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3), कार्यशालाओं का नियमित आयोजन, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठक में कार्यालय अध्यक्ष की उपस्थिति, राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठकों का नियमित आयोजन, हिन्दी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि) आदि बिन्दु बहुत ही ध्यान देने योग्य हैं। इस बैठक के माध्यम से सभी कार्यालय प्रमुखों से अनुरोध किया है कि इन बातों को अपने – अपने कार्यालय में सख्ती से अनुपालन करें। उन्होंने आग्रह किया कि राजभाषा विभाग के विभिन्न प्रोत्साहन पुरस्कार योजनाओं पर ध्यान दें, और उनमें पुरस्कार प्राप्त करने की कोशिश करें। उन्होंने प्रत्येक कार्यालय से जुड़े कार्य क्षेत्र के बारे में हिन्दी और विभिन्न प्रादेशिक भाषाओं में विषय-वस्तु तैयार करने और प्रचुर मात्रा में उसका प्रचार-प्रसार करने का अनुरोध किया। उन्होंने हिन्दी में कार्यालयीन कार्य करने हेतु कंप्यूटरों की मदद लेने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी सदस्य कार्यालय तिमाही प्रगति रिपोर्ट अपलोड करने हेतु राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर पंजीकरण करें। कंठस्थ वेबसाइट का उपयोग करें। उन्होंने अंत में अपने-अपने कार्यालयों में हिन्दी में काम करने के साथ-साथ प्रशासनिक बैठकें, तकनीकी संवाद आदि में बोलचाल की भाषा हिंदी का प्रयोग करने पर जोर दिया जिससे कार्यालय में हिन्दी के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर हिन्दी शिक्षण योजना की प्रभारी डॉ. सीमा कुमारी जी ने अपना वक्तव्य देते हुए हिन्दी शिक्षण योजना की ओर से चलाई जाने वाली भाषा प्रशिक्षण, टंकण एवं आशुलिपि कक्षाओं की आगामी समय-सारणी की सूचना दी। पारंगत परीक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि सभी सदस्य कार्यालय हिन्दी शिक्षण संबंधी व्यावहारिक कठिनाइयों को हिन्दी शिक्षण योजना कार्यालय से संपर्क करके दूर करें। उसके लिए हिन्दी शिक्षण योजना की ओर से हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

तदुपरान्त क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), राजभाषा विभाग, बेंगलूरु से मुख्य अतिथि के रूप में पधारे उप निदेशक (कार्यान्वयन) श्री अनिर्बान कुमार बिश्वास जी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत सरकार द्वारा भारतीय भाषाओं के विकास के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में गृह मंत्रालय द्वारा राज्य सरकारों से किए जाने वाले पत्राचार में तत्संबंधी राज्य की स्थानीय भाषा का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने अपील की कि राजभाषा कार्यान्वयन को लेकर राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए वार्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयास करें। उन्होंने भारत सरकार द्वारा विकसित भारतीय अनुवाद सारथी जैसे डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने पर बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रौद्योगिकी की मदद से हर भाषा में कार्य करना आसान है। उन्होंने कहा कि भाषा कभी भी तकनीकी कार्य को प्रभावित नहीं करती है। इसलिए तकनीकी कार्यों में भी हिन्दी का प्रयोग करें, और तकनीकी शब्दों का पर्याय उपलब्ध नहीं कोने पर उन्हें देवनागरी में ही प्रयोग करें। उन्होंने इस अवसर पर नगर राजभाषा समिति (का.), हैदराबाद (3) को 4 अलग-अलग समितियों में विभाजित किया। इसके बाद समिति के सदस्य सचिव श्री चि.वें. सुब्बाराव जी ने सदस्य कार्यालयों द्वारा भेजे गए राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी छमाही प्रगति प्रतिवेदनों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यालयों द्वारा राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा न.रा.का.स. की बैठकों में कार्यालय प्रमुखों की उपस्थिति की अनिवार्यता को लेकर जानकारी दी। इसके उपरांत बैठक में उपस्थित हिन्दी पदाधिकारियों द्वारा पुछे गए सवालों का जवाब क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण) के उप निदेशक श्री अनिर्बान कुमार बिश्वास तथा हिन्दी शिक्षण योजना की प्रभारी डॉ. सीमा जी ने दिया।इस बैठक में समिति के अनेक गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित थे। इससे पहले मंचासीन अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छों से किया गया। समिति के अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि श्री अनिर्बान कुमार बिश्वास और डॉ. सीमा कुमारी जी का सम्मान स्मृति चिह्न तथा शाल से किया। बैठक की विधिवत् समाप्ति सीएसआईआर-एनजीआरआई के कनि. हिन्दी अनुवादक श्री अजीत कुमार द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुई। बैठक का संचालन समिति के सदस्य सचिव श्री चि.वें. सुब्बाराव ने किया। इस बैठक में समिति के विभिन्न कार्यालयों से 119 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बीपीडीएवी स्कूल की छात्राएँ राज्य स्तरीय सीनियर नेटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयनित

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
ब्रह्म प्रकाश डी.ए.वी. स्कूल की छात्राओं ने खेल के मैदान में एक बार फिर स्कूल का मान बढ़ाया है। काचीगुडा गवर्नमेंट स्कूल में आयोजित मनेटबॉल सीनियर सिलेक्शनफ ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कूल की छात्राएँ नित्या, कनिष्का, श्रद्धा, रत्ना सिरी, श्रेष्ठा, प्रणवी और त्रिशा सिंह ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। चयनित छात्राएँ अब 25 से 27 दिसंबर तक महबूबाबाद जिले के केसमुद्रम (एग्रीकल्चर मार्केट) में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय नेटबॉल चैंपियनशिप में शिरकत करेंगी।स्कूल के प्रधानाचार्य श्री वी.एस. प्रशांत ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा, ब्रह्म प्रकाश डी.ए.वी. स्कूल का सदैव यह लक्ष्य रहता है कि हम विद्यार्थियों की जिज्ञासा को नई उड़ान दें। खेलों के माध्यम से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि मानसिक दृढ़ता भी आती है।

हमारा संस्थान छात्रों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।इस गौरवपूर्ण अवसर पर, स्कूल की अध्यक्ष श्रीमती के. मधुबाला, डी.ए.वी. स्कूल की एआरओ श्रीमती के. आनंदवल्ली, प्रधानाचार्य, शिक्षकगण तथा मिधानि और बी. डी. एल. के एलएमसी सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया और चयनित छात्रों को उनकी सफलता पर हार्दिक बधाई दी और उन्हें राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Smt T ANURADHA Wife of JC No. 762109P Sub TERLI MOHANA RAO (Retd) of Corps of EME, Resident of H.No.5-8-28/2/A/112, Block A, Dokuris Meghadri Heights, Vill:Yapral, PO:Jawaharnagar, Alwal Mandal, Dist:Medchal Malkajgiri, Telangana-500087 have changed my name from T.ANURADHA to TERLI ANURADHA vide affidavit dt:22-12-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, GUNDAGONI VENKATAMMA Mother of JC-780655K Nb/Sub GUNDAGONI SHIVA PRASAD, Resident of 6-32/3/49P, Gayathri Nagar, Keesara Mandal, PO:Nagaram, Dist:Medchal Malkajgiri Dist, Telangana-500083 have changed my name from VENKATAMMA to GUNDAGONI VENKATAMMA vide affidavit dt:22-12-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No.15155651X HAV(Gnr) JANG BAHADUR presently residing at Vill - Chilauda (Rani Ganj). PO- Bagae Khurd, Teh- Phool Pur, District Prayagraj (Uttar Pradesh) PIN-212404, that daughter name is to be changed From RISKA SONKAR (Old Name) to RISHIKA SONKAR (New Name) vide Affidavit Dt.22-12-2025 before C Samuel Advocate and Notary Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, Rathidevi J W/o J Mani Sekar, R/o (V) Sundaralingapuram, (T) Peraiyur, (D) Madurai, Tamilnadu, 625703. have changed my name from Rathidevi J to Rathidevi M, affidavit dt. 22-12-2025, before Sec-Bad Court

CHANGE OF NAME
I, REDDEMMA, is legally Wedded Wife of Service No. 14598031M, Rank: EX-NK, Name: KONDA NARASIMHA REDDY, Residing at H.No. 27-16/22/18/6/C, Krupa Complex, Sri Krishna Nagar, Ramakrishna Puram, District: Medchal-Malkajgiri, State: Telangana, Pin:500056. I have Changed my name from REDDEMMA to KONDA REDDEMMA, That my date of birth is 24-06-1977.

CHANGE OF NAME AND DOB
I, Rukmuni Jal, dependent Mother of No 15715313P Hav (Clk SD) Rameswar Jal, serving unit: Telangana Andhra Sub Area, PIN-900453, C/o 56 APO and permanent Address in At/Po- Barpali (Telipada, W.N 9), Teh/Ps Barpali, Dist-Bargarh, State:ODISHA, Pin 768029, I have changed my name from RUKMANI JAL to RUKMUNI JAL and DOB Changed form 02/07/1966 to 12/10/1970 Affidavit Singed dated 03/10/2025

CHANGE OF NAME
I, RINKI DEVI,Legaly wedded wife of No.15741405Y (SIGMN) Deependra Singh, Unit Telangana Andhra Sub Area C/o 56 APO, Residing at vill:Basaiya Jotiraj, post: Jaigara, Kiraoli, Dist:Agra, State Uttar Pradesh, Pin 283122, I have changed my name from RINKI DEVI to RINKI KUMARI Affidavit Singed dated 06/11/2025

CHANGE OF NAME
I, RITA DEVI is legally wedded Spouse of service No-14646818F, Rank-NK, Name-BHAVESH KUMAR. R/o Vill- Kalyanpur,PO-Budai,Teh-Bhongaon,Distt-Mainpuri, State-Uttar Pradesh, PIN-206301, have changed my name from RITA DEVI to RITA KUMARI add in my husband service documents vide affidavit date 20 Dec 2025 before Radhay Ram Advocate Mainpuri.

महेश बैंक के नवनिर्वाचित चेयरमैन सीए मुरली पलोड एवं वाईस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी एवं निदेशक मंडल के देवेंद्र झंवर, कविता तोष्णीवाल, अमित लड्डा, पवन लोहिया, कैलाश मंत्री, रुपेश सोनी, विनोद कुमार बंग एवं दीपक बंग ने सोमवार दि. 22 दिसंबर को महेश बैंक मुख्यालय में विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात औपचारिक रूप से कार्यभार संभाला । इस अवसर पर बधाई देते हुए निवर्तमान चेयरमैन रमेश कुमार बंग, निवर्तमान वाइस चेयरमैन लक्ष्मीनारायण राठी, भूतपूर्व चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधाना, ध्याम बंग, गोपाल सारडा, बद्रीविशाल लोया, लोकेश पलोड, भगवानदास कांकाणी, कमला राठी, भारती पलोड एवं श्रीदेवी बंग ।

श्री जैन सेवा संघ के नतीजे आज संभव

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन सेवा संघ के चुनाव के नतीजे संभवतः मंगलवार 23 दिसंबर, 2025 को मध्याह्न 12.00 बजे तक घोषित होने की संभावना है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार 21 दिसंबर को हुए चुनाव के बाद मतगणना अधबीच में कुछ विवादों के कारण रोक दी गई थी। वह कार्य आज पुलिस के निगरानी में मुख्य चुनाव अधिकारी की देखरेख में सोमवार 22 दिसंबर को पूरा हुआ। किंतु नतीजे की घोषणा मंगलवार 23 दिसंबर को होने की संभावना है । बताया जाता है कि श्री जैन सेवा संघ के वरिष्ठ सदस्यों व पूर्व अध्यक्षों आदि द्वारा दोनों पक्षों को समझाया जाएगा। न मानने की सूरत में नतीजे घोषित किये जा सकते हैं।

प्रजा एकता पार्टी अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास का जन्मदिन गौशाला में मनाया गया

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विक्टोरिया मेमोरियल मेट्रो स्टेशन के समीप श्री राधा गौशाला में प्रजा एकता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला शीनिवास का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया। गौशाला के अध्यक्ष व राष्ट्रीय वानरसेना गौरक्षा प्रमुख शीराम कुमार जोशी ने उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।बोनाला शीनिवास ने बताया कि वे छह बहनों में सबसे छोटे हैं और बचपन में मां के दूध के बजाय गौमाता के दूध पर पले-बढ़े। गौशाला में जन्मदिन मनाना उनके लिए सौभाग्य की बात है तथा वे गौमाता के हितार्थ समर्पित हैं। उन्होंने गौसेवा कार्यों के लिए सहयोग का आह्वान किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय वानरसेना गौरक्षा विंग के तेलंगाना अध्यक्ष ओमसिंह राजपुरोहित, महेन्द्र रेड्डी, आयुष जोशी, अनिकेत जोशी और नवनीत जोशी उपस्थित रहे।

बिहार एसोसिएशन हैदराबाद की कार्यकारिणी के कार्यकाल का विस्तार

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार एसोसिएशन हैदराबाद की नई कार्यकारिणी के गठन के क्रम में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि वर्तमान में कार्यरत कार्यकारिणी समिति को संगठन के अगले चुनाव तक यथावत जारी रखा जाएगा।

एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान कार्यकारिणी की समयावधि पूर्ण होने के बाद नई कार्यकारिणी के गठन एवं चुनाव को लेकर बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में कार्यकारिणी मंडल द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि अध्यक्ष हरे राम सिंह के नेतृत्व वाली वर्तमान समिति ही आगामी चुनाव तक संगठन का संचालन करती रहेगी।

वर्तमान कमेटी के कार्यकाल में बिहार एसोसिएशन ने कई उल्लेखनीय कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिनकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, वह कम है। बिहार एसोसिएशन का वर्षों पुराना सपना एक-एक करके साकार हो रहा है। इन लक्ष्यों की पूर्ति में सभी कर्मठ एवं समर्पित सदस्यों का सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा है।अध्यक्ष हरे राम सिंह ने कार्यकाल विस्तार के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर सहयोग की अपील की।

बैठक में कोषाध्यक्ष विनोद गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा, पूर्व महासचिव उत्तम यादव, वरिष्ठ कार्यकारी सदस्य भारत सिंह, दिनेश सिंह, अखिलेश सिंह, दशरथ यादव, वीरेंद्र प्रसाद सिंह, जितेंद्र गुप्ता, मनोज यादव, गोपाल शाह सहित अनेक गणमान्य एवं वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का नव वर्ष कार्यक्रम कल

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्र महिला मंच तेलंगाना की कार्यकारिणी सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक इंदिरा पार्क में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि वर्ष 2026 का आगमन भव्य रूप से जुबली हिल्स स्थित एयर लाइव में मनाया जाएगा।

इस बैठक में मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग, मंत्राणी अंजू गोयल सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहीं।अग्र महिला मंच द्वारा नए साल 2026 की पूर्व संध्या को शानदार और यादगार रूप में मनाने की तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्षा दीपा गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि जुबली हिल्स स्थित एयर लाइव में यह कार्यक्रम 24 दिसंबर, बुधवार को दोपहर 12.30 बजे से आरम्भ होगा। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए मनोरंजन और मस्ती से भरपूर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी।कार्यक्रम के दौरान स्वादिष्ट स्नैक्स, पेय पदार्थ एवं भोजन की भी विशेष व्यवस्था रहेगी। साथ ही प्रतिभागियों के लिए सरप्राइज गेम्स रखे गए हैं, जिनमें आकर्षक सरप्राइज पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में सभी के लिए विशेष ड्रेस कोड भी निर्धारित किया गया है, जिससे आयोजन और भी रंगीन एवं आकर्षक बनेगा।

तेलंगाना आईटी मंत्री ने वैश्विक शिखर सम्मेलन में फर्जी समझौता ज्ञापनों के केसीआर के दावे को खारिज किया

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के उन दावों को खारिज करते हुए, जिनमें हाल ही में आयोजित मतेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिटफ में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों को फर्जी बताया गया था, तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने सोमवार को जोर देकर कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार पिछले ङ्गङ्घप्रचार-संचालित () शासन के विपरीत, आर्थिक आंकड़ों पर आधारित आशा-संचालित दृष्टिकोण का पालन करती है।यहाँ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बाबू ने कहा कि निवेश का पैमाना और विविधता तेलंगाना में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दर्शाती है।मंत्री ने कहा, पिछला प्रशासन प्रचार पर फला-फूला, जबकि वर्तमान सरकार आंकड़ों द्वारा समर्थित आशा (Hope) में विश्वास करती है। उन्होंने आगे कहा कि आनंद महिंद्रा और टोनी ब्लेयर जैसे वैश्विक व्यापारिक नेताओं की शिखर सम्मेलन में उपस्थिति ने हस्ताक्षरित 5.75 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों की गंभीरता की पुष्टि की है।

CSIR-IICT के वरिष्ठ मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सूर्य प्रकाश सिंह प्रतिष्ठित MRSI पदक से सम्मानित

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी) के वरिष्ठ मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सूर्य प्रकाश सिंह को वर्ष 2025 के लिएमटेरियल्स रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमआरएसआई) पदक प्राप्त करने के लिए चुना गया है।यह पदक एमआरए-सआई की वार्षिक आम बैठक के दौरान प्रदान किया जाएगा, जो 17-20 दिसंबर, 2025 के दौरान एनआईएसईआर, भुवनेश्वर में आयोजित होने वाली है। यह पदक सामग्री और प्रक्रियाओं के क्षेत्र में विशेषज्ञता और उत्कृष्टता की मान्यता के रूप में दिया जाता है।डॉ. सूर्य प्रकाश सिंह का समूह रासायनिक उद्योग और ऊर्जा क्षेत्रों में अनुप्रयोगों के लिए उन्नत कार्यात्मक सामग्रियों के विकास पर कार्य करता है। बुनियादी और व्यावहारिक अनुसंधान में उनके योगदान को देखते हुए, उन्हें अब तक कई सम्मानों से नवाजा जा चुका है,

सीएसआईआर-आईआईसीटी में डॉ. सिंह का समूह अनुवादकीय अनुसंधान में लगा हुआ है। उन्होंने आणविक रूप से इंजीनियर फोटोसेंसिटाइज़र की एक बड़ी शृंखला विकसित की है और उन्हें विभिन्न फोटोनिक उपकरणों जैसे डाई सेंसिटाइज्ड सोलर सेल्स, ऑर्गेनिक सोलर सेल्स और पेरोव्स्काइट सोलर सेल्स में लागू किया है। उनका शोध कार्य अंतःविषय है, जिसमें कार्बनिक रसायनज्ञों, सामग्री वैज्ञानिकों और डिवाइस इंजीनियरों का सहयोग शामिल है।विशेष रूप से, उन्होंने पहली बार कमरे के तापमान पर स्थिर, गैर-विषाक्त और अत्यधिक फ्लोरोसेंट बोडीपाई डाई को माइटोकॉन्ड्रिया ट्रैकर के रूप में विकसित किया है। इस प्रक्रिया तकनीक को एक जापानी कंपनी टीसीआई को हस्तांतरित किया गया है।

IN THE COURT OF THE HON'BLE I SENIOR CIVIL JUDGE CITY CIVIL COURT: AT HYDERABAD.

O.S No.1631 of 2025

Between:

1) S. Jasvanth Kour, W/o. Late Sardar Jasbeer Singh, aged 48 years, Occ: Advocate,
2) S. Harminder Kour, W/o. Gurmel Singh, D/o. Late Sardar Jasbeer Singh, aged 25 years, Occ: Pvt. Employee,
3) S. Navjyoth Singh, S/o. Late Sardar Jasbeer Singh, aged 19 years, Occ: Student, All are R/0.7-1-302/62, Dasaram Basthi, B.K. Guda, SR Nagar, Hyderabad.
...Plaintiffs

AND

Mohammed Younus Khan & All Concerned
...Defendants

To,
All concerned

Whereas the above named plaintiffs had filed a suit for declaration of legal heirs Vide OS.No.1631 of 2025 before the Hon'ble I Senior Civil Judge, City civil Court at Hyderabad against defendant No-2. The said case is posted on 09-02-2026 for your appearance in the above said matter and you are hereby required to appear personally or duly authorized by your agent or counsel on the said date before the said court. Otherwise the matter will be decided as per law.

(BY ORDER OF THE COURT)

P.Pallavi
Advocate
O/o H.No 2-4-359
Kachiguda, Hyderabad.

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive............
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.